THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 217 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.13 2082 सोमवार, 3 नवंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

RERA REG. NO.: RAJ/P/2025/4228
https://rera.rajasthan.gov.in/

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना

जयपुर में
आवासीय फ्लैट्स
हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

वाटिका इन्फोटेक सिटी,
अजमेर रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री जन
आवास योजना-3A
के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रेरा में पंजीकृत
नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा विकसित आवासीय योजना

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल
केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए
1 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

नितल
स्टूडियो और 3 बीएचके अपार्टमेंट

आवेदन की अंतिम तिथि
04 नवम्बर, 2025

उपलब्ध फ्लैट	पंजीकरण राशि	मूल कीमत
स्टूडियो फ्लैट	₹66,000	₹18.0 लाख*
3 BHK फ्लैट	₹96,000	₹43.0 लाख*

आवेदन हेतु SCAN करें
www.cmjanawaas.com

86 87 88 22 22

विकासकर्त्ता -
नितल
इंफ्राप्रॉजेक्ट्स
एलएलपी

*Terms & Conditions Apply

सांसद नरेश बंसल के नाम लिंकडिन पर फर्जी इंटर्नशिप पेज बनाकर धोखाधड़ी मुकदमा दर्ज

देहरादून, 2 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के राज्यसभा सांसद नरेश बंसल के नाम पर लिंकडिन पर फर्जी इंटर्नशिप पेज बनाकर कई लोगों से धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि ठग इसके माध्यम से 15 अगस्त को संसद भवन घुमाने और 26 जनवरी की परेड के टिकट दिलवाने का भी झांसा दे रहे हैं। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शहर कोतवाल प्रदीप पंत ने बताया कि लिंकडिन पर बने इंटर्नशिप पेज के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। सभी पहलुओं की जांच कर मामले में कार्रवाई की जाएगी।

दोस्त की पत्नी से दुष्कर्म अश्लील वीडियो भी बनाया वायरल करने की धमकी फिर क्या हुआ?

लुधियाना, 2 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना में महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी कोई और नहीं महिला के पति का दोस्त है। लुधियाना के हरगोबिंद नगर इलाके में एक व्यक्ति अपने दोस्त के घर उसके साथ बिजनेस शुरू करने की बात कहकर घर में घुस गया। दोस्त की पत्नी ने मेहमान समझकर बैठा लिया। आरोपी ने उसे मिठाई खिला दी। मिठाई में पहले से ही नशीला पदार्थ मिला रखा था।

इसके बाद आरोपी ने महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसकी अश्लील वीडियो भी बनाई। बाद में उसे ब्लैकमेल किया कि वह पुलिस को इस बारे में शिकायत देगी तो उसकी फोटो वायरल करेगा। पीड़िता ने इसकी शिकायत अपने पति को दी तो वह तुरंत पुलिस के पास पहुंच गया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर हरगोबिंद नगर इलाके में रहने वाले सरफराज के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

आरजेडी आई तो अपहरण, रंगदारी खून के तीन नए मंत्रालय खुलेंगे

मुजफ्फरपुर में अमित शाह का बड़ा हमला

मुजफ्फरपुर , 2 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मुजफ्फरपुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आरजेडी और लालू प्रसाद यादव पर तीखा हमला बोला। अमित शाह ने लालू यादव के शासनकाल को जंगलराज बताते हुए मतदाताओं से बिहार को इससे बचाने के लिए मतदान करने की अपील की।

हमने जंगलराज से आजादी दिलाई: केंद्रीय गृह मंत्री

अमित शाह ने लालू प्रसाद यादव के बेटे के मुख्यमंत्री बनने की संभावना पर तंज कसते हुए कहा कि अगर आरजेडी सत्ता में आती है, तो राज्य में तीन नए मंत्रालय खुलेंगे। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, अगर लालू के बेटे सीएम बनते हैं, बिहार में तीन नए मंत्रालय खुलेंगे। एक बनेगा अपहरण को चलाने वाला मंत्री। दूसरा बनेगा रंगदारी का मंत्री। तीसरा अपहरण और खून को बढ़ावा देने वाला मंत्री। उन्होंने बिहार की जनता को याद दिलाते हुए कहा, हमने जंगलराज से आजादी दिलाई। बिहार को जंगलराज से बचाने के लिए वोट करें। बिहार में जंगलराज को वापस आने नहीं देना है।

न तेजस्वी सीएम बन सकते हैं, न राहुल पीएम बन सकते हैं

अमित शाह ने लालू यादव और सोनिया गांधी दोनों पर परिवारवाद को बढ़ावा देने और देश की चिंता न करने का आरोप लगाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दोनों के बेटों के लिए सत्ता की सीट खाली नहीं है। उन्होंने, लालू जी और सोनिया जी को देश की चिंता नहीं है। लालू जी की इच्छा है उनका बेटा (तेजस्वी) सीएम बने और सोनिया जी चाहती हैं उनका बेटा (राहुल गांधी) पीएम बने।

लेकिन न तेजस्वी सीएम बन सकते हैं न राहुल गांधी पीएम बन सकते हैं, क्योंकि सीट खाली नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपनी रैली के माध्यम से साफ संकेत दिया कि बीजेपी और एनडीए का मुख्य चुनावी मुद्दा लालू यादव के शासनकाल के कानून-व्यवस्था को फिर से स्थापित होने से रोकना है। बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में 6 नवंबर और 11 नवंबर को होने जा रहे हैं, जिसके नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

'विकास के बल पर जीतेगा महायुति गठबंधन'

डिप्टी सीएम शिंदे ने जताया निकाय चुनाव में जीत का भरोसा

मुंबई, 2 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को विश्वास जताया कि राज्य की जनता विकास कार्यों और जनसेवा के दम पर आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में महायुति सरकार का साथ देगी। पंढरपुर में प्रसिद्ध विठ्ठल मंदिर में कार्तिकी एकादशी पूजा करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में शिंदे ने कहा कि जनता काम को महत्व देती है, और हमारा एजेंडा साफ है- हमारा एजेंडा है विकास।

उन्होंने कहा कि महायुति सरकार ने किसानों के साथ हर मुश्किल वक्त में खड़े रहकर राहत पहुंचाई है। बीते कुछ महीनों में भारी बारिश से किसानों को हुए नुकसान के बाद सरकार ने 32 हजार करोड़ रुपये का राहत पैकेज घोषित किया था, जिसका वितरण दीवाली से पहले कर दिया गया। शिंदे ने बताया कि कर्जमाफी पर फैसला 30 जून 2026 तक लिया जाएगा। इसके लिए बनाई गई समिति अप्रैल के पहले सप्ताह में अपनी सिफारिशें सौंपेगी।

उन्होंने कहा हमारे कार्य और विकास की नीति के कारण ही जनता ने विधानसभा चुनावों में हमें भारी समर्थन दिया। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में भी जनता हमारे काम के आधार पर हमारा साथ देगी।

उधर, विपक्षी महा विकास आघाड़ी (एमवीए) ने मुंबई में शनिवार को मतदाता सूची में गड़बड़ियों के खिलाफ चुनाव आयोग कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला था। एमवीए नेताओं ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में कई गड़बड़ियां की गई हैं जैसे गलत नामों का हटाया जाना, दोहरी प्रविष्टियां और अनियमित जोड़ जो सत्ताधारी दलों को फायदा पहुंचा रही हैं। विपक्ष ने मांग की है कि इन खामियों को दूर किए बिना स्थानीय निकाय चुनाव नहीं कराए जाने चाहिए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया है कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव 31 जनवरी 2026 तक कराए जाएं।

एसपी और पूर्व विधायक में भिड़ंत, कट गया 2300 रुपये का चालान; बिना हेलमेट चला रहे थे बाइक

बालाघाट, 2 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बालाघाट में 'नो हेलमेट-नो राइड' अभियान के दौरान उस समय हंगामा मच गया, जब एसपी आदित्य मिश्रा ने बिना हेलमेट बाइक चला रहे पूर्व विधायक उमाशंकर मुंजारे को रोक लिया। नियम तोड़ने पर एसपी ने उनका 2300 रुपये का चालान काट दिया, जिसके बाद दोनों के बीच बहस हो गई। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।जानकारी के अनुसार, रात करीब साढ़े आठ बजे एसपी आदित्य मिश्रा अपने दल के साथ शहर में हेलमेट चेकिंग अभियान का निरीक्षण कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने पूर्व विधायक उमाशंकर मुंजारे को बिना हेलमेट बाइक चलाते देखा। एसपी ने उन्हें रोककर वाहन के कागजात मांगे। इस पर मुंजारे नाराज़ हो गए और बोले, "क्या यह चोरी की गाड़ी है जो आप मुझसे कागज मांग रहे हैं?" इसके बाद दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

मौके पर मौजूद लोगों ने इस पूरे वाकये का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। पूर्व विधायक मुंजारे ने पुलिस कार्रवाई को पक्षपातपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, "जब मेरा चालान काटा जा रहा था, तब कई लोग बिना हेलमेट जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने किसी का चालान नहीं किया। यह कार्रवाई एकतरफा है।" मुंजारे ने चालान की रकम जमा नहीं की, तो पुलिस ने उनकी बाइक जब्त कर थाने भेज दी।

शिमला के नारकंडा के पास खाई में गिरी टेंपो ट्रैवलर, 32 लोग घायल 17 आईजीएमसी रेफर

शिमला, 2 नवंबर (एजेंसियां)। नारकंडा के पास एक टेंपो ट्रैवलर खाई में गिर गई। हादसे में 32 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 17 को आईजीएमसी रेफर कर दिया है । अन्य का उपचार कुमारसैन अस्पताल में चल रहा है।। घायलों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। ट्रैवलर में सवार लोग रिकांगपिओ से नेपाल जा रहे थे। कुमारसैन थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। ट्रैवलर चालक राजकुमार मामला दर्ज किया गया। बीएमओ कुमारसेन अंकुश ठाकुर ने बताया कि कुल 32 घायल अस्पताल लाया गया था।

पीएम मोदी युवाओं से रील बनाने के लिए क्यों कहते हैं

बेगूसराय की रैली में राहुल गांधी ने बताई वजह

बेगूसराय, 2 नवंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को बेगूसराय में आयोजित एक चुनावी सभा में एनडीए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि '56 इंच की छाती में कुछ नहीं रखा है। 56 इंच की छाती वाले डरपोक हैं।' राहुल गांधी ने कहा कि 1971 में जब अमेरिका ने इंदिरा गांधी को धमकी दी थी, तब वे नहीं डरीं और पाकिस्तान पर विजय हासिल कर दिखाया। उन्होंने पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि 'जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने नरेंद्र मोदी से कहा कि ऑपरेशन सिंदूर बंद कर दो, तो मोदी ने दो दिन में ऑपरेशन रोक दिया।' राहुल ने दावा किया कि मोदी केवल ट्रंप से ही नहीं डरते, बल्कि अडानी-अंबानी जैसे उद्योगपतियों के नियंत्रण में हैं।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री युवाओं से सोशल मीडिया पर रील बनाने की बात इसलिए करते हैं ताकि वे बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर सवाल न उठाएं। उन्होंने कहा, 'जिस दिन युवाओं को समझ आ जाएगा कि अडानी के साथ मोदी की पार्टनरशिप क्या है, उसी दिन उनकी दुकान बंद हो जाएगी।'

राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी वोट के लिए कुछ भी कर सकते हैं, लेकिन कांग्रेस की सरकार बनने पर किसी एक जाति या वर्ग के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए काम होगा। उन्होंने कहा, 'अगर बिहार में हमारी सरकार बनी तो हम सर्वोत्तम शिक्षा देंगे और नालंदा विश्वविद्यालय जैसा विश्वस्तरीय संस्थान खोलेंगे।' उन्होंने जनता से कहा, 'मैं आपको व्यक्तिगत गारंटी देता हूं कि जिस दिन केंद्र में इंडिया। गठबंधन सत्ता में आएगा, हम ऐसा विश्वविद्यालय बनाएंगे जहां दुनिया भर से छात्र आकर पढ़ सकें।'

प्रधानमंत्री और सीएम रेखा जी, दिल्ली के प्रदूषण से मिलकर लड़ने का समय

प्रियंका गांधी बोलीं-इसी हवा में हम सब सांस ले रहे

नई दिल्ली, 2 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया एक्स पर प्रदूषण को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि पहले वायनाड और फिर बिहार के बछवाड़ा से दिल्ली की हवा में लौटना वाकई परेशान करने वाला है। इस शहर को ढंके प्रदूषण ने मानो उस पर एक धुएं और ग्रे रंग का आवरण डाल दिया हो। अब समय आ गया है कि हम सब अपनी राजनीतिक मजबूरियों की परवाह किए बिना एकजुट होकर इस बारे में कुछ कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

प्रियंका गांधी ने कहा कि इस भयावह स्थिति को कम करने के लिए वे जो भी कदम उठाएंगे, हम सब उनका समर्थन और सहयोग करेंगे। साल दर साल दिल्ली के नागरिक इस ज़हरीलेपन का शिकार होते हैं और उनके पास कोई उपाय नहीं है। सांस की समस्याओं से जूझ रहे लोग, रोज़ाना स्कूल आने-जाने वाले बच्चे और खासकर बुज़ुर्गों को इस गंदी धुंध को दूर करने के लिए तुरंत काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस हवा में हम सब सांस ले रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीएम रेखा गुप्ता से अपील की और कहा कि कृपया तुरंत कदम उठाएं।

एक्यूआई है बेहत खराब

पिछले कुछ हफ्ते में राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता में गिरावट आई है। यहां के प्रमुख इलाकों में एक्यूआई की रीडिंग 'बेहद खराब' से लेकर 'गंभीर श्रेणी' तक पहुंच गई है। 39 निगरानी केंद्रों की औसत रीडिंग के अनुसार एक्यूआई 303 (बेहद खराब) है, लेकिन वजीरपुर और आनंद विहार जैसे इलाकों में एक्यूआई की रीडिंग 'गंभीर' दर्ज की गई है।

दिल्ली सरकार ने अब राष्ट्रीय राजधानी में बारिश कराने और वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए क्लाउड सीडिंग परीक्षणों की एक श्रृंखला की योजना बनाई है। पिछले हफ्ते, राष्ट्रीय राजधानी के ऊपर बादलों में नमी की मात्रा कम होने के कारण दो क्लाउड सीडिंग परीक्षण बारिश लाने में विफल रहे।

दिल्ली में फायरिंग से दहशत, आपसी रंजिश में दो गुटों की भिड़ंत में युवक घायल; आरोपी फरार

नई दिल्ली, 2 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली। दक्षिण पूर्व जिले के गोविंदपुरी थाना इलाके में बीती रात गोलियां चलने से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि मौके पर कई राउंड गोलियां चली हैं और एक गोली राजकुमार नामक युवक को लगी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार लाला और आसिफ नामक आरोपी 20- 25 लोगों के साथ मौके पर पहुंचे और गोलियां चलाई।

बताया जा रहा है कि आपसी रंजिश में राजकुमार को गोली मारी है। पुलिस अधिकारी देर रात मौके पर पहुंच गए थे। गोविंदपुरी थाना पुलिस ने मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रविवार सुबह तक आरोपित पुलिस की पकड़ से बाहर थे।

'आई लव यू' कहते हुए फंसा लिया कुख्यात गिरीश देवड़ा

लेडी पीएसआई ने फिल्मी अंदाज से कराया गिरफ्तार

सूरत, 2 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत से एक अजीब मामला सामने आया है, जिसमें एक महिला अधिकारी को अपराधी को पकड़ने के लिए अपनी पहचान बदलनी पड़ी। दरअसल, पूरा मामला जालसाज गिरीश देवड़ा नाम के शख्स के साथ जुड़ा है, जो 30 लाख का लोन लेकर खरीदी गई फॉर्च्यूनर कार बेचकर फरार हो गया था। इसको पकड़ने के लिए महिला अधिकारी ने एक नई तरकीब निकाली, जिससे उन्हें आरोपी को पकड़ने में कामयाबी भी मिली। सूरत सिटी पुलिस की पीएसआई शीतल चौधरी ने एक कुख्यात जालसाज गिरीश देवड़ा को फिल्मी अंदाज में गिरफ्तार किया है। जालसाज गिरीश देवड़ा पर आरोप था कि उसने 30 लाख का लोन लेकर एक फॉर्च्यूनर कार खरीदी, लेकिन बाद में वह कार को बेचकर फरार हो गया था। वह पुलिस को चकमा देने के लिए अपना फोन बंद रखकर केवल व्हाट्सएप पर एक्टिव था।

इस शातिर फ्रॉड को पकड़ने के लिए पीएसआई शीतल चौधरी ने अपनी टीम के साथ मिलकर एक प्लान बनाया। उन्होंने खुद को 'पूजा' बताकर गिरीश से व्हाट्सएप पर संपर्क किया। लगभग 25 दिनों तक दोनों के बीच बातचीत चली। इसके बाद गिरीश झांसे में आने लगा, क्योंकि उनकी चैट जल्द ही रोमांटिक बातचीत में बदलने लगी। इसमें 'आई लव यू' और 'मिस यू' जैसे मैसेज शामिल थे। इसके बाद जालसाज गिरीश 'पूजा' से मिलने के लिए सूरत के पर्वत पाटिया पहुंच गया। पूजा से मिलने के लिए सूरत पहुंचे गिरीश का स्वागत वर्दी में पीएसआई शीतल चौधरी और उनकी टीम ने किया। उन्होंने आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया। पीएसआई शीतल की सूझबूझ से सिर्फ गिरीश ही नहीं, बल्कि उसके साथी कुलदीप सोलंकी को भी गिरफ्तार किया गया है।

हॉस्पिटल में जरूरी दवाओं की किल्लत पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त

आरएमएल अस्पताल से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 2 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इलाज की सुविधाओं की कमी को लेकर दायर एक याचिका पर गंभीर रुख अपनाया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने अस्पताल प्रशासन से पूछा है कि जब यहां इलाज के लिए आने वाले मरीजों को जरूरी सुविधाएं नहीं मिल रहीं तो उनकी जिम्मेदारी कौन लेगा। दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस प्रतिभा एम। सिंह और जस्टिस मनीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की बेंच ने आरएमएल अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट को निर्देश दिया है कि वे एक हलफनामा दायर कर यह बताएं कि अस्पताल में न्यूक्लिक एसिड टेस्टिंग सुविधा क्यों बंद है और जरूरी दवाएं मरीजों को उपलब्ध क्यों नहीं कराई जा रही हैं। अब यह मामला 17 दिसंबर को फिर से सुना जाएगा।

दिल्ली हाई कोर्ट में कुटुंब एनजीओ ने दायर की अर्जी

दिल्ली हाई कोर्ट में यह याचिका एनजीओ कुटुंब ने दायर की है। एनजीओ की ओर से पेश वकील ने दलील देते हुए कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आरएमएल अस्पताल में पिछले एक साल से एनएटी टेस्टिंग मशीन खराब पड़ी है। यह टेस्ट खून में एचआईवी, हेपेटाइटिस बी और सी जैसी घातक बीमारियों का शुरुआती पता लगाने के लिए जरूरी है। वकील ने कहा कि नवंबर 2024 से यह मशीन काम नहीं कर रही, जिसके कारण अब सिर्फ साधारण सेरोलॉजी टेस्ट किए जा रहे हैं। इससे उन मरीजों को बड़ा खतरा है जिन्हें बार-बार खून चढ़ाने की जरूरत होती है, जैसे थैलेसीमिया के मरीज।

वकील ने अस्पताल में लगाया दवाओं की कमी का आरोप

याचिका में यह भी कहा गया कि अस्पताल में जरूरी दवाओं की भारी कमी है। गरीब मरीजों को दवाएं बाहर की दुकानों से महंगे दामों पर खरीदनी पड़ रही हैं, जिससे सरकारी अस्पताल होने का उद्देश्य ही खत्म हो जाता है। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी गरीब और जरूरतमंद मरीजों के साथ अन्याय है और इस पर जल्द से जल्द ठोस कदम उठाए जाने जरूरी हैं।

दर्दनाक हादसा, मेट्रो स्टेशन के पिलर से टकराई कार; दो की मौत

पुणे, 2 नवंबर (एजेंसियां)। पुणे में रविवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा बंड गार्डन इलाके में स्थित मेट्रो स्टेशन के पिलर से कार के टकराने के कारण हुआ। कोरेगांव पार्क पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि घटना सुबह करीब 4:30 बजे की है, जब तेज रफ्तार से आ रही कार अनियंत्रित होकर बंड गार्डन मेट्रो स्टेशन के पिलर से जा टकराई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संगीता जाधव ने बताया प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कार में तीन लोग सवार थे। दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरे व्यक्ति को गंभीर चोटें आई हैं। घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है और हादसे की सटीक वजह जानने के लिए आगे जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि यह देखा जा रहा है कि चालक ने वाहन पर नियंत्रण क्यों खोया तेज रफ्तार, नींद या किसी तकनीकी खराबी के कारण। फिलहाल शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

एसआईआर के विरोध में मंगलवार को सड़कों पर उतरेंगी ममता बनर्जी

टीएमसी में जोश भरने को भतीजे अभिषेक भी होंगे साथ बीजेपी का क्या प्लान?

कोलकाता, 2 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अगुवाई में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) 4 नवंबर को कोलकाता में एक बड़ी रैली निकालेगी। यह रैली मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया के विरोध में है। खास बात यह है कि इसी दिन पश्चिम बंगाल में इस तीन चरणों वाली संशोधन प्रक्रिया का पहला फेज भी शुरू हो रहा है। इस पहले फेज में बूथ-लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर वोटर डिटेल्स की जांच के लिए एन्यूमरेशन फॉर्म भरेंगे।

यह एंटी-एसआईआर रैली सेंट्रल कोलकाता के रेड रोड पर डॉ बीआर अंबेडकर की मूर्ति के पास से शुरू होकर नॉर्थ कोलकाता में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर जोरासांको के सामने खत्म होगी। पश्चिम बंगाल कैबिनेट के एक मंत्री ने बताया कि यह रैली दोपहर 2:30 बजे शुरू होगी। इस रैली का नेतृत्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और पार्टी के जनरल सेक्रेटरी और लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी करेंगे। कैबिनेट मंत्री के अनुसार, राज्य में पहले ही दो लोगों ने कथित तौर पर एसआईआर प्रक्रिया के बाद वोटर लिस्ट से उनके नाम हटा दिए जाने के डर से आत्महत्या कर ली है और एक व्यक्ति ने आत्महत्या की कोशिश की है। मंत्री ने आरोप लगाया कि बीजेपी एसआईआर के बहाने राज्य में डर का माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। इसीलिए उन्होंने रैली के लिए मंगलवार का दिन चुना है। क्योंकि इसी दिन रिवीजन एक्सरसाइज को लागू करने का काम शुरू होगा। उनकी एक ही मांग है कि किसी भी असली वोटर का नाम इलेक्टोरल रोल से न हटाया जाए।

वहीं, दूसरी ओर, उसी दिन विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी भी उत्तर 24 परगना जिले के पानीहाटी में बीजेपी की एक रैली का नेतृत्व करेंगे। यह रैली तृणमूल कांग्रेस के आरोपों का जवाब देने के लिए है।

इस रैली में इस बात पर जोर दिया जाएगा कि कैसे तृणमूल कांग्रेस रिवीजन एक्सरसाइज के बारे में डर और गलतफहमी फैला रही है। दरअसल इसी हफ्ते की शुरुआत में पानीहाटी के रहने वाले प्रदीप कर (57) ने कथित तौर पर नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स (एनआरसी) के डर से आत्महत्या कर ली थी। हालांकि बीजपी ने मौत के कारणों पर सवाल उठाया है और तृणमूल कांग्रेस पर इस दुखद घटना को लेकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 217 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.13 2082 सोमवार, 3 नवंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

नक्सली हिंसा पर लगाम

नई दिल्ली, 2 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के ताजा समीक्षा के मुताबिक देश में नक्सल हिंसा से प्रभावित जिलों की संख्या लगातार घट रही है। अब सुरक्षा-संबंधी व्यय (एसआरई) योजना के तहत आने वाले जिलों की संख्या 46 से घटकर 38 रह गई है। इनमें सिर्फ 11 जिले ही अब 'वामपंथी उग्रवाद' (एलडब्ल्यूई) यानी वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित माने गए हैं। यह समीक्षा गृह मंत्रालय (एमएचए) ने 15 अक्टूबर को जारी की। ये समीक्षा 'राष्ट्रीय नीति एवं कार्य योजना 2015' के तहत की गई, जिसमें केंद्र और राज्य मिलकर नक्सल समस्या से निपटते हैं। सुरक्षा बलों की सख्त कार्रवाई और विकास कार्यों के असर से नक्सल हिंसा में उल्लेखनीय कमी आई है।

पीएम लॉन्च करेंगे एक लाख करोड़ की स्कीम

नई दिल्ली, 2 नवंबर (एजेंसियां)। देश में रिसर्च और डेवलपमेंट (आरएंडडी) इकोसिस्टम को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को एक लाख करोड़ रुपये की रिसर्च डेवलपमेंट एंड इनोवेशन (आरडीआई) स्कीम को लॉन्च करेंगे। इस दौरान राष्ट्रीय राजधानी में स्थित भारत मंडपम में प्रधानमंत्री मोदी इमर्जिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनोवेशन कॉन्क्लेव (ईएसटीआईसी) 2025 का उद्घाटन और लोगों को संबोधित करेंगे।

ईएसटीआईसी 2025 कॉन्क्लेव 3-5 नवंबर के बीच आयोजित किया जाएगा। इसमें शिक्षा जगत, रिसर्च इंस्टीट्यूट, इंडस्ट्री और सरकार के साथ-साथ नोबेल पुरस्कार विजेता, साइंटिस्ट, इनोवेटर्स और नीति निर्माता शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के एक बयान के अनुसार, विचार-विमर्श 11 प्रमुख विषयगत क्षेत्रों पर केंद्रित होगा, जिनमें एडवांस मटेरियल्स और मैन्युफैक्चरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायो-मैन्युफैक्चरिंग, ब्लू इकोनॉमी, डिजिटल कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग, उभरती हुई कृषि टेक्नोलॉजी, एनर्जी, पर्यावरण और जलवायु, स्वास्थ्य और चिकित्सा टेक्नोलॉजी, क्वांटम साइंस और टेक्नोलॉजी और स्पेस टेक्नोलॉजी शामिल हैं।

पीएमओ के बयान में आगे कहा गया, ईएसटीआईसी 2025 में प्रमुख वैज्ञानिकों की पैनल चर्चाएं, प्रस्तुतियां और टेक्नोलॉजी प्रदर्शन होंगे, जो भारत के साइंस और टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए शोधकर्ताओं, उद्योग और युवा इनोवेटर्स के बीच सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करेंगे।

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), डॉ. जितेंद्र सिंह के अनुसार, 'ईएसटीआईसी 2025' युवा इनोवेटर्स, स्टार्टअप्स और रिसर्च के लिए नए समाधान प्रदर्शित करने, मार्गदर्शन प्राप्त करने और उद्योग और हितधारकों से जुड़ने का एक मंच है।

'ईएसटीआईसी 2025' को एक परिणाम-केंद्रित मंच के रूप में तैयार किया गया है जो शोधकर्ताओं, उद्यमियों, उद्योग और वित्त पोषण निकायों के बीच सहयोग को बढ़ावा देते हुए हितधारकों के योगदान को मजबूत करता है।

एक से ज्यादा एक्सीडेंट हुआ तो होगा एक्शन

नई दिल्ली, 2 नवंबर (एजेंसियां)। देश में राष्ट्रीय राजमार्गों पर हो रहे सड़क हादसों को लेकर राजमार्ग मंत्रालय सख्ती बनाए हुए हैं। दरअसल, सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों को रोकने के लिए राजमार्ग मंत्रालय ने बनाओ-चलाओ-हस्तांतरित करो (बीओटी) मॉडल के तहत बने राष्ट्रीय राजमार्गों के किसी खंड पर यदि एक साल में एक से अधिक दुर्घटनाएं होती हैं, तो ठेकेदारों को दंडित करने का निर्णय लिया है। सचिव वी. उमाशंकर ने कहा कि राजमार्ग मंत्रालय ने बीओटी दस्तावेज में संशोधन किया है। अब ठेकेदारों को यह जिम्मेदारी होगी कि वे दुर्घटना प्रबंधन करें और अगर उनके द्वारा बनाए गए किसी राष्ट्रीय राजमार्ग के खंड पर निर्धारित अवधि में एक से अधिक दुर्घटनाएं होती हैं, तो सुधारात्मक कदम उठाएं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का बीआरएस ऑफिस पर हमला

फर्नीचर जलाया, पार्टी वर्कर्स को पीटा, बोले- पहले हमारा ऑफिस था, फिर वापस लेंगे

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के खम्मम जिले के मनुगुरु इलाके में रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) के स्थानीय ऑफिस पर हमला कर दिया। उन्होंने ऑफिस में तोड़फोड़ की, फर्नीचर जलाया और कांग्रेस का झंडा फहरा दिया।

वायरल वीडियो में कांग्रेस के झंडे थामे लोग बीआरएस ऑफिस में घुसते और नारेबाजी करते दिखाई दिए। झड़प के दौरान दोनों पक्षों में मारपीट हुई और कुछ लोग घायल भी हुए। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी के घायल होने की पुष्टि नहीं की है।

इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हमें हमारा ऑफिस वापस दो के नारे लगाते हुए प्रदर्शन भी किया। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

इधर, कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है- बीआरएस शासन के दौरान उनका ऑफिस जबरन कब्जा कर लिया गया था। उनका कहना है कि तब के विधायक ने पुलिस सुरक्षा में कांग्रेस दफ्तर पर कब्जा कर उसे बीआरएस के गुलाबी रंग में रंगवा दिया था। हम इसे फिर वापस लेंगे।

बीआरएस बोली- ये गुंडाराज की मिसाल :

बीआरएस ने एक्स पर कांग्रेस पर हिंसा का आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस का मतलब है दबाव और दमन। जनता को ऐसे गुंडागर्दी से दबाने की कोशिश की गई तो जनता ही कांग्रेस नेताओं को जवाब देगी।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने इसे मौजूदा कांग्रेस सरकार के तहत कानून व्यवस्था की नाकामी और गुंडाराज की मिसाल बताया। उन्होंने कहा कि बीआरएस परिवार के 60 लाख कार्यकर्ता मनुगुरु के साथ खड़े हैं। कांग्रेस के गुंडों से डरने की जरूरत नहीं है, उनका अहंकार ज्यादा दिन नहीं चलेगा।

जुलाई 2020 तक कांग्रेस ऑफिस था :

जुलाई 2020 में यह मामला उस समय सुर्खियों में आया था, जब कांग्रेस का पुराना पार्टी कार्यालय बीआरएस का कार्यालय बना दिया गया था।

दरअसल, उस वक्त कांग्रेस विधायक रेगा कांता राव बीआरएस में शामिल हो गए थे और फिर ये कार्यालय बीआरएस का हो गया था। सीएलपी नेता भट्टी विक्रमार्का ने 2020 में इस मामले पर मनुगुरु में विरोध प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा था कि नगर पालिका के रिकॉर्ड में यह इमारत कांग्रेस की संपत्ति है, जिसे बीआरएस ने अवैध रूप से कब्जा किया है।

कांग्रेस को 2023 चुनाव में पूर्ण बहुमत मिला था :

तेलंगाना में 2023 में हुए विधानसभा चुनावों में राज्य की 119 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस ने 64 सीटें जीती थी, जबकि सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को 39 सीटें मिली थी। वहीं, भाजपा को 8, एआईएमआईएम को 7 और एक सीट सीपीआई के खाते में गई थी।

बाहुबली रॉकेट सबसे भारी सैटेलाइट लेकर गया

कारगिल जंग से सबक लेकर इसरो ने बनाया अपना सैटेलाइट नेटवर्क, नेवी की ताकत बढ़ेगी

श्रीहरिकोटा, 2 नवंबर (एजेंसियां)। इसरो ने आज 2 नवंबर को शाम 5:26 बजे बाहुबली रॉकेट से 4400 किलो का सैटेलाइट लॉन्च किया। ये भारतीय जमीन से जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) तक लॉन्च होने वाला सबसे भारी सैटेलाइट है। ये नौसेना की कम्युनिकेशन क्षमताओं को और मजबूत करेगा।

जीटीओ (29,970 किमी x 170 किमी) एक अंडाकार ऑर्बिट है। रॉकेट जब इस ऑर्बिट में सैटेलाइट छोड़ देगा तो 3-4 दिन बाद सैटेलाइट इंजन फायर करेगा और ऑर्बिट को सर्कुलर कर लेगा। इसे जियोस्टेशनरी ऑर्बिट (जीईओ) कहते हैं। इसमें सैटेलाइट 24 घंटे कवरेज दे सकता है।

इससे पहले इसरो ने चंद्रयान-3 मिशन में 3900 केजी पेलोड जीटीओ में भेजा था। जीटीओ में भेजा गया दुनिया का सबसे भारी सैटेलाइट इकोस्टार 24 (जुपिटर 3) है। इसका वजन लॉन्च के समय करीब 9,000 किलो था। इसे स्पेसएक्स के फाल्कन हैवी रॉकेट से लॉन्च किया गया था।

मिशन से जुड़ी बड़ी बातें :

एलवीएम3 लॉन्च व्हीकल की ये पांचवीं ऑपरेशनल फ्लाइट (एलवीएम3-एम5) है। व्हीकल ज्यादा वजन ले जा सके इसके लिए इसमें स्ट्रक्चरल चेंजेस किए गए हैं। इसके अलावा थ्रस्ट बढ़ाने के लिए इंजन में भी कुछ बदलाव हुए हैं। स्ट्रक्चरल चेंजेस से इसे थोड़ा हल्का किया गया है।

सलएमएस-03 एक मल्टी-बैंड कम्युनिकेशन सैटेलाइट है, जो हिंद महासागर के बड़े इलाके सहित पूरे भारतीय इलाके को सर्विस देगा। ये भारत को कंटीन्यूअस कवरेज देगी। ये एक जीएसएटी-7आर सैटेलाइट है जिसका कोडवर्ड सीएमएस-03 है। ये श्रीहरिकोटा स्पेसपोर्ट से लॉन्च होगा।

>14

दुलारचंद हत्याकांड : बाहुबली अनंत सिंह एमपी एमएलए कोर्ट में पेश

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

पटना, 2 नवंबर (एजेंसियां)। मोकामा विधानसभा क्षेत्र के चर्चित दुलारचंद यादव हत्याकांड के मामले में पटना पुलिस ने जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह को शनिवार की देर रात उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद अनंत सिंह ने अपनी पूरी रात रंगदारी सेल में जागकर बिताई। पटना पुलिस रविवार को अनंत सिंह को पेशी के लिए ब्लैक स्कॉर्पियो में कड़ी सुरक्षा के बीच पटना स्थित एमपी एमएलए कोर्ट लेकर पहुंची। जहां से उन्हें 14 दिन के न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

गवाहों के बयान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की जांच के बाद गिरफ्तारी

पटना पुलिस ने अनंत सिंह के साथ उनके दोस्त सहयोगियों मणिकांत ठाकुर और रंजीत राम को भी गिरफ्तार किया है। दुलारचंद यादव की हत्या के मामले में दर्ज एफआईआर में कहा गया है कि 30 अक्टूबर को घटना वाले दिन जेडीयू और जन सुराज पार्टी के समर्थकों के बीच तरतार गांव में झड़प हुई और इस दौरान अनंत सिंह ने दुलारचंद यादव पर गोली चलाई। पुलिस के अनुसार अनंत सिंह की गिरफ्तारी गवाहों के बयान, वीडियो फुटेज और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की जांच के बाद की गई है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब मोकामा में दुलारचंद यादव की हत्या के बाद जातीय तनाव चरम पर है, और इस हत्याकांड का असर आस-पास की विधानसभा सीटों पर भी दिख रहा है।

मोदी के रोड़ शो में नीतीश कुमार न होना रणनीति का हिस्सा

पटना, 2 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड़ शो में नजर आए थे। बिहार विधानसभा चुनाव की अधिसूचना के बाद पर्व-त्योहार के कारण चुनाव प्रचार के लिए समय नहीं मिला था। अब पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार सभाएं भी अलग-अलग कर रहे हैं। रविवार को पीएम मोदी के रोड़ शो में जब उनकी गाड़ी पर सीएम नीतीश कुमार नहीं नजर आए तो सवाल कौंधा कि कुछ गड़बड़ है क्या? लेकिन, यह पहले से तय रणनीति के तहत माना जा रहा है।

पीएम मोदी के रोड़ शो में नीतीश कुमार अगर होते तो उनके बाएं-दाएं ही होते। यह लोकसभा नहीं, विधानसभा चुनाव है और उसमें वही प्रमुख चेहरा हैं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के। इसी को ध्यान में रखते हुए यह योजना बनाई गई थी कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दाएं-बाएं नहीं दिखें। वह फ्रंट पर रखे जा रहे हैं तो उनका दाएं-बाएं रहना गलत संदेश देगा। मुख्यमंत्री सचिवालय को इसकी जानकारी पहले से थी। जनता दल यूनाईटेड ने इस निर्णय की जानकारी पहले ही भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को दे दी थी। कहा गया था कि नीतीश कुमार लगातार सड़क मार्ग से भी बिहार के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं, इसलिए भी उन्हें इस रोड शो से दूर रखा जाए।

पार्टी में नीतीश कुमार के बाद कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी संजय झा के पास है। लेकिन, जब बात पीएम मोदी के साथ रोड शो वाली गाड़ी पर जाने की हुई, तो निर्णय हुआ कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में पीएम मोदी के मंत्री और जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह रहें। ललन सिंह पीएम मोदी के बाएं हाथ की तरफ थे। जबकि, दाएं हाथ की तरफ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल खड़े रहे। पीएम मोदी के रोड शो की गाड़ी में पटना के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से भाजपा के प्रत्याशी भी पीछे खड़े रहे।

मदरसे में मिले 20 लाख के नकली नोट

खंडवा में इमाम के कमरे में मिला बैग, महाराष्ट्र में दो आरोपी पकड़ाए थे

खंडवा, 2 नवंबर (एजेंसियां)। खंडवा जिले के जावर थाना क्षेत्र के ग्राम पैठियां (मछौड़ी रैय्यत) स्थित एक मदरसे में बड़ी मात्रा में नकली नोट मिलने से हड़कंप मच गया। मस्जिद में इमाम के रूप में तैनात जुबेर पिता अशरफ अंसारी के कमरे से नकली नोटों के बंडल बरामद किए गए हैं। पुलिस ने नोटों की गिनती की तो 19 लाख 78 हजार रुपये के नकली नोट बरामद किए गए।

मामले का खुलासा तब हुआ जब मालेगांव पुलिस ने नकली नोटों के साथ जुबेर और उसके साथी नजीम अकम अयूब अंसारी को 10 लाख के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया था। मामला मीडिया में आया। इसके बाद जावर थाना क्षेत्र के रहने वाले एक शख्स ने मीडिया रिपोर्ट्स में देखा कि दो में से एक आरोपी तो पैठियां गांव की मस्जिद का इमाम जुबेर है।

>14

हैदराबाद एयरपोर्ट पर बम की धमकी से हड़कंप

इंडिगो का विमान बीच हवा में ही किया गया डायवर्ट

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आरजीआईए) हवाई अड्डे पर एक बड़ा सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया। जब एयरपोर्ट अधिकारियों को एक धमकी भरा ईमेल मिला। जिसमें दावा किया गया था कि जेद्दा से हैदराबाद आने वाली इंडिगो की उड़ान में एक मानव बम है, जिसके बाद अधिकारियों ने विमान को मुंबई की ओर मोड़ दिया, जहां विमान सुरक्षित रूप से उतर गया। पुलिस ने इस बात की जानकारी दी।

समाचार एजेंसी के अनुसार, 1 नवंबर को सुबह 5:25 बजे भेजे गए ईमेल में दावा किया गया था कि लिट्टे-आईएसआई के आतंकवादी 1984 के मद्रास (अब चेन्नई) हवाई अड्डे पर हुए बम विस्फोट जैसे बड़े पैमाने पर हमले की योजना बना रहे हैं, जिसके बाद अधिकारियों ने आपातकालीन प्रोटोकॉल शुरू कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, यह ईमेल पपीता राजन नामक एक व्यक्ति के पते से हवाई अड्डे के ग्राहक सहायता को भेजा गया था। विषय में लिखा था: इंडिगो 68 को हैदराबाद में उतरने से रोकें।

ईमेल में चेतावनी दी गई थी, लिट्टे-आईएसआई के गुर्गों ने 1984 के मद्रास हवाई अड्डे की तरह ही आरजीआईए बंदरगाह पर एक बड़े विस्फोट की योजना बनाई है। विमान के आगे का हिस्सा और ईंधन टैंक माइक्रोबॉट्स से लैस हैं। इन आईईडी में शक्तिशाली नर्व गैस होगी। फ्रैंकफर्ट ऑपरेशन उपायों का अध्ययन करने के लिए एक परीक्षण है। कृपया आईईडी के स्थान के विवरण के लिए नीचे दिए गए स्टेग्नोग्राफ़िक दस्तावेज को पढ़ें, पंक्तियों के बीच की बात भी समझें।

ईमेल मिलने के बाद, बम खतरा आकलन समिति ने स्थिति का आकलन करने के लिए सुबह 5:39 से 6:22 बजे के बीच वर्चुअल बैठक की। खतरे की समीक्षा के बाद, इसे विशिष्ट ख़तरे की श्रेणी में रखा गया। इसके बाद समिति ने उड़ान को निकटतम हवाई अड्डे पर मोड़ने का निर्णय लिया। इसके अतिरिक्त, जीएमआर सिक्योरिटी को पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का निर्देश दिया गया।

हवाईअड्डा अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद विमान को मुंबई हवाईअड्डे की ओर मोड़ दिया गया, जहां इसे सुरक्षित उतार लिया गया। उन्होंने कहा, सभी (सुरक्षा) जांच की गई और कोई समस्या नहीं पाई गई। पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

इंडिगो के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, 1 नवंबर को जेद्दा से हैदराबाद जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई 68 के लिए सुरक्षा संबंधी खतरा प्राप्त हुआ था और विमान को मुंबई की ओर मोड़ दिया गया।

जोधपुर में भीषण सड़क हादसा

ट्रक से टकराई टैंपो ट्रैवलर, 15 श्रद्धालुओं की मौत, मुख्यमंत्री ने जताया दुख

जोधपुर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। जोधपुर जिले के मतोड़ा क्षेत्र में रविवार शाम दर्दनाक सड़क हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई। एक टैंपो ट्रैवलर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में पांच ज्यादा गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हादसे में मारे गए सभी लोग कोलायत मंदिर से दर्शन कर जोधपुर लौट रहे थे। सभी जोधपुर के सूरसागर इलाके के निवासी बताए जा रहे हैं। फलोदी के पुलिस अधीक्षक कुंदन कांवरिया ने हादसे की पुष्टि की है। मरने वालों में 10 महिलाएं चार बच्चे और एक चालक शामिल हैं। वहीं घायलों को मतोड़ा से जोधपुर के एमडीएम अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में एक महिला का नाम फूलवंती बताया गया है। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया।

जानकारी के अनुसार राजस्थान के फलोदी जिले के मतोड़ा थाना क्षेत्र में ये बड़ी दुर्घटना हुई है। यहां एक टेंपो ट्रैवलर सड़क पर खड़े ट्रक में घुस गया। इस हादसे में लगभग 15 लोगों की मौत हो गई है। ये सभी लोग कोलायत मंदिर से दर्शन करके जोधपुर लौट रहे थे। बताया जाता है कि सभी मृतक जोधपुर के सूरसागर के रहने वाले थे। इस घटना की खबर मिलते ही जोधपुर पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश मथुरादास माथुर एमडीएम अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित के साथ घायलों के इलाज की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए।

फलौदी थाना प्रभारी अमानाराम ने बताया कि ये परिवार कोलायत मेला दर्शन के लिए गए थे। वापसी के दौरान ये भीषण हादसा हो गया। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने मामले में लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

कृषि विवि में प्रोफेसर के घर चोरी

40 लाख के जेवर व 1.60 लाख रुपये ले गए

मेरठ, 2 नवंबर (एजेंसियां)। दौराला थाना क्षेत्र के सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय में चार चोरों ने शनिवार रात चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के लिए गांव गए प्रोफेसर डॉ। सुनील कुमार के फ्लैट का ताला तोड़कर चोरी कर ली। चोर 40 लाख कीमत के आभूषण व अलमारी में रखे 1.60 लाख रुपये ले गए। चारों चोर घर के बाहर लगे सीसीटीवी में कैद हो गए हैं। पीड़ित प्रोफेसर ने थाने पर तहरीर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में लग गई है।

काशी को पीएम मोदी का बड़ा तोहफा

जल्द दौड़ेगी वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत ट्रेन

वाराणसी, 2 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 नवंबर से अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। बिहार के भभुआ में चुनावी सभा के बाद प्रधानमंत्री शाम लगभग 5 बजे काशी पहुंचेंगे। वाराणसी में उनका मुख्य कार्यक्रम रेलवे से जुड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। साथ ही तीन अन्य वंदे भारत ट्रेनों, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली और एर्नाकुलम-बेंगलुरु का वर्चुअल शुभारंभ भी किया जाएगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव इस कार्यक्रम के दौरान स्टेशन पर मौजूद रहेंगे।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, नई ट्रेनों से यात्रियों को तेज और आरामदायक यात्रा का लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी इस अवसर पर बरेका (बनारस रेल इंजन कारखाना) भी जाएंगे, जहां वे भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। बैठक में आगामी चुनावी रणनीति और वाराणसी सहित पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास कार्यों पर चर्चा होगी। काशी में रात्रि विश्राम के बाद प्रधानमंत्री 8 नवंबर की सुबह बिहार के दरभंगा के लिए रवाना होंगे। दौरे को लेकर प्रशासन ने शहर भर में सुरक्षा और स्वागत की तैयारियां पूरी कर ली हैं।

बिहार चुनाव में शराब की मांग बढ़ी, तस्कर सक्रिय

देवरिया, 2 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के कारण शराब तस्कर उत्तर प्रदेश-बिहार सीमा पर सक्रिय हो गए हैं। चुनावी माहौल में शराब की बढ़ती मांग को देखते हुए तस्करी नेटवर्क तेज हो गया है। देवरिया पुलिस की सख्ती के बावजूद तस्कर नई तरकीबें अपना रहे हैं। श्रीरामपुर पुलिस ने पिछले तीन दिनों में तीन बड़ी शराब की खेपें पकड़ी हैं, जिससे पुलिस की मुस्तैदी साबित हुई है। सूत्रों के मुताबिक, बिहार में शराबबंदी के बावजूद चुनावी मौसम में शराब की मांग कई गुना बढ़ जाती है।

सीमा पर सक्रिय गिरोह शराब पहुंचाने के लिए नई तरकीबें अपना रहे हैं। देवरिया जनपद का श्रीरामपुर थाना क्षेत्र, जो बिहार की सीमा से सटा है, तस्करी का एक प्रमुख मार्ग बन गया है। पहले तस्कर चारपहिया वाहनों का उपयोग करते थे, लेकिन अब पुलिस की सख्ती के चलते पगडंडियों और बाइक के जरिए शराब बिहार पहुंचाई जा रही है।

'हिंसा का कोई स्थान नहीं

बिहार विधानसभा चुनाव बनेगा मिसाल कानपुर में बोले सीईसी ज्ञानेश कुमार

कानपुर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण, पारदर्शी और निष्पक्ष माहौल में संपन्न होंगे। वह टीएसएच में माथुर वैश्य समाज के कार्यक्रम में प्रतिभाग करने पहुंचे थे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि चुनाव में हिंसा का कोई स्थान नहीं है, और भारत निर्वाचन आयोग हर हाल में मतदाताओं का विश्वास बनाए रखेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि सात करोड़ से अधिक मतदाताओं की सूची का शुद्धिकरण कार्य पूरा कर लिया गया है, ताकि एक भी फर्जी नाम न रहे और कोई पात्र मतदाता छूटे नहीं। उन्होंने कहा कि आयोग की कोशिश है कि इस बार का बिहार चुनाव देश ही नहीं, दुनिया के लिए भी लोकतंत्र की एक मिसाल बने। ज्ञानेश कुमार ने यह भी कहा कि आयोग मतदान केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था, दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा, और आचार संहिता के सख्त अनुपालन पर विशेष ध्यान दे रहा है।

इस ट्रेन में आतंकवादी और बम है

अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर मच गया हड़कंप, 42 मिनट तक अटक गई सबकी सांसें

अलीगढ़, 2 नवंबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर आज सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब भागलपुर से आनंद विहार जा रही विक्रमशिला एक्सप्रेस ट्रेन में आतंकवादी और बम होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां तत्काल सक्रिय हो गईं और स्टेशन पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए गए। जानकारी के अनुसार, विक्रमशिला एक्सप्रेस ट्रेन को सुबह 05:58 बजे प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर रोककर गहन जांच शुरू की गई। इस दौरान आरपीएफ, जीआरपी, डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ते की संयुक्त टीम ने ट्रेन के सभी कोचों की बारीकी से तलाशी ली।

यात्रियों को सुरक्षित दूरी पर रखकर स्टेशन परिसर को पूरी तरह खाली कराया गया। करीब 42 मिनट तक चली इस जांच में सुरक्षा कर्मियों ने एक-एक डिब्बे की छानबीन की, लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु, विस्फोटक या व्यक्ति नहीं मिला। सभी जांच पूरी होने और स्थिति सामान्य पाए जाने के बाद विक्रमशिला एक्सप्रेस को उसके गंतव्य आनंद विहार के लिए रवाना कर दिया गया। रेलवे सूत्रों के अनुसार, सूचना मिलने के बाद प्रशासन ने तुरंत कंट्रोल रूम और उच्चाधिकारियों को सूचित किया था। ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच कुछ समय के लिए दहशत का माहौल रहा, लेकिन सुरक्षा बलों की तत्परता के चलते किसी तरह की अनहोनी नहीं हुई। इससे पहले भी कुछ दिनों पहले एक अन्य ट्रेन में बम होने की फर्जी सूचना मिली थी, जो बाद में गलत साबित हुई थी।

लगातार मिल रही ऐसी झूठी सूचनाओं से रेलवे और सुरक्षा एजेंसियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ रही है। अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर हुई इस घटना ने एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था की गंभीरता को उजागर कर दिया है। अधिकारियों ने कहा है कि इस फर्जी सूचना के स्रोत का पता लगाया जा रहा है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आधी रात को जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह दो साथियों संग गिरफ्तार

पुलिस ने क्या कुछ बताया ?

पटना, 2 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच मोकामा से जेडीयू उम्मीदवार अनंत कुमार सिंह को देर रात उनके दो साथियों मणिकांत ठाकुर और रंजीत राम के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। पटना के वरिष्ठ अधिकारियों ने एक आपात प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। गिरफ्तारी बेदना गांव से हुई और इसका कारण चुनाव आचार संहिता का गंभीर उल्लंघन बताया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में, पटना के डीएम डॉ। त्यागराजन एस।एम। ने कहा कि इस घटना को प्रशासन ने बहुत गंभीरता से लिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि मॉडल कोड ऑफ़ कंडक्ट को पूरी सख्ती से लागू किया जाएगा और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सभी लाइसेंसी हथियार अनिवार्य रूप से जमा करने होंगे।

एसएसपी ने की हत्या के मामले की पुष्टि

पटना के एसएसपी कार्तिकेय के। शर्मा ने बताया कि प्रशासन और पुलिस संयुक्त रूप से मामले की पूरी जांच कर रहे हैं। एसएसपी ने सबूतों और बयानों का हवाला देते हुए इस घटना से जुड़े एक हत्या के मामले की भी पुष्टि की।

'जांच के लिए लगाई गई है सीआईडी की एक टीम'

उन्होंने कहा, इस मामले में अनंत सिंह समेत तीन गिरफ्तारियां हुई हैं और आगे की छापेमारी जारी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए सीआईडी की एक टीम भी लगाई गई है। एसएसपी ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का जिक्र करते हुए एक महत्वपूर्ण जानकारी दी कि मृतक के शरीर पर गोली लगने के निशान मिले हैं, हालांकि (मौके से) कोई गोली बरामद नहीं हुई है। एसएसपी शर्मा ने यह भी बताया कि कानून तोड़ने वालों पर कड़ी निगरानी रखने और तत्काल कार्रवाई के लिए हर निर्वाचन क्षेत्र में 50 से ज़्यादा सीआरपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) जवानों वाले विशेष चेकिंग पॉइंट बनाए गए हैं।

तेज प्रताप की जान को खतरा

केंद्र सरकार से की सुरक्षा बढ़ाने की मांग, पहुंचे चुनाव आयोग

पटना, 2 नवंबर (एजेंसियां)। जनशक्ति जनता दल के नेता तेज प्रताप यादव ने बिहार में बढ़ती आपराधिक घटनाओं और राजनीतिक तनाव को लेकर अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। तेज प्रताप यादव चुनाव अपनी ही पार्टी के एक प्रत्याशी की शिकायत लेकर आयोग चुनाव पहुंचे थे। यहां उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। तेज प्रताप ने कहा कि आप देख ही रहे हैं कि बिहार की स्थिति क्या बनी हुई है। हत्या पर हत्या हो रही है। कब कहां से कौन दुश्मन निकल जाए, कोई नहीं जानता। तेज प्रताप ने कहा कि उनका सुरक्षा कम है। उन्होंने केंद्र सराकर से अपनी सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

दरअसल, मोकामा की घटना के बाद अब तेज प्रताप यादव ने भी अपनी सुरक्षा पर चिंता जताई है। उन्होंने केंद्र सरकार से व्यक्तिगत सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। तेज प्रताप ने कहा कि बिहार में जिस तरह लगातार हत्या, गोलीबारी और अपराध की घटनाएं सामने आ रही हैं, उससे आम जनता के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा पर भी सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक द्वेष के कारण उन्हें निशाना बनाया जा सकता है, इसलिए केंद्र सरकार और राज्य प्रशासन उनकी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करे ताकि वे निश्चिंत होकर जनता के बीच जाकर प्रचार-प्रसार कर सकें। बता दें कि तेज प्रताप यादव चुनाव आयोग पहुंचे थे। यहां उन्होंने पत्रकारों से बात करने के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर यह बयान दिया। इसके अलावा तेज प्रताप यादव ने चुनाव आयोग में सुगौली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे खुद की पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

अखिलेश यादव के विधायक रमाकांत को एक साल की सजा

सपा नेता पर कोर्ट ने जुर्माना भी लगाया

लखनऊ, 2 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में फूलपुर-पवई से समाजवादी पार्टी विधायक रमाकांत यादव को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने एक साल की सज़ा और 2700 रुपये का जुर्माना लगाया है। 2016 के मामले में सुनवाई करते हुए जज अनुपम त्रिपाठी ने रमाकांत यादव को दोषी माना। उन पर सरकारी कार्य में बढ़ा और जाम लगाने व हंगामा करने का आरोप था। इस मामले में चार अन्य आरोपी सुबूतों के अभाव में छोड़ दिए गए। सपा ने इसे एक तरफा राजनीतिक साजिश बताया और ऊपर के कोर्ट में अपील करने की बात कही। उधर बीजेपी ने इसे कानून का राज होने की बात कही है।

बता दें कि पूरा मामला 2016 का आजमगढ़ की अम्बारी पुलिस चौकी है। यहां पुलिस ने ब्लॉक प्रमुख चुनावों के दौरान नगदी के साथ जय प्रकाश यादव नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। रमाकांत यादव अपने दो सौ से अधिक समर्थकों के साथ चौकी पर पहुंच गए थे और जमकर हंगामा किया था। उन्होंने अपने समर्थक को छुडाने के लिए जाम भी लगा दिया था। पुलिस ने रमाकांत यादव के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, धमकाने, हंगामा और जाम लगाने समेत आईपीसी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। जिस पर लंबी सुनवाई चली आ रही थी और कोर्ट ने अब आकर फैसला सुनाया है।

रमाकांत यादव को पूर्वांचल का बाहुबली कहा जाता है और वे 1985 से राजनीति में सक्रिय हैं। 4 बार आजमगढ़ से सांसद रह चुके हैं। वर्तमान में फूलपुर-पवई से विधायक हैं। रमाकांत पर 50 से अधिक मामले दर्ज हैं। 2023 के जहरीली शराब काण्ड के आरोप में सेंट्रल जेल फतेहगढ़ में बंद हैं। इन्हें मुलायम परिवार का ख़ास माना जाता है। इस फैसले से उनके समर्थक और सपा को खासा निराशा हाथ लगी है। सपा नेताओं ने हाईकोर्ट में अपील की बात कही है। उनके मुताबिक रमाकांत को राजनीतिक साजिश के तहत फंसाया जा रहा है।

फोन आने पर घर से निकला दलित युवक, गन्ने के खेत में मिला चाकू से गोदा हुआ शव

मुजफ्फरनगर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के ककरौली थाना क्षेत्र में एक दलित युवक की चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। युवक का शव गन्ने के खेत में मिला है, जिसके शरीर पर चाकू के कई वार के निशान पाए गए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हमलावरों की तलाश में जुटी है। मृतक की पहचान 29 वर्षीय सोनू के रूप में हुई है।

सोनू का शव शनिवार को ककरोली थाना क्षेत्र के गढ़ी फिरोजाबाद गांव में एक गन्ने के खेत से बरामद किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आदित्य बंसल ने संवाददाताओं को बताया कि शव पर चाकू के कई वार किए जाने के निशान हैं। पुलिस ने घटनास्थल से खून से सना एक चाकू और मृतक की मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस अधिकारी बंसल के मुताबिक, मृतक सोनू किसी का फोन आने के बाद घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। हत्या के पीछे के कारणों और हमलावरों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

तेजस्वी ने क्राइम पर एनडीए को घेरा

बोले-सरकार बनते ही दो महीने में सभी अपराधी जाएंगे जेल

पटना, 2 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में जदयू नेता अनंत सिंह की गिरफ्तारी के बाद महागठबंधन की ओर से सीएम पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने एनडीए पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मोकामा में जिस तरह की घटना घटी, वह तो होनी ही थी। तेजस्वी यादव ने ऐलान किया है कि उनकी सरकार आने के बाद दो महीने के भीतर सभी अपराधियों को जेल भेजने का काम किया जाएगा। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि रोहतास में पिता-पुत्र की हत्या कर दी गई। बिहार में लगातार महाजंगलराज की स्थिति बनी हुई है।

बिहार में एक दिन ऐसा नहीं बीत रहा, जब गोलियां न चल रही हों। यह एनडीए को दिखाई नहीं देता। आज प्रधानमंत्री आ रहे हैं, लेकिन बिहार की स्थिति बहुत खराब है। तेजस्वी यादव ने दावा किया है कि 14 नवंबर को महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है। 18 नवंबर को हम शपथ लेंगे। 26 नवंबर से 26 जनवरी के बीच जाति-धर्म से परे हर अपराधी को जेल भेजा जाएगा।

राजद नेता ने कहा कि इस बार स्पष्ट है कि बिहार की जनता महागठबंधन की सरकार बनाने जा रही है।

पीएम मोदी को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात में फैक्ट्री लगाते हैं और बिहार में वे विक्ट्री चाहते हैं, यह नहीं चलेगा। एनडीए के लोग कह रहे हैं कि बिहार में एक करोड़ रोजगार देंगे। 11 साल में एनडीए ने एक नौकरी नहीं दी। बिहार में रोजगार देने का वादा सिर्फ जुमला है, इससे ज्यादा कुछ नहीं है।

उन्होंने कहा कि एनडीए के लोग अपराधियों को संरक्षण देते हैं।

तेजस्वी ने कहा कि 20 बरस की एनडीए सरकार से युवाओं ने क्या ही मांगा? अपने हिस्से की नौकरी व रोजगार ही तो मांगा, लेकिन इस भ्रष्ट एनडीए सरकार ने युवाओं की जरूरतों पर ध्यान दिया ही नहीं। युवाओं के लिए एकदम कुछ किया ही नहीं। इसलिए युवा सत्ता में परिवर्तन करने जा रहे हैं। इस बार बिहार महागठबंधन की सरकार बना रहा है, जो हर घर को सरकारी नौकरी देगी।

आयु निर्धारण का दावा लंबित तो आरोपी को 21 वर्ष की उम्र तक जेल में नहीं रख सकते

प्रयागराज, 2 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किशोर न्याय अधिनियम-2015 एक आत्मनिर्भर कानून है। इसकी धारा-10 स्पष्ट रूप से कहती है कि कोई भी विधि-विरुद्ध बालक को न तो जेल में रखा जा सकता है और न ही हवालात में। यदि उम्र को लेकर विवाद है और आयु निर्धारण का दावा लंबित है तो भी आरोपी को 21 वर्ष की उम्र तक जेल में नहीं रखा जा सकता है। ऐसे में सुरक्षित गृह में रखा जाना चाहिए। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय और न्यायमूर्ति संदीप जैन की खंडपीठ ने याची को जेल से तत्काल रिहा कर किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। मामला प्रयागराज के थरवई थाना क्षेत्र का है।

2017 में नाबालिग के खिलाफ हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजा था। मुकदमे के दौरान उसने स्कूल अभिलेखों के आधार पर नाबालिग होने का दावा किया।

बताया कि उसका जन्म 2002 में हुआ। घटना के दिन वह नाबालिग था लेकिन निचली अदालत ने किशोर न्याय अधिनियम की धारा 9(2) के तहत आवश्यक जांच किए बिना एक पत्र बोर्ड को भेज दिया। हालांकि, उसके आधार पर आरोपी को किशोर घोषित कर दिया गया, फिर भी वह केंद्रीय कारागार नैनी में ही बंद रहा। इसे अवैध हिरासत बताते हुए एक सामाजिक कार्यकर्ता ने आरोपी की रिहाई के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने पाया कि निचली अदालत ने कानून का उल्लंघन किया और आयु निर्धारण प्रक्रिया पूरी किए बिना आरोपी को जेल भेजा। ऐसे में यह न केवल अधिनियम का उल्लंघन है, बल्कि बाल अपचारी के मौलिक अधिकारों का भी हनन है।

नेहा ने अपनाया हिंदू धर्म

मंदिर में प्रेमी के साथ की शादी परिवार से जताया जान को खतरा

बरेली, 2 नवंबर (एजेंसियां)। बरेली में पांच वर्ष तक सहमति संबंध (लिव-इन रिलेशन) में रहने के बाद मुजफ्फरनगर की नेहा अंसारी ने धर्म बदलकर अपने प्रेमी सुरजीत से शादी कर ली। युवती ने एक वीडियो भी जारी किया है। इसमें उसने अपने परिजनों से जान को खतरा बताया है। बहेड़ी थाना क्षेत्र के गांव हरपुर बहरुआ निवासी सुरजीत गौतम ने बताया कि वह काम के सिलसिले में मुजफ्फरनगर गया था। वहीं उसकी मुलाकात नेहा से हुई। दोनों में दोस्ती हो गई, जो जल्द ही प्रेम में बदल गई। दोनों ने शादी करने का फैसला कर लिया, लेकिन नेहा के परिवार वाले सख्त थे। वह शादी के लिए तैयार नहीं होते।

नेहा ने प्यार के खातिर अपना परिवारवालों को छोड़ दिया। वह प्रेमी सुरजीत के पास पहुंच गई। इसके बाद दोनों उत्तराखंड के रुद्रपुर चले गए। यहां दोनों पिछले पांच वर्षों से साथ रह रहे थे। शनिवार को नेहा और सुरजीत ने बरेली के एक मंदिर में शादी कर ली। एक वीडियो में वह फेरे लेते दिख रहे हैं। नेहा ने बताया कि उसने हिंदू धर्म में वापसी कर ली है। अब उसका नाम नेहा कुमारी है। कहा कि उसकी मां किसी के साथ चली गई थी। इसके बाद पिता उसके साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते थे। नेहा ने बताया कि उसे परिवार वालों से जान का खतरा है। उसने वीडियो जारी कर सुरक्षा की गुहार लगाई है।

युवती से सामूहिक दुष्कर्म प्रेमी ने दोस्त संग मिलकर वारदात को दिया अंजाम

अंबेडकरनगर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। प्रेमी युवक ने अपने दोस्त के साथ अनुसूचित जाति की प्रेमिका को बुलाकर जबरन सामूहिक दुष्कर्म किया। जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म, एससी/एसटी एक्ट, धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपित प्रेमी और उसके दोस्त को गिरफ्तार किया। अकबरपुर के एक गांव की अनुसूचित जाति की युवती से गांव के युवक सत्येंद्र से प्रेम प्रसंग चल रहा था। आरोपित प्रेमी के युवक एक डेंटल क्लीनिक पर काम करता था।

बुलाने पर वह मिलने जाती थी। गत 30 अक्टूबर को दिन में प्रेमी के बुलाने पर वह औलियापुर गई। जहां पर वह प्रेमिका को कमरे में ले गया और जबरन शारीरिक संबंध बनाया। प्रेमी ने अपने दोस्त औलियापुर के आलोक को भी कमरे में बुलाया, जहां पर दोनों ने सामूहिक रूप से दुष्कर्म किया। धमकी दी गई घटना के बारे में किसी को जानकारी दी तो जान से मार देंगे। उनके चंगुल से छूटी युवती घर पर अपने साथ हुई घटना की जानकारी माता-पिता को दी।

कुचलने की कोशिश की और- गालियां दीं

बक्सर में मनोज तिवारी को क्यों भागना पड़ा बीजेपी सांसद ने खुद बताई पूरी कहानी

बक्सर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। बीजेपी नेता मनोज दिवारी ने कहा कि बक्सर लोकसभा के तहत जुमराव में रोड शो था। मैं बहुत ही शॉक्ड हूं कि हमारे रोड शो में राजद समर्थकों ने हमला कर दिया।

उन्होंने कहा कि हमारा रोड सो करीब 25 किलोमीटर का था। हमने अपने कैंडिडेट के लिए 5 घंटे का समय दिया हुआ था। लेकिन इस रोड के दौरान आरजेडी के समर्थकों ने कई जगहों पर नीतीश कुमार मुर्दाबाद का नारा लगाया। हमने इसे कई बार इग्नोर किया। फिर अरियांव ब्रह्म स्थान पर जाकरके वहां पर 50-60 लोग अपनी पहचान छिपाकर के खड़े थे क्योंकि वहां पर हमारे स्वागत के लिए भी लोग भी थे। आरजेडी के लोगों ने अपना झंडा हमारी गाड़ी पर लगाने की कोशिश की। हमारे समर्थकों ने फिर गाड़ी रोकी। जब आरजेडी के लोगों के हमारे समर्थकों ने रोकने की कोशिश की तो वो गाड़ी पर चढ़ने लगे, गालियां देना शुरू कर दिया और फिर मुर्दाबाद के नारे जोर-जोर से लगाने लगे। नीतीश कुमार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ उन्होंने मुर्दाबाद के नारे लगाए और आरजेडी और लालू यादव जिंदाबाद भी कहा।

मनोज तिवारी ने कहा कि ये स्थिति देखते ही मेरे दिमाग में सीधा मोकामा की घटना आने लगी। हम वहां जैसी स्थिति को अवॉइड करने के लिए अपने ड्राइवर को तेजी से गाड़ी भगाने के लिए कहा और वहां से निकले। लेकिन ये लोग यहां भी नहीं रुके और फिर डेढ़ सौ मीटर की दूरी तक हमारा पीछा किया। मनोज तिवारी ने कहा कि मैं चुनाव आयोग, व्यवस्था और महागठबंधन के नेताओं से प्रार्थना करता हूं कि ये कौन सा व्यवहार है आपका चुनाव लड़ने का।

सुविचार: दुनिया उन्हीं पर भरोसा करती है, जिन्हें खुद पर भरोसा होता है!

विकास योजनाओं के लिए उच्च-गुणवत्ता की जनगणना जरूरी : भारती होलिकेरी

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य जनगणना निदेशक भारती होलिकेरी ने कहा, गुणवत्तापूर्ण जनगणना आंकड़े प्रभावी विकास योजनाओं और सार्वजनिक नीतियों के निर्माण के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने रविवार को पटनचेरुवु के जिला परिषद उच्च विद्यालय में आयोजित भारत की जनगणना- 2027 पूर्व-परीक्षण के अंतर्गत रामचंद्रपुरम संभाग (संख्या 112) के लिए प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

2 से 4 नवंबर तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्रीय अधिकारियों को जनगणना 2027 पूर्व-परीक्षण के लिए तैयार करना है, जो 10 से 30 नवंबर, 2025 तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए, होलिकेरी ने इस बात पर जोर दिया कि जीवन स्तर में सुधार लाने वाली आंकड़ों पर आधारित नीतियों के निर्माण के लिए जनगणना कार्यों में गुणवत्ता और सटीकता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनगणना 2026-27 दुनिया के सबसे बड़े गणना कार्यों में से एक होगी और इसकी सफलता चल रहे पूर्व-परीक्षण के सावधानीपूर्वक और अनुशासित निष्पादन पर निर्भर करेगी। उन्होंने आगे कहा, यदि गणनाकार्ता और पर्यवेक्षक अपने कर्तव्यों का पालन प्रतिबद्धता और सटीकता के साथ करते हैं, तो अंतिम जनगणना सटीक, विश्वसनीय और सही मायने में प्रतिनिधि होगी।

जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने कहा कि जीएचएमसी सीमा के भीतर की जा रही जनगणना में परिवारों की वास्तविक सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित किया जाना चाहिए, जो प्रभावी शहरी नियोजन और भविष्य की विकास परियोजनाओं के लिए एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में काम करेगी।

उन्होंने पूर्व-परीक्षण के दौरान अपनाए जाने वाले उद्देश्यों, समय-सीमा, कार्यप्रणाली और डेटा संग्रह मानकों पर भी चर्चा की। जीएचएमसी के अतिरिक्त आयुक्त हेमंत केशव पटेल, सेरिलिंगमपल्ली के क्षेत्रीय आयुक्त ए. हेमंत सहदेव राव, जनगणना उप निदेशक श्रीकांत, सर्कल 22 के उपायुक्त और जनगणना प्रभारी अधिकारी सुरेश उपस्थित थे। भारत की जनगणना-2027 का पूर्व-परीक्षण तीन चयनित क्षेत्रों में किया जाएगा, जिनमें रामचंद्रपुरम डीडीविजन-112 (जीएचएमसी सीमा) का शहरी क्षेत्र, थिप्पर्थी (नलगोंडा जिला) के ग्रामीण क्षेत्र और पिनापाका (भद्राद्री-कोत्तागुडेम जिला) शामिल हैं। यह पूर्व-परीक्षण 10 नवंबर से 30 नवंबर तक चलेगा और आगामी जनगणना 2026-27 के लिए एक प्रारंभिक चरण के रूप में कार्य करेगा, जिससे डेटा संग्रह पद्धतियों को परिष्कृत करने और सटीकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस अभ्यास के लिए, जीएचएमसी आयुक्त को शहरी क्षेत्र के लिए प्रधान जनगणना

अधिकारी के रूप में नामित किया गया है, जबकि संबंधित जिला कलेक्टर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए प्रधान जनगणना अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। यह पूर्व-परीक्षण यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कि 2026-27 की राष्ट्रीय जनगणना प्रभावी शासन और समावेशी विकास का समर्थन करने के लिए व्यापक, प्रामाणिक और उच्च-गुणवत्ता वाले डेटा प्रदान करे।

सड़क हादसे में तीन की मौत, दो घायल

भुवनगिरी, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भुवनगिरी जिले के बीबीनगर के पास रविवार तड़के हुए एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सुबह करीब साढ़े चार बजे हुआ, जिससे मुख्य मार्ग पर लंबा जाम लग गया और कई किलोमीटर तक वाहनों की कतारें लग गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चार लोगों को ले जा रही एक तेज रफ़्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर बीच के डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन सड़क किनारे खड़े एक युवा जोड़े से जा टकराया।

इस दुर्घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि महिला पास के तालाब में गिर गई और डूबने से उसकी मृत्यु हो गई। कार में सवार हैदराबाद निवासी 32 वर्षीय व्यक्ति की भी मौके पर ही मौत हो गई, क्योंकि वह क्षतिग्रस्त वाहन में फंसा हुआ था। ड्राइवर और एक अन्य यात्री को गंभीर चोटें आईं और उन्हें भुवनगिरी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई जा रही है। बीबीनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस एमएलसी ने केके सर्वे रिपोर्ट के खिलाफ आरओ से शिकायत दर्ज कराई

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव में सर्वेक्षण विवाद ने हलचल मचा दी है। कांग्रेस पार्टी के एमएलसी बालमुरी वेंकट और अद्दांकी दयाकर ने केके सर्वे नामक फर्म द्वारा जारी एक सर्वेक्षण रिपोर्ट पर कड़ी आपत्ति जताई है। इस संबंध में, उन्होंने जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी (आरओ) साईराम से औपचारिक रूप से शिकायत की है। यह बैठक कोटला विजयभास्कर इंडोर स्टेडियम में आयोजित की गई थी। इस अवसर पर बोलते हुए, कांग्रेस एमएलसी बालमुरी वेंकट ने कहा कि केके सर्वे द्वारा जारी सर्वेक्षण ने चुनाव आचार संहिता का पूरी तरह से उल्लंघन किया है। उन्होंने याद दिलाया कि चुनाव आचार संहिता लागू होने पर ऐसे सर्वेक्षण प्रकाशित करना प्रतिबंधित है। उन्होंने आलोचना की कि सर्वेक्षण जानबूझकर जारी किया गया था और कहा कि यह लोगों को प्रभावित करने का एक स्पष्ट प्रयास था। उन्होंने कहा कि केके सर्वे ने दो घंटे के भीतर तैयार की गई सूची को सर्वेक्षण रिपोर्ट के रूप में जारी किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरी तरह से बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर और पूर्व मंत्री हरीश राव के निर्देशन में किया गया कार्य है।

उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण बीआरएस पार्टी के राजनीतिक हितों की रक्षा के लिए लोगों को गुमराह करने के लिए उपयोगी था। उन्होंने याद दिलाया कि केके सर्वे कंपनी ने हरियाणा में भी इसी तरह के सर्वेक्षण जारी किए थे, और कहा कि परिणाम वास्तविक सर्वेक्षण के अनुरूप नहीं थे। उन्होंने कहा कि इस तरह के झूठे सर्वेक्षणों के माध्यम से लोगों की राय को विकृत करने का प्रयास अस्वीकार्य है। एमएलसी ने आरओ से केके सर्वे कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की और कहा कि वे कल चुनाव आयोग से व्यक्तिगत रूप से मिलेंगे और शिकायत दर्ज कराएंगे। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि वे केंद्रीय चुनाव आयोग को भी मेल के माध्यम से शिकायत भेजेंगे। बालमुरी वेंकट ने कहा, केटीआर और हरीश राव, यह जानते हुए कि जुबली हिल्स में हार निश्चित है, इस तरह के नाटक कर रहे हैं। लेकिन जनता कांग्रेस पार्टी के पक्ष में है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी पार्टी का उम्मीदवार शानदार जीत हासिल करेगा।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पी. जनार्दन रेड्डी को दी श्रद्धांजलि

बोराबंडा चौराहे का नाम बदलने की घोषणा

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा पूर्व कांग्रेस विधायक दल के नेता दिवंगत पी. जनार्दन रेड्डी (पीजेआर) के प्रति अचानक प्रदर्शित सम्मान और प्रशंसा ने जुबली हिल्स क्षेत्र के निवासियों और कई कांग्रेस नेताओं को हैरान कर दिया है। बोराबंडा में एक रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने फिल्म कर्मियों के लिए कई घोषणाएँ कीं और अपने निर्वाचन क्षेत्र में सैकड़ों करोड़ रुपये की लागत से बड़े पैमाने पर विकास कार्यों का वादा किया। इसी दौरान उन्होंने घोषणा की कि बोराबंडा चौराहे का नाम पी. जनार्दन रेड्डी के नाम पर रखा जाएगा और उनकी प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा, मैं स्वयं उनकी प्रतिमा का अनावरण करूंगा।

मुख्यमंत्री की इस घोषणा से कई लोग आश्चर्यचकित रह गए, क्योंकि यही वही नेता हैं जिन्होंने कुछ समय पहले खैरताबाद से बीआरएस विधायक दानम नागेन्द्र को कांग्रेस में शामिल कराने में अहम भूमिका निभाई थी, जबकि पीजेआर की बेटी और खैरताबाद की पार्षद विजया रेड्डी ने इसका विरोध किया था। विजया रेड्डी और दानम नागेन्द्र के बीच पिछले कुछ महीनों से मतभेद स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। जून में एक बैठक के दौरान दोनों के समर्थकों में तीखी नोकझोंक हुई थी और नारेबाज़ी भी हुई थी। एक अन्य अवसर पर गरीबों को चावल वितरण कार्यक्रम में विजया रेड्डी के समर्थकों ने बैनर पर उनकी तस्वीर न होने पर आपत्ति जताई थी। हाल ही में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने विजया रेड्डी को अपने निर्वाचन क्षेत्र में आयोजित कई कार्यक्रमों में शामिल करना शुरू किया है, जिससे राजनीतिक हलकों में नए संकेत मिल रहे हैं।

कांग्रेस उम्मीदवार के भाई पर बीआरएस कार्यकर्ताओं को धमकाने का आरोप

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बोराबंडा पुलिस ने जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए बीआरएस उम्मीदवार के प्रचार में बाधा डालने और धमकी देने के आरोप में कांग्रेस उम्मीदवार वी. नवीन यादव के भाई वेंकट यादव समेत कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

बीआरएस कार्यकर्ता वाई. तरुण यादव की शिकायत के अनुसार, 30 अक्टूबर को बीआरएस कार्यकर्ताओं का एक समूह वेंगलराव नगर स्थित विकासपुरी कॉलोनी में प्रचार कर रहा था, तभी वेंकट यादव के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें रोक लिया और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

शिकायत में कहा गया कि इस घटना का उद्देश्य बीआरएस उम्मीदवार मंगंटी सुनीता के लिए प्रचार को रोकना था।

तरुण यादव ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव ने दो मौकों पर बीआरएस कार्यकर्ताओं को जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने इस संबंध में वेंकट यादव और अन्य के खिलाफ बीएनएस की धाराएं 352, 351(2), 351(3) और बीआरएस की धारा 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है।

शहर भर में सड़क सुरक्षा अभियान जोरों पर, अब तक 19,659 गड्ढे भरे गए

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के नागरिकों के लिए बिना किसी ट्रैफिक जाम के सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्रेटर हैदराबाद में सड़क सुरक्षा अभियान जोरों पर है। सड़क सुरक्षा उपायों के तहत, गड्ढों को भरने, गड्ढों की मरम्मत, सड़क मरम्मत, पैचवर्क, कवर बदलने और सेंट्रल मीडियन की मरम्मत का काम लगातार किया जा रहा है। शहर में अब तक कुल 21,078 गड्ढों की पहचान की गई है। इनमें से 19,659 गड्ढों को भर दिया गया है। अब तक 920 गड्ढों की मरम्मत, 465 कवर बदलने और 14 सेंट्रल मीडियन की मरम्मत का काम पूरा हो चुका है। अब तक भरे गए 19,659 गड्ढों में से 3,547 एल.बी. नगर क्षेत्र, चारमीनार क्षेत्र से 2,846, खैरताबाद क्षेत्र से 3,404, सेरिलिंगमपल्ली क्षेत्र से 2,228, कुकटपल्ली क्षेत्र से 2,942 और सिकंदराबाद क्षेत्र से 4,692 है।

देह व्यापार के आरोप में नौ ट्रांसजेंडर गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद मानव तस्करी रोधी इकाई (एएचटीयू) ने एक सप्ताह तक चले विशेष अभियान के दौरान कई रात्रिकालीन छापे मारकर नौ ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को देह व्यापार के आरोप में गिरफ्तार किया और तीन पीड़ितों को बचाया। अधिकारियों के अनुसार, छापे शहर के विभिन्न इलाकों में डाले गए थे। इस दौरान ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को ग्राहकों को लुभाते और आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाया गया। सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं।

इस बीच, साइबराबाद शी टीम्स ने 142 फर्जी ऑपरेशन चलाए और सार्वजनिक स्थानों पर अशोभनीय हरकतें करते हुए 76 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इनमें से 51 मामलों में मामूली मुकदमे दर्ज किए गए हैं। टीमों को महिलाओं से विभिन्न माध्यमों से 17 शिकायतें मिलीं, जबकि घरेलू विवादों में उलझे 29 परिवारों को परिवार परामर्श केंद्रों में सुलह कराई गई।

हाइड्रा गरीबों को निशाना बना रहा है : पूर्व मंत्री

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और सूर्यपेट विधायक जगदीश रेड्डी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ गजुला रामाराम में हाइड्रा द्वारा ध्वस्त किए गए गरीबों के घरों और पार्टी बदलने वाले विधायक अरिकेपुडी गांधी द्वारा अतिक्रमण की गई ज़मीन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने मीडिया से बात की।

जगदीश रेड्डी ने आरोप लगाया कि हाइड्रा कोई सरकारी एजेंसी नहीं है, बल्कि केवल मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के लिए एक निजी एजेंसी के रूप में काम करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाइड्रा एक तरफ बड़े पैमाने पर निर्माण कार्यों पर ध्यान नहीं दे रहा है, बल्कि गरीबों के घरों को निशाना बना रहा है। बीआरएस शासन के दौरान, हैदराबाद में जहां भी देखो, केसीआर द्वारा बनाए गए दो बेडरूम वाले घर दिखाई देते हैं, लेकिन अब रेवंत रेड्डी द्वारा हाइड्रा से ध्वस्त किए गए गरीबों के घरों के खंडहर दिखाई देते हैं। अगर विधायक गांधी ने गजुला रामाराम में 11 एकड़ जमीन पर कब्ज़ा किया था, तो उनके ख़िलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री द्वारा सुरक्षा प्रदान की गई। यह रेवंत रेड्डी एक मिलावटी व्यक्ति है। रेवंत रेड्डी ने शनिवार को जुबली हिल्स में बोलते हुए कहा कि अगर लोग कांग्रेस पार्टी को वोट नहीं देंगे, तो उन्हें पेंशन, मुफ़्त बसें और राशन कार्ड नहीं मिलेंगे, और उन्होंने गरीबों को डरा दिया। रेवंत रेड्डी! आपने जो कुछ भी कहा, वह सरकारी योजनाएं हैं और आपके पास उन्हें रोकने के लिए कुछ नहीं है।

वे आपकी संपत्ति नहीं हैं। लोगों में विद्रोह शुरू हो गया है। वे दिन बहुत नजदीक हैं जब आपको भगा दिया जाएगा।

राष्ट्रपति निलयम में "साइक्लोथॉन-पेडल फॉर प्लैनेट' का आयोजन

1,200 लोगों ने लिया हिस्सा

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद स्थित राष्ट्रपति के शीतकालीन प्रवास स्थल, राष्ट्रपति निलयम में रविवार को पर्यावरणीय स्थिरता और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से "साइक्लोथॉन-पेडल फॉर प्लैनेट' का आयोजन किया गया। साइक्लोथॉन के दूसरे संस्करण का आयोजन हैदराबाद साइक्लिस्ट ग्रुप के सहयोग से और राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) के प्रायोजन में किया गया। इस कार्यक्रम में रक्षा एवं पुलिस कर्मियों सहित शहर के विभिन्न साइक्लिंग समूहों के करीब 1,200 लोगों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने राष्ट्रपति निलयम से सिकंदराबाद परेड ग्राउंड तक और वापस 20 किलोमीटर की दूरी तय की।

साइकिल चालकों ने सिकंदराबाद की सड़कों पर साइकिल चलाकर पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व पर जनजागरूकता फैलाई। इस कार्यक्रम को तेलंगाना एवं आंध्र उप क्षेत्र (टीएएसए) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अजय मिश्रा और ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। टीएएसए की टीम ने इस कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी करते हुए राष्ट्र निर्माण और हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। आयोजन का समापन उपलब्धि की भावना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति नई प्रेरणा के साथ हुआ।

इस बीच, एनएमडीसी ने 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक सतर्कता: हमारी साझा ज़िम्मेदारी विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 मनाया। समापन सत्र में मेजर जनरल मिश्रा ने एनएमडीसी की आर्थिक विकास में भूमिका और नैतिक शासन के प्रति उसकी निष्ठा की सराहना की। उन्होंने कहा कि सतर्कता केवल विभागीय कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक कर्मचारी का सामूहिक कर्तव्य है।

उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों और सार्वजनिक उपक्रमों दोनों में पारदर्शिता, अनुशासन और तकनीकी नवाचार के माध्यम से राष्ट्र के प्रति जवाबदेही निभाने की भावना समान है। कार्यक्रम में एनएमडीसी के वरिष्ठ अधिकारी, सतर्कता अधिकारी, कर्मचारी और आस-पास के स्कूलों के बच्चे शामिल हुए। पूरे सप्ताह जागरूकता कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं और संवाद सत्रों का आयोजन किया गया। समापन समारोह में पुरस्कार वितरण और सामूहिक फोटोग्राफ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश आने वाले दिनों में नई ऊंचाइयों को छुएगा : राव

वनापर्ती जिले के कई लोग भाजपा में हुए शामिल

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए विकास कार्यक्रमों से आकर्षित लोग भाजपा की ओर आकर्षित हो रहे हैं और बड़ी संख्या में पार्टी में शामिल हो रहे हैं। राव कुछ बीआरएस और कांग्रेस नेताओं के भाजपा में शामिल होने के अवसर पर आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने वनापर्ती जिला अध्यक्ष की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए वेंकटपति राजन्ना, नागेश्वर राव गोलापल्ली, नरसिंह राव जी शिवकुमार और करण देव सहित बीआरएस और कांग्रेस के नेताओं का स्वागत किया। उन्होंने आगे कहा कि वनापर्ती जिले में बड़ी संख्या में बीआरएस और कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता (जिनमें अल्पसंख्यक भाई भी शामिल हैं) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन, कल्याणकारी कार्यक्रमों और योजनाओं से आकर्षित होकर भाजपा में शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों का भाजपा में शामिल होना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वे भाजपा की ओर आकर्षित हैं। भाजपा अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने पिछले 12 वर्षों से देश की जनता को भ्रष्टाचार मुक्त सरकार प्रदान की है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आने वाले दिनों में नई ऊंचाइयों को छुएगा।

आरटीसी बस ने महिला को कुचला

कोत्तागुडेम, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पोस्ट ऑफिस केंद्र में एक दर्दनाक हादसे में टीजीएसआरटीसी की बस ने एक विवाहित महिला को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मेदरा बस्ती निवासी एम. श्रीनिवास और उनकी पत्नी पोथु लक्ष्मी (30) देर शाम मोटरसाइकिल से विद्यानगर की ओर जा रहे थे। रास्ते में आरटीसी बस चालक ने दाहिनी ओर से बाइक को ओवरटेक करने की कोशिश की, तभी बाइक का हैंडल बस से टकरा गया। इससे बाइक का संतुलन बिगड़ गया और महिला सड़क पर गिर गई। बस का पिछला पहिया उसके ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी तत्काल मौत हो गई, जबकि उसके पति को मामूली चोटें आईं। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केटी रामाराव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बयान को बताया भारतीय सेना का अपमान

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली के दौरान भारतीय सेना को लेकर की गई टिप्पणी की कड़ी निंदा की और उनसे भारतीय सेना तथा तेलंगाना की जनता से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की। रामाराव ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री का यह बयान न केवल शर्मनाक है, बल्कि उनके अब तक के मानकों से भी नीचे गिरने का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों में सेवा करने के लिए अत्यधिक अनुशासन, समर्पण और देशभक्ति की जरूरत होती है। उन्होंने कहा राजनीतिज्ञ इसलिए सुरक्षित हैं, राजनीति कर पा रहे हैं और अपने परिवारों के साथ रह पा रहे हैं क्योंकि सैनिक सीमाओं पर कठोर परिस्थितियों में देश की रक्षा कर रहे हैं।

बीआरएस नेता ने पूछा, आप भारतीय सेना को नीचा दिखाकर पाकिस्तान की तारीफ क्यों कर रहे हैं? अपने शब्द तुरंत वापस लें और हमारे सैनिकों से माफी मांगें। रेवंत रेड्डी पर तीखा प्रहार करते हुए रामाराव ने कहा कि पैसों से भरे बैग के साथ पकड़े गए व्यक्ति के लिए गुंडों और अपराधियों की प्रशंसा करना आश्चर्य की बात नहीं है। उन्होंने जोड़ा, लेकिन आप तेलंगाना जैसे गौरवशाली राज्य का प्रतिनिधित्व करते हैं, क्या आप थोड़ी शालीनता नहीं दिखा सकते? दुश्मन देशों की प्रशंसा और हमारे सैनिकों का अपमान बंद कीजिए।

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक आदान-प्रदान कार्यक्रम में अयोग्य शिक्षकों पर उठे सवाल

मंचेरियल, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को एक अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और शैक्षिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के लिए कथित रूप से अयोग्य शिक्षकों का चयन करने पर आलोचना का सामना करना पड़ा है।

तेलंगाना स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षकों और शिक्षा अधिकारियों की व्यावसायिक दक्षता बढ़ाने और वैश्विक शैक्षिक पद्धतियों से परिचित कराने के लिए पांच दिवसीय अनुभव एवं आदान-प्रदान यात्रा की योजना बनाई थी। इस कार्यक्रम के तहत सिंगापुर, फ़िनलैंड, वियतनाम और जापान के दौरे के लिए शिक्षकों और अधिकारियों के 40-40 सदस्यों वाले चार समूह बनाए गए हैं। प्रत्येक जिले से तीन शिक्षकों का चयन एक विशेषज्ञ समिति के माध्यम से किया गया था।

जिला कलेक्टर की अध्यक्षता वाली इस समिति में अतिरिक्त कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी और एक वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। दिशा-निर्देशों के अनुसार, चयनित शिक्षकों में एक माध्यमिक श्रेणी शिक्षक और दो विद्यालय सहायक या प्रधानाध्यापक होने चाहिए।

हालांकि, कई आवेदकों ने आरोप लगाया कि नियमों का उल्लंघन करते हुए अयोग्य उम्मीदवारों का चयन किया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठे हैं। उन्होंने कहा कि वे इस मामले को विभाग के उच्च अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे। जिला शिक्षा अधिकारी यादैया ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह दिशा-निर्देशों के अनुरूप और पारदर्शी ढंग से आयोजित की गई थी।

बीआरएस नेता ने मुख्यमंत्री की आलोचना की

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के नेता आरएस प्रवीण कुमार ने रविवार को शादनगर बाईपास रोड पर समाज कल्याण गुरुकुल कॉलेज के छात्रों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने तेलंगाना में छात्रों से जुड़े घटनाक्रमों के बारे में सीधे तौर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से सवाल किया। उन्होंने कहा कि कॉलेज की प्रिंसिपल शैलजा द्वारा प्रताड़ित किए जाने के बाद गुरुकुल के छात्रों ने एनएच 44 पर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने मुफ्ती में एक महिला पुलिस कांस्टेबल द्वारा छात्रों पर किए गए हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह क्रूर है कि पुलिस ने छात्रों को जबरन गिरफ्तार किया और गाड़ियों में ठूंस दिया। उन्होंने पूछा कि तेलंगाना में असल में क्या हो रहा है? क्या इंदिराम्मा के राज में लड़कियों को यही न्याय मिल रहा है? राज्य के शिक्षा मंत्री होने के नाते, मुख्यमंत्री को उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए, लेकिन आप उन्हें क्रूर तरीके से गिरफ्तार कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार महिलाओं के बारे में कुछ कहती है और कुछ और करती है। जुबली हिल्स में, महिलाएं आपको हराएंगी और आपको ज्ञान सिखाएंगी, आरएस प्रवीण कुमार ने चेतावनी दी।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 3 नवंबर- 2025

क्या यह मुख्यमंत्री शिकायत सेल की अघोषित तालाबंदी है ?

रघु ठाकुर

सूचना के अधिकार कानून ने देश के आम आदमी को एक दौर में कुछ अधिकार संपन्न बनाए रखा, आम आदमी सरकारी तंत्र से कुछ जानकारियां ले सकता था और उनका उपयोग समाज में भ्रष्टाचार उजागर के लिए कर सकता था। जब कांग्रेस सरकार में यह कानून लागू हुआ तो यह सामान्य व्यक्ति के लिए कारगर हथियार साबित हुआ एवं अफसरशाही भी इस हथियार के प्रयोग से भयभीत रहती थी, क्योंकि उसे सूचना देना लाचारी था। परंतु धीरे-धीरे सूचना के अधिकार कानून एवं नियमों में ऐसे बदलाव किए गए की वह अप्रभावी और भोथरा हथियार बन गया है। कई सरकारी पदों को एक प्रकार से इस कानून के दायरे से लिखित और अलिखित तरीके से बाहर कर दिया गया है 11 वर्ष बीत जाने के बाद भी प्रधानमंत्री जी की डिग्री को सार्वजनिक नहीं किया गया। नि संदेह यह कानून एक क्रांतिकारी कानून था परंतु व्यवस्था ने अपने हथकंडों से इसके क्रांतिकारी स्वरूप को खत्म कर दिया और अब शर्त जोड़ दी गई कि जानकारी मांगने वाले व्यक्ति का इस मामले से क्या संबंध है? जबकि यह गैर जरूरी था, फिर कुछ दुरुपयोग के शिकायतों के नाम से इस कानून को मृत नहीं तो बेहोश तो कर ही दिया गया है।

भारत आज भी दुनिया में गांधी के नाम से जाना जाता है भले ही आज सरकारी पार्टी और उसकी मातृ संस्था गांधी को माने या ना माने परंतु दुनिया गांधी को मानती है। गांधी का सत्य स्वच्छ था, उसमें कुछ भी छिपा नहीं था। महात्मा गांधी ने तो अपनी गलतियों को भी निष्पक्ष ढंग से उजागर किया। अब तो गांधी के विरोधी लोग ही गांधी के सत्य का दुरुपयोग गांधी के खिलाफ कर रहे हैं। दूसरा एक और विचित्र जन विरोधी शुरुआत मध्य प्रदेश में हुई है। मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में भी आम जनता को अपनी शिकायतों को तंत्र तक पहुंचाने के लिए सीएम हेल्पलाइन के नाम से एक शिकायत सेल (लगभग सभी प्रदेशों में) शुरू किया गया था इसकी तार्किक वजह थी कि, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के पास देश और प्रदेश के अन्य लोगों की शिकायतों को सुनने का समय नहीं रह पाता है। व्यवस्था के मुखिया को अपने समय का अधिकांश हिस्सा शासन पर लगाना होता है और धीरे-धीरे नौकरशाही की परंपराएं मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को इस तरह से घेर लेती है कि वह शिकायतें एवं जन भावनाओं को नहीं समझ पाते और ना ही सुन पाते हैं। कुछ वरिष्ठ नौकरशाहों को प्रतिदिन रिपोटिंर्ग के नाम पर, सूचना देने के नाम पर, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के लिए समय सुरक्षित रखना पड़ता है और कई घंटे इसमें चले जाते हैं। तंत्र इतना फैल गया है कि कोई भी नीत को क्रियान्वित करना कई परीक्षाओं को पास करना जैसा होता है। किसी-किसी घटना पर संस्थाएं अपनी शिकायत के आधार पर जांच करती है और सरकार एवं तंत्र का बड़ा हिस्सा उनके उत्तर देने में चला जाता है। नौकरशाही का भी काफी समय इसमें निकल जाता एवं इस कारण से आम जनता के साथ संवाद नगण्य हो जाता है।

दिखाने को तो हर स्तर पर संभागीय आयुक्त से लेकर तहसीलदार द्वारा जनसुनवाई की तिथि तय की गई है लेकिन यह जनसुनवाई केवल खानापूर्ति होती है। अक्सर जनसुनवाई के दिन देखने में आता है कि कभी-कभी मुख्यमंत्री और मंत्रियों का नगर में आगमन हो जाता है तो जनसुनवाई के नाम पर किसी अधीनस्थ छोटे अधिकारी आदि को लगा दिया जाता है एवं वह शिकायतों के पत्र ले लेते हैं और अधिकारियों को प्रस्तुत कर देते हैं। अक्सर यह भी होता है कि राजस्व अधिकारी को प्राप्त शिकायतों को संबंधित अधिकारी के पास देने के लिए कह दिया जाता है। कलेक्टर ऑफिस के द्वारा कहा जाता है कि, एसपी ऑफिस के पास जाइए, एसपी आफिस कलेक्टर के पास भेजता है। इन परिस्थितियों में मुख्यमंत्री शिकायत सेल एक ऐसा माध्यम है जहां आम नागरिक को भटकना नहीं पड़ता है बल्कि मुख्यमंत्री के तंत्र से ही संबंधित शिकायत को संबंधित अधिकारी के पास पहुंचा दिया जाता है। यह भी परंपरा बनी है कि अधिकारी मुख्यमंत्री के पास से प्राप्त शिकायतों को तत्काल हल करते है इसलिए आम लोगों को यह एक माध्यम मिला। यद्यपि जितनी शिकायतें होती उतने बड़े पैमाने पर निराकरण नहीं होता था। फिर भी एक प्रमाण होता था की व्यवस्था के शीर्ष अधिकारी मुख्यमंत्री तक बात पहुंची है जो कभी भी गंभीर रूप ले सकती है। कभी मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित हो जाए तो वह कार्यवाही का आधार बन सकती है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिकायत सेल में लगभग तीन चार लाख शिकायतें लंबित है। यह भी प्रक्रिया थी कि, शिकायतों के निराकरण की सूचना पर यदि शिकायतकर्ता संतुष्ट नहीं होता है तो अपनी आपत्ति पुनरू दर्ज करा सकता था। जब तक शिकायतकर्ता संतुष्ट नहीं हो जाता था, उस मामले का निराकरण हुआ नहीं माना जाता था। तात्पर्य कि तब तक शिकायत बंद नहीं होती थी। कुल मिलाकर के संपूर्ण रूप से तो नहीं परंतु आंशिक रूप से कुछ शिकायतों का निराकरण होता था। इससे अधिकारियों को परेशानी होती थी। क्योंकि उन्हें मुख्यमंत्री शिकायत सेल से प्राप्त शिकायतों का मुख्यमंत्री को उत्तर देना होता था और इन शिकायतों की समय सीमा में निपटाने के लिए संभाग, जिला, तहसील स्तर पर मुख्यमंत्री शिकायत सेल से प्राप्त शिकायतों को वरीयता देकर हल करने या कम से कम हल करने की खानापूर्ति करनी पड़ती थी। पिछले दिनों अखबार में सूचना आई है कि मुख्यमंत्री शिकायत सेल को सीमित किया जा रहा है और शायद इसे बंद करने की तैयारी हो रही है। नौकरशाही ने मुख्यमंत्री को यह समझा दिया है कि, शिकायतों के माध्यम से अधिकारियों को परेशान किया जाता है। सामान्य परिवार से निकल करके मुख्यमंत्री बनने वाला व्यक्ति भी नौकरशाहों के तर्क से सहमत हो गया और अब यह एक नया चलन शुरू करने की तैयारी है कि शिकायत यदि झूठी पाई जाती है तो शिकायतकर्ता के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निसंदेह अगर झुठी शिकायतें होती है तो उस पर कार्यवाही होनी चाहिए, परंतु वह कार्यवाही शासन को नहीं बल्कि संबंधित अधिकारी द्वारा स्वतंत्र न्यायपालिका में आवेदन देकर करना चाहिए। वहीं दूसरा पक्ष है कि बार-बार शिकायत करने वाले को भी दोषी माना जाएगा। यह तो घोर अपराध है क्योंकि जो शिकायतकर्ता संतुष्ट नहीं है वही दोबारा शिकायत करेगा या अपनी असंतुष्टि को जाहिर करेगा। इस प्रक्रिया से नौकरशाही पर एक सीमित नियंत्रण भी था कि वह किसी शिकायत को बंद नहीं कर सकते उन्हें भी कहीं ना कहीं शिकायतकर्ता को संतुष्ट करना होता है। परंतु इस नए नियम के माध्यम से या तो आम जनता डर से शिकायत करना बंद कर देगी या फिर नौकरशाही को अधिकार मिल जाएगा की शिकायतकर्ता के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दें। कुल मिलाकर यह मुख्यमंत्री शिकायत सेल की अघोषित तालाबंदी जैसी है।एक प्रकार से यह भी राजनीतिक पक्ष बनेगा कि नौकरशाही सत्ता पक्ष की शिकायतें अक्सर हल करेंगी परंतु गैर सत्ता पक्ष की शिकायतों को गलत बताकर बंद कर देगी और कार्यवाही करने वाले को नोटिस देगी। यह नियम सार्वजनिक अधिकारों का उल्लंघन भी है और लोकतांत्रिक भी नहीं है। राम के नाम का जाप और पाठ करने वाली सरकार, राम गमन पथ मार्ग के निर्माण पर सैकड़ो, करोड़ों रुपए खर्च करने वाली सरकार, राम के लोकतांत्रिक स्वरूप को भी मिटा रही है। जिसमें राम आम आदमी की शिकायत को न केवल सुना करते थे बल्कि उसके आधार पर राम ने अपने परिवार के लोगों को सजा भी सुनाई।

निजी प्रापर्टी पर बना मिनी तिरुपति

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के कासीबुग्गा कस्बे में बने वेंकटेश्वर मंदिर का महज चार महीने पहले ही खोला गया था। मंदिर में श्रद्धा रखने वालों ने बताया कि इसे प्रसिद्ध तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर की तर्ज पर बनाया गया है, इसीलिए इसे 'चिन्ना तिरुपति' (मिनी तिरुपति) भी कहा जाने लगा है। इसी वेंकटेश्वर मंदिर में शनिवार को हुई भगदड़ में 10 मौतें हुई हैं, कई घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 11:30 बजे तब हुआ जब श्रद्धालु मंदिर की पहली मंजिल पर बने गर्भगृह की ओर बढ़ रहे थे। कासीबुग्गा कस्बे में बने वेंकटेश्वर मंदिर में हर शनिवार 1,500 से 2,000 श्रद्धालु आते हैं, लेकिन 1 नवंबर को देव उठनी एकादशी और कार्तिक मास होने से भीड़ असामान्य रूप से बढ़ गई। जिसे संभालने का कोई इंतजाम मंदिर प्रशासन द्वारा नहीं किया गया था। जानकारी मिली है कि मंदिर हरिमुकुंद पांडा के निजी स्वामित्व में है। एंडोमेंट्स विभाग के अधीन नहीं आता है। मंदिर के प्रशासक ने अपनी जमीन पर भगवान वेंकटेश्वर का यह मंदिर बनवाया है। इसका एंट्री और एग्जिट का एक ही गेट है। फिलहाल पुलिस ने वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी है। बताया जा रहा है कि एकादशी की वजह से क्षमता से 10 गुना लोग पहुंच गए। मंदिर की क्षमता महज 2,000 से 3,000 श्रद्धालुओं की है, लेकिन एकादशी के दिन करीब 25,000 लोग पहुंच गए। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा, पुलिस को पहले से भीड की सूचना दी गई होती, तो भीड़ प्रबंधन की योजना बनाई जा सकती थी। श्रद्धालुओं के जमा होने वाला भवन निर्माणाधीन था। निर्माण कार्य चलने से पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम भी नहीं थे। भीड़ काबू करने लिए लोग भी नहीं थे। यहां तक कि कैमरा या लाउडस्पीकर सिस्टम भी नहीं था, जो लोगों को दिशा या चेतावनी दे सकता था। हरिमुकुंद पांडा ने अपनी जमीन पर भगवान वेंकटेश्वर का यह मंदिर बनवाया था। इस मंदिर के निर्माण को लेकर भी गजब का रोचक प्रसंग बताया जा रहा है। मंदिर के प्रशासक हरिमुकुंद पांडा लगभग एक दशक पहले तिरुमला में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन नहीं कर पाए थे। उन्होंने अपनी निराशा को मां के सामने व्यक्त की तो मां ने उन्हें काशीबुग्गा में अपनी जमीन पर तिरुमला जैसा एक मंदिर बनवाने की सलाह दी। फिर क्या था मंदिर निर्माण शुरू हो गया। आज मिनी तिरुपति मंदिर 12 एकड़ क्षेत्र में फैला है। इसके रीति-रिवाज और परंपराएं बिल्कुल तिरुमाला मंदिर जैसी ही हैं। 6 साल पहले मंदिर बनना शुरू हुआ था। मंदिर परिसर में केवल 3000 लोगों के बैठने की व्यवस्था है, लेकिन पहली कार्तिक एकादशी में 20-25 हजार लोग जुट गए। आंध्र के मंदिरों में इस साल तीन बड़ी त्रासदी में 23 मौतें हो चुकी हैं। सीएम नायडू ने इसी साल 8 जनवरी को तिरुपति में भगदड़ के बाद एंडोमेंट्स विभाग (मंदिर प्रबंधन विभाग) के साथ कई लंबी बैठकें की थीं, पर जिन कदमों पर चर्चा हुई थी, उनमें से अधिकतर लागू नहीं किए जा सके। इसमें रेलिंग लगाना, बैरिकेड्स बनाना, प्रवेश और निकास के अलग रास्ते बनाना आदि शामिल था। घायलों का इलाज कर रहे एक डॉक्टर ने बताया कि लगभग 30 लोग भर्ती हुए थे। दो लोग खतरे से बाहर हैं, और लगभग 15 से 20 लोगों को मामूली चोटें आई हैं। ज्यादातर लोगों को सांस लेने में तकलीफ की समस्या थी। कई लोगों के हाथ-पैर टूटे हुए हैं। सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। एसपी महेश्वर रेड्डी ने बताया कि मंदिर के प्रशासक हरिमुकुंद पांडा पर 'गैर-इरादतन हत्या' (आईपीसी की धारा 304) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

राष्ट्रवाद बनाम धार्मिक कट्टरता

संजीव ठाकुर

वास्तविक राष्ट्रवाद के संदर्भ में धार्मिक कट्टरता राष्ट्रवाद किसी भी राष्ट्र की आत्मा होता है और वैश्विक संदर्भ में राष्ट्रवाद बनाम धार्मिक कट्टरता पर बौद्धिक विमर्श की परम आवश्यकता है । यह केवल राजनीतिक नारा या भीड़ संचालित भाव नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना का वह केंद्र है जो देश की एकता, अखंडता और गरिमा को अभिव्यक्त करता है। यह वह सार्वभौमिक सत्य है, जिसने युगों से सभ्यताओं को स्थायित्व दिया और समाजों को अनुशासन एवं उद्देश्य की दिशा में अग्रसर किया। किंतु जब यही राष्ट्रवाद धार्मिक कट्टरता, संकीर्ण विचारधारा अथवा अवसरवादी राजनीति के मोहपाश में बंध जाता है, तब वह अपनी दिव्यता खो बैठता है।

राष्ट्र के निर्माण और वैश्विक एकीकरण के संदर्भ में नागरिकों की निष्ठा, समर्पण और संवेदनशीलता अनिवार्य है। परंतु इसका यह तात्पर्य नहीं कि सत्ता-लोलुप राजनीतिक दल राष्ट्रवाद को धर्म, जाति या संप्रदाय से जोड़कर इसे सत्ता प्राप्ति का अस्त्र बना लें। ऐसा करने से न केवल राष्ट्रीय भावना आहत होती है, बल्कि सामाजिक ताने-बाने में विभाजन और अविश्वास की दीवारें खड़ी हो जाती हैं। इतिहास साक्षी है कि जब-जब सत्ता पर बने रहने की अंधी चाह बढ़ी है, तब-तब साम्राज्यों की जड़ें खोखली हुई हैं। वर्तमान भारतीय राजनीति भी इस प्रपंच से मुक्त नहीं — जहां राष्ट्रवाद का धर्म का पर्याय बनाकर प्रस्तुत किया जाता है, ताकि भावनात्मक उन्माद के सहारे सत्ता की सीढ़ियाँ चढ़ी जा सकें। लोकतंत्र में सत्ता का परिवर्तनशील रहना ही उसकी प्राणवायु है। निरंतर सत्ता एक व्यक्ति या दल को अधिनायकवादी बनाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की जड़ों को कमजोर कर देती है। अवसरवादी राजनीति, जातिगत समीकरणों की गणना, और तुष्टिकरण की नीति ये सब मिलकर जनकल्याण की मूल भावना को धूमिल करते हैं। जनता के दीर्घकालिक हितों के स्थान पर तात्कालिक लाभों की घोषणाएँ लोकतंत्र को सस्ती लोकप्रियता की ओर ढकेल देती हैं। इससे न केवल राष्ट्रीय चरित्र का ह्रास होता है, बल्कि सामाजिक अनुशासन भी दरकने लगता है। राजनीति में पदलोलुपता, अवसरवाद और जातिवादी समीकरणों की राजनीति लोकतांत्रिक आदर्शों को विकृत करती जा रही है। संविधान में निहित समानता, स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता के मूल सिद्धांत जब तुष्टीकरण की नीति से प्रभावित होते हैं, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत होकर सामंतवादी प्रवृत्तियों को जन्म देता है।

जातिवादी मतदान, अवतारवाद और निरंकुश सत्ता की चाह,ये सब लोकतंत्र के भीतर अधिनायकवाद के बीज बोने वाले तत्व हैं।भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद संतुलन, समरसता और विचारशीलता पर टिकी है। किंतु जब धर्म को राजनीतिक औज़ार बना दिया जाता है, तब न केवल आस्था का अपमान होता है बल्कि नागरिकता की समानता पर भी गहरी चोट पहुँचती है। पशु व्यापार पर एकतरफ़ा प्रतिबंध, सांप्रदायिक नीतियों के संरक्षण या धार्मिक प्रतीकों के राजनीतिक प्रयोग ये सभी लोकतंत्र के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप पर प्रश्नचिह्न बन जाते हैं।

आज के वैश्विक संदर्भ में देखा जाए, तो राष्ट्रवाद और धार्मिक कट्टरता के बीच की रेखा अत्यंत सूक्ष्म हो चली है। बीसवीं सदी के जर्मनी, इटली, म्यांमार या पाकिस्तान के उदाहरण हमें बताते हैं कि जब राष्ट्रवाद सैनिक या सांप्रदायिक रूप ले लेता है, तो वह फासीवाद या सैन्य तानाशाही का पूर्वरूप बन जाता है। भारत जैसे प्राचीन सांस्कृतिक राष्ट्र के लिए यह और भी चिंताजनक है, क्योंकि यहाँ लोकतंत्र केवल शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का हिस्सा है। लोकतंत्र का मर्म जनता के विचारों की स्वतंत्रता और उनकी विवेकशीलता में निहित है।

स्वर्ण नीति से स्वावलंबन तक : भारत का नया आर्थिक कवच

आरके जैन

एक ही सप्ताह में लगभग 3.6 अरब डॉलर की छलांग-और भारतीय रिज़र्व बैंक की तिजोरी में पहली बार स्वर्ण भंडार सौ अरब डॉलर की ऐतिहासिक सीमा पार कर गया। कुल विदेशी मुद्रा भंडार अब सात सौ अरब डॉलर के करीब है, जिसमें सोने का हिस्सा बढ़कर लगभग 15 प्रतिशत तक पहुंच गया है-यह 1996-97 के बाद का सर्वोच्च स्तर है। मात्रा के लिहाज़ से भी भारत अब आठ सौ अस्सी टन से अधिक सोने के साथ विश्व में आठवें स्थान पर है। यह कोई आकस्मिक उपलब्धि नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और डॉलर-प्रभुत्व के विरुद्ध भारत की एक सुनियोजित रणनीतिक पहल है-जो उसकी आर्थिक संप्रभुता को अभेद्य कवच प्रदान कर रही है।वैश्विक बाज़ार में स्वर्ण मूल्य 4,379 डॉलर प्रति औंस तक उछल गया—साल भर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि। भौतिक खरीदारी सीमित रही, मात्र चार टन, परंतु मूल्यांकन लाभ ने भंडार को अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुंचा दिया।

विदेशी मुद्रा भंडार में सोने का अनुपात भी सात प्रतिशत से दोगुना होकर लगभग 15 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। भारतीय रिज़र्व बैंक ने हाल ही में सौ टन सोना विदेशी तिजोरियों-मुख्यतः बैंक ऑफ इंग्लैंड-से भारत वापस लाकर भू-राजनीतिक जोखिमों को कम किया है, साथ ही अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड्स में निवेश घटाकर पोर्टफोलियो को अधिक संतुलित बनाया है। इज़राइल—ईरान संघर्ष और अमेरिका—चीन व्यापार तनावों के बीच जहाँ डॉलर इंडेक्स 110 के नीचे फिसला, वहीं सोने ने अपनी चमक बरकरार रखी।

विश्व स्वर्ण परिषद की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक केंद्रीय बैंकों ने पिछले वर्ष एक हज़ार टन से अधिक सोना खरीदा-और भारत इस सूची में दूसरा सबसे बड़ा संस्थागत खरीदार रहा। आईएमएफ की हालिया बैठक में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने इसे स्पष्ट रूप से रेखांकित किया: "स्वर्ण संचय वैश्विक अनिश्चितता में स्थिरता का स्रोत है-यह चिंता नहीं, आत्मविश्वास का संकेत है।"

भारत की यह मजबूती केवल संख्याओं की नहीं, बल्कि रणनीति की विजय है। रुपये की गिरावट के दौर में भी सोने ने मूल्य संरक्षण का कवच बनकर अर्थव्यवस्था को स्थिर रखा। ब्रेंट क्रूड के साठ डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहने के बावजूद विदेशी मुद्रा भंडार डगमगाया नहीं। आज भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4 ट्रिलियन डॉलर है, जिसमें लगभग 89 प्रतिशत मूल्य स्वदेशी स्वर्ण संपदा से जुड़ा है-यह अनुपात इक्विटी निवेश के मुकाबले तीन गुना अधिक है। रिसाइक्लिंग में वृद्धि से आयात पर निर्भरता घटी और व्यापार घाटा नियंत्रित हुआ।

डी-डॉलरीकरण की रणनीति ने ठोस परिणाम दिए-युआन और रूबल में व्यापार बढ़ा, जिससे विदेशी मुद्रा प्रवाह का संतुलन सुधरा और निवेशकों का विश्वास फिर से लौटा। वैश्विक मंदी के बीच यह स्वर्ण भंडार एक सुरक्षात्मक कवच, एक 'इकोनॉमिक बफर' के रूप में कार्य कर रहा है। विदेशी तिजोरियों से सोना वापस लाना न केवल आर्थिक विवेक का प्रतीक है, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की पुनर्स्थापना भी है।

परंतु इस चमकदार सफलता के पीछे कुछ गहरी छायाएँ भी हैं। सोना एक निष्क्रिय संपत्ति है-न ब्याज देता है, न लाभांश। अमेरिकी बॉन्ड्स से मिलने वाली 4-5 प्रतिशत रिटर्न की तुलना में यह प्रतिफलहीन है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा सोने का होना तरलता को सीमित करता है-आपातकाल में यही अनुपात नकदी संकट को जन्म दे सकता है। मूल्य अस्थिरता का खतरा भी कायम है: यदि अमेरिकी फेड दरें बढ़ाए या चीन अपने भंडार की बिक्री शुरू करे, तो सोने की कीमतें तेज़ी से गिर सकती हैं।

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्वर्ण उपभोक्ता है; कीमतों में उछाल से व्यापार घाटा बढ़कर 32 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। भंडारण लागतें भी बढ़ रही हैं-सुरक्षित तिजोरियों और बीमा की कीमतें अब पहले से कहीं अधिक हैं। विश्व बैंक के मानक के अनुसार, उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विदेशी भंडार का दस प्रतिशत हिस्सा सोने में होना आदर्श माना जाता है-जबकि भारत अब लगभग 15 प्रतिशत पर है। साथ ही, निजी क्षेत्र के पास 25,000 टन से अधिक सोना निष्क्रिय पड़ा है-जो अर्थव्यवस्था की परिसंचारी पूंजी से बाहर है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड जैसी योजनाएँ इस जड़ता को तोड़ने में अपेक्षित सफलता नहीं पा सकीं। भारतीय रिज़र्व बैंक का यह दांव जितना साहसिक है, उतना ही संतुलित भी। स्वर्ण संचय की रफ्तार जानबूझकर संयमित रखी गई-वैश्विक औसत पंद्रह टन प्रति माह से कम-ताकि भौतिक खरीदारी से अधिक मूल्यांकन लाभ पर भरोसा किया जा सके। घरेलू नियंत्रण तंत्र को भी अभूतपूर्व रूप से सुदृढ़ किया गया है। नई स्वर्ण मोनेटाइजेशन योजनाएँ इस दिशा में अगला कदम हैं-जिनका लक्ष्य है निजी स्वर्ण संपत्ति को औपचारिक अर्थव्यवस्था का सक्रिय हिस्सा बनाना। तरलता के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के पचासी प्रतिशत को बैकअप के रूप में सुरक्षित रखा गया है, जिससे स्वर्ण निवेश की आक्रामकता के बावजूद वित्तीय संतुलन कायम रहे। लेकिन आगे की राह सरल नहीं। चुनौती यह है कि स्वर्ण संचय की गति सीमित रहे, निजी स्वर्ण को व्यवस्थित रूप से शामिल किया जाए, और सुरक्षा व तरलता के बीच सही संतुलन बनाए रखा जाए।

यह न तो मजबूती की अंतिम कथा है, न जोखिम का समापन। यह एक परिपक्व राष्ट्र की आर्थिक दूरदर्शिता का प्रमाण है-जहाँ प्राचीन धरोहर को आधुनिक रणनीति का हथियार बनाया जा रहा है। वैश्विक वित्तीय तूफानों के बीच भारत का स्वर्ण भंडार केवल कवच नहीं, बल्कि एक सक्रिय रणनीतिक ढाल बन चुका है। सवाल यह नहीं कि भंडार ने सौ अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया; असली प्रश्न यह है-क्या भारत इस सुनहरे सफर को दो सौ अरब डॉलर तक ले जा सकेगा, वह भी बिना तरलता खोए, और निजी सोने को आर्थिक प्रवाह में शामिल कर बीस प्रतिशत हिस्सेदारी तक पहुँचते हुए?

इसका उत्तर समय देगा। पर आज की सच्चाई यह है-यह स्वर्णिम छलक भारत की आर्थिक संप्रभुता का सबसे प्रखर संदेश है: डॉलर प्रभुत्व के युग के क्षरण की शुरुआत, और एक आत्मनिर्भर, स्वर्ण-आधारित भविष्य की ओर पहला निर्णायक कदम। हर टन सोना अब केवल धातु नहीं-यह भारत की अटूट इच्छाशक्ति का प्रतीक है। यह कहानी है उस राष्ट्र की, जो न टूटता है, न झुकता है-बस निखरता है, जैसे तपकर सोना।

चढ़े न दूजो रंग

डॉ टी महादेव राव

आजकल तो चर्चों के चर्चे भी बड़े जोरोशोर से होने लगे। और तो और चर्चा को छोटे से दायरे से निकालकर बहुत विशाल आसमान दे दिया गया चर्चा अनंत, चर्चा कथा अनंता बना दिया गया, जिस तरह कविता को किसी विषय से परहेज नहीं होता, जहां न जाय रवि वहाँ जाय कवि की तर्ज़ पर। अब तो चर्चा का तो मार्केट ही निकल पड़ा, चर्चा के लिए विषयों की कमी नहीं। विषय हो या न हो, चर्चा तो होती रहनी चाहिए। ताकि बिना प्रैस मीट किये, पत्रकारों का सामना किए बिना बहुत सारी पब्लिसिटी अपने आप इन चर्चाओं से मिल जाती है, जिससे प्रचार प्रसार के भूखे दिल की कली खिल जाती है। सरकारी विज्ञापनों की लालच में इतने समाचार छपते हैं कि दिल बाग बाग हो जाता है। कहाँ दिल की कली के खिलने की बात थी और कहाँ दिल का बाग बाग होने का मामला। यही तो विकास है। और हमारा विकास जो है किसी से कम नहीं है। पहले शुरू हुई चाय पे चर्चा। होनी ही चाहिए आखिर चाय सभी की फेवरेट पेय जो है। प्रधान मंत्री से लेकर आम आदमी तक चाय को पसंद करता है। करना भी चाहिए। इससे चुस्ती फुर्ती आती है। जीवन में खुशियाँ तो सभी ने किसी न किसी तरह छीन लिया, लेकिन चाय अपने स्वाद से उस दर्द को भूल जाने में मदद करता है। मैं सिर्फ चाय तक चर्चा को रखता हूँ। किसी भी विषय पे बात करनी हो, चर्चा करनी हो तो चाय एक उत्प्रेरक के रूप में बहुत सक्रिय काम करता है। चाय पे चर्चा में मेरे मित्र ने चाय के प्रकारों पे जब चर्चा शुरू किया तो मैंने कहा चाय विषय नहीं, एक केटलिस्ट है, उत्प्रेरक है। उसने कहा तब इसे सामन्य चर्चा कहो न! चाय पे चर्चा क्यों कहते हो। मेरे एक और मित्र ने उत्तर दिया- इस बीच केवल चर्चा होती थी, चाय नहीं पिलाया जाता था तो लोग कम आते थे। हमने सोचा चाय पे चर्चा करने पर कम से कम चाय के लिए तो लोग आएंगे। साला, चर्चा में भी पॉलिटिक्स घुस गई। क्या दिन आ गए? है न? इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर गाय पे चर्चा शुरू हो गई। उसके परिणाम सभी ने देख ही लिए। चर्चा ज़रूरी है, विषय नहीं। मेरे बॉस के पास जब फुरसत बहुत होती थी और अगर उस दिन बीवी से बिना झगड़े दफ़्तर आ गया हो तो समझो उस दिन फालतू चर्चा का कार्यक्रम निश्चित ही होता। सब को बैठाकर गप शप। फिल्में, दूसरे विभाग के लोगों की खिंचाई, टीवी के धारावाहिक हर विषय पर वे चर्चा करते और इस असहनीय चर्चा से हम ऊब जाते लेकिन क्या कर सकते थे? हम दो चार चाय पीकर अगर कोई काम हुआ जैसे छुट्टी मांगना, प्रमोशन पर बात करना, सीआर में रेटिंग पर बड़े चापलूस बनकर बात करते थे। कम से कम आधी मांगें पूरी हो जाती। बॉस भी खुश और हम भी प्रसन्न। लेकिन ऐसे मौके महीने दो महीने में एकाध बार ही आते। यह थी दफ्तर की चर्चा। राष्ट्रीय चर्चा में कभी परीक्षा पे चर्चा होती है तो कभी मन की बात बताई जाती है। परीक्षा से अधिक छात्र चाहते हैं की पर्चों पर चर्चा हो। हर विषय के पर्चे पर चर्चा हो तो उन्हें लाभ भी होगा और उनका "ज्ञान" भी विकसित होगा। मेरे कहने का मतलब है परीक्षा पे चर्चा एक स्थूल विषय है जबकि पर्चे पे चर्चा सूक्ष्म। हमें सूक्ष्म चर्चा करनी चाहिए ताकि हम विषय विश्लेषण कर पर्चे कैसे आएंगे, क्या क्या प्रश्न पूछे जाएँगे, पर्चे कौन कौन से चैप्टर कवर करेंगे आदि पर चर्चा करें तो छात्रों का फायदा होगा, अभिभावकों का फायदा होगा, स्कूल का फायदा होगा। तुर्रा यह की फायदा ही फायदा है बशर्ते चर्चा के मुखिया को सारे विषयों का समुचित ज्ञान हो। पिछले वर्ष हम कोरोना पे काफी चर्चा कर चुके। फलस्वरूप थालियाँ, तालियां पीटे, दिये जलाए, भक्तों ने जय-जयकार किए। ऐसा लगा कोरोना हमारे इन हरकतों से भाग जाएगा।

दुनिया में हथियारों की खतरनाक होड़ के सूत्रधार बनेंगे ट्रंप

मनोज कुमार अग्रवाल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने की घोषणा पर दुनिया में जबरदस्त हलचल मच गई है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 33 साल बाद परमाणु परीक्षण का आदेश दिया है. चीन और रूस की टेस्टिंग के बीच यह फैसला वैश्विक तनाव बढ़ा सकता है और एनपीटी समझौते पर सवाल खड़े करता है। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका के पास दुनिया में सबसे ज्यादा परमाणु हथियार हैं, लेकिन इंटरनेशनल कैंपेन टू एबॉलिश न्यूक्लियर वेपंस के अनुसार, रूस के पास लगभग 5,500 परमाणु वारहेड हैं, जबकि अमेरिका के पास करीब 5,044 हैं। हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने परमाणु हमले की तैयारी के अभ्यास का आदेश दिया था. रूसी सेना ने इंटरकांटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल यार्स और सिनेवा मिसाइल का परीक्षण किया, साथ ही टीयू-95 बमवर्षक विमान से लंबी दूरी की क्रूज़ मिसाइल भी दागी. ट्रंप ने इन परीक्षणों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि पुतिन को युद्ध खत्म करने पर ध्यान देना चाहिए, न कि मिसाइल टेस्ट करने पर। ट्रंप के परमाणु परीक्षण के आदेश से वैश्विक स्तर पर हड़कंप मच गया है. विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम वैश्विक निरस्त्रीकरण प्रयासों को कमजोर कर सकता है और न्यूक्लियर नॉन-प्रोलिफरेशन ट्रीटी का उल्लंघन भी माना जा सकता है, जिसे अमेरिका ने 1992 में साइन किया था.आपको बता दें कि इस पर तीखी प्रतिक्रिया आ रही है। ईरानी के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक्स पर एक पोस्ट लिखकर ट्रम्प के बयान की तीखी आलोचना की। उनका कहना था कि अपने रक्षा विभाग का नाम बदलकर युद्ध विभाग रखने वाला परमाणु हथियारों से लैस दबंग देश खुद परमाणु हथियारों का परीक्षण करने जा रहा है।

यही दबंग देश ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम को बदनाम कर रहा है और हमारे सुरक्षित परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले की धमकी दे रहा है। इससे पहले ये जानना जरूरी है कि परमाणु परीक्षण क्या है और इसके क्या नुकसान हो सकते हैं। नाभिकीय अस्त्र परीक्षण या परमाण परीक्षण उन प्रयोगों को कहते हैं जो डिजाइन एवं निर्मित किए गए नाभिकीय अस्त्रों के प्रभाविकता, उत्पादकता एवं विस्फोटक क्षमता की जांच करने के लिए किए जाते हैं। परमाणु परीक्षणों से कई जानकारियां प्राप्त होतीं हैं, जैसे ये नाभिकीय हथियार कैसा काम करते है, विभिन्न स्थितियों में ये किस प्रकार का परिणाम देते है, भवन एवं अन्य संरचनाएं इन हथियारों के प्रयोग के बाद कैसा बर्ताव करतीं हैं। इसके अलावा परमाणु परीक्षणों से वैज्ञानिक, तकनीकी एवं सैनिक शक्ति का प्रदर्शन करने की कोशिश भी की जाती है। बीसवीं सदी में कई देशों ने परमाणु परीक्षण किए थे। पहला परमाणु परीक्षण अमेरिका ने 16 जुलाई, 1945 में किया था जिसमें 20 किलोटन का परीक्षण किया गया था। अब तक का सबसे बड़ा परमाणु परीक्षण सोवियत रूस में 30 अक्टूबर 1961 को किया गया था जिसमें 50 मेगाटन के हथियार का परीक्षण किया गया था। 25 मई, 2009 को उत्तरी कोरिया ने परमाणु परीक्षण किया था, जिसे विश्व के अधिकांश देशों ने निंदनीय बताया है। विश्व के परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्रों ने अब तक कम से कम 2000 परमाणु परीक्षण किए हैं। हालांकि अब इस पर अंतर्राष्ट्रीय कानून बने हुए हैं, जिनका पालन करना दुनिया के हर देश का कर्तव्य है, लेकिन अब ट्रम्प ने परमाणु परीक्षण की बात कहकर दुनिया में हलचल मचा दी है। अगर अब परमाणु परीक्षण होता है, तो यह अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है।

इस तरह अमेरिकी राष्ट्रपति ने परमाणु परीक्षण की बात कहकर इन कानूनों का उल्लंघन किया है। ईरान के विदेश मंत्री का साफ कहना था कि अमेरिका दुनिया में परमाणु प्रसार का सबसे बड़ा खतरा है। उल्लेखनीय है कि श्री ट्रम्प ने दक्षिण कोरिया में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन से इतर चीन के प्रधानमंत्री शी जिनपिंग से मुलाकात से ठीक पहले गुरुवार को अपने टूथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा था कि उन्होंने अमेरिका के रक्षा विभाग को परमाणु हथियारों के परीक्षण का आदेश दिया है। अन्य देशों के परीक्षण कार्यक्रमों के कारण, मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि वे हमारे परमाणु हथियारों का समान परीक्षण शुरू करें। रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि रूस ने हाल में कोई परीक्षण नहीं किया है, लेकिन अगर अमेरिका ऐसा करता है, तो रूस भी परमाणु हथियारों का परीक्षण शुरू कर देगा।

सोवियत संघ ने आखिरी बार 1990 में, अमेरिका ने 1992 में और चीन ने 1996 में परमाणु हथियार का परीक्षण किया था। चीन ने हालांकि ट्रम्प के बयान पर संतुलित रुख अपनाया। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन का कहना था कि बीजिंग को उम्मीद है कि अमेरिका व्यापक परमाणु परीक्षण-प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) और परमाणु परीक्षणों पर उसके प्रतिबंधका पालन करेगा। नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाले जापानी परमाणु बम पीड़ितों के समूह निहोन हिडांक्यो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की घोषणा कड़ी आलोचना की है और इसे पूरी तरह अस्वीकार्य बताया है।

सोम प्रदोष व्रत पर बनेगा दुर्लभ योग शिव पूजा का मिलेगा दोगुना पुण्य

सनातन धर्म में भगवान शिव के पूजन का सर्वोत्तम समय प्रदोष काल माना गया है। जब यह प्रदोष तिथि सोमवार को आती है, तब इसे सोम प्रदोष व्रत कहा जाता है। जो शिवभक्तों के लिए अत्यंत शुभ और दुर्लभ योग प्रदान करने वाला दिन माना जाता है।

सोम प्रदोष व्रत 2025 की तिथि और समय

वैदिक पंचांग के अनुसार, कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि का आरंभ 3 नवंबर 2025 को सुबह 5:07 बजे होगा और यह 4 नवंबर 2025 की रात्रि 2:05 बजे तक रहेगी। इसलिए सोम प्रदोष व्रत का पालन 3 नवंबर 2025, सोमवार को किया जाएगा। इस दिन सोमवार, त्रयोदशी तिथि और रवियोग का संयोग बन रहा है, जो एक अत्यंत दुर्लभ और पुण्यदायक योग है। इस योग में भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों को दोगुना फल और पुण्य प्राप्त होता है।

सोम प्रदोष व्रत का महत्व

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष स्थान है। यह व्रत हर माह दो बार आता है, एक बार कृष्ण पक्ष त्रयोदशी को और दूसरी बार शुक्ल पक्ष त्रयोदशी को। शास्त्रों में वर्णित है कि जो व्यक्ति श्रद्धापूर्वक प्रदोष का व्रत रखता है, उसे भगवान शिव और माता पार्वती की असीम कृपा प्राप्त होती है। यह व्रत पापों का नाश, स्वास्थ्य, वैवाहिक सुख और जीवन में शांति प्रदान करता है। सोम प्रदोष व्रत विशेष रूप से उन लोगों के लिए शुभ होता है जो मन की शांति, दांपत्य सुख या संतान प्राप्ति की कामना करते हैं।

सोम प्रदोष व्रत पूजा विधि

प्रातःकाल स्नान कर सूर्य देव को अर्घ्य दें।
स्वच्छ वस्त्र धारण करें और व्रत का संकल्प लें।
पूजा स्थल को शुद्ध कर शिवलिंग का पंचामृत से अभिषेक करें।
बेलपत्र, धतूरा, पुष्प, जल और दूध से शिवलिंग को सजाएं।
भगवान शिव, माता पार्वती, नंदी, गणेश और कार्तिकेय की सामूहिक पूजा करें। अंत में शिव चालीसा और आरती करें।
पूजा के बाद ही व्रत का पारण करें।

रवि योग का प्रभाव- 3 नवंबर 2025 को सोम प्रदोष के दिन रवियोग भी बन रहा है। यह योग पूजा-पाठ, दान, और शिव आराधना के लिए अत्यंत मंगलकारी माना गया है। इस संयोग में किया गया हर शुभ कार्य दोगुना फल देता है।

सोम प्रदोष व्रत का पालन केवल व्रत या नियम का पालन नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और भक्ति का मार्ग है। जो भक्त इस दिन सच्चे मन से भगवान शिव की आराधना करता है, उसके जीवन से दुःख दूर होते हैं और उसके कर्मों का भार हल्का हो जाता है।

काशी में देवलोक का अहसास करवाती है देव दीपावली

वाराणसी में कार्तिक पूर्णिमा की रात गंगा के अर्ध चंद्राकार घाटों की छटा देवलोक का अहसास कराती है। देखने वाले को महसूस होता है कि गंगा तट पर देवलोक की छवि उतर आई है। काशी की देव दीपावली का यह नजारा अद्भुत होता है। बजते घंटे-घड़ियाल, शंखों की गूंज व हिलोरे लेती आस्था, जिसे देखने के लिए देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु काशी आते हैं।

काशी में लक्खा मेले की प्राचीन परम्परा है। इसमें एक लाख से अधिक लोग एकत्र होते हैं। नाटी इमली का भरत मिलाप, तुलसी घाट की नाग नथैया, चेतगंज की नक्कटैया और रथयात्रा मेले की शृंखला में यह काशी का पांचवां लक्खा मेला है। इस अवसर पर गंगा के 84 घाटों पर सात किलोमीटर तक शृंखलाबद्ध दीप जलाए जाते हैं। शाम होते ही ये सभी घाट दीपों की रोशनी में नहा उठते हैं और गंगा की धारा में इन दीपों की अलौकिक छटा निखरती है।

शंकराचार्य की प्रेरणा से प्रारंभ होने वाला यह दीपोत्सव पहले केवल पंचगंगा घाट की शोभा हुआ करता था लेकिन धीरे-धीरे काशी के सभी घाटों पर दीपों की शृंखला बढ़ती चली गई और दो दशकों से देव दीपावली ने महापर्व का स्वरूप ले लिया है। इस तरह देव दीपावली सांस्कृतिक राजधानी काशी की खास पहचान बन गई है।

अहिल्याबाई होल्कर ने स्थापित किया था हजारा दीपस्तंभ

काशी की देव दीपावली प्राचीनता और परम्परा का अद्भुत संगम है। इतिहास में इसका जिक्र मिलता है। महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने पंचगंगा घाट पर पत्थरों से बना खूबसूरत हजारा दीपस्तंभ स्थापित किया था।

यह दीपस्तंभ देव दीपावली की परम्परा का साक्षी है। काशी में देव दीपावली की शुरूआत भी यहीं से हुई थी। यह दीपस्तंभ देव दीपावली के दिन 1001 से अधिक दीपों की लौ से जगमगाता है। इस दृश्य को यादों में सहेजने के लिए देश ही नहीं, विदेशों से पर्यटक काशी पहुंचते हैं।

मां गंगा की अष्टधातु की प्रतिमा का होता है दर्शन-पूजन

देव दीपावली के अवसर पर मां गंगा की अष्टधातु की प्रतिमा को गंगा घाट पर विराजमान किया जाता है। मां गंगा की यह प्रतिमा साल में दो बार गंगा दशहरा और देव दीपावली पर ही लोगों के दर्शन-पूजन के लिए स्थापित की जाती है।

इस तरह काशी में कार्तिक पूर्णिमा पर दीपदान की यह परम्परा देव आराधना का महापर्व बन जाती है। काशी की गंगा आरती तो देशभर में प्रसिद्ध है ही, देव दीपावली पर आरती का नजारा और भी अद्भुत होता है।

देव दीपावली के दिन भगवान शिव ने किया था त्रिपुरासुर का वध

देव दीपावली की पृष्ठभूमि में एक पौराणिक कथा भी है। त्रिपुरासुर राक्षस ने ब्रह्माजी की तपस्या कर वरदान पा लिया था और तीनों लोकों पर अपना आधिपत्य जमा लिया था।

इसके बाद देवताओं ने भगवान शिव से उसका अंत करने की प्रार्थना की। उन्होंने इसी दिन त्रिपुरासुर का वध किया था। इस खुशी में देवताओं ने दीपावली मनाई, जिसे आगे चलकर देव दीपावली के रूप में मान्यता मिली इसलिए देव दीपावली को 'त्रिपुरी' के नाम से भी जाना जाता है।

सूरज की धूप में छिपा वो ज्ञान जिसने सिकंदर को कर दिया मौन

यूनान में डायोजिनीज नामक एक महान संत रहते थे। उनकी शोहरत दूर-दूर तक फैली हुई थी। उनकी तारीफ सुनकर एक दिन सिकंदर उनसे मिलने गए। संत एक जंगल में बैठे धूप सेंक रहे थे। सिकंदर ने उनके सामने खड़े रहकर कुछ देर प्रतीक्षा की कि संत का ध्यान उनकी ओर जाएगा, पर जब संत ने देर तक उनकी ओर कोई ध्यान नहीं दिया तो वह चिढ़कर बोला, ''बाबा, देखो मैं विश्व विजेता सिकंदर हूं।''

डायोजिनीज ने आंख मूंदे ही जवाब दिया, ''देखो, मैं डायोजिनीज हूं।'' सिकंदर हत्प्रभ हो बोला, ''आपके नाम की चारों ओर धूम मची हुई है, कहिए मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूं?''

संत ने शांति के साथ जवाब दिया, ''सिर्फ थोड़ा हटकर खड़े हो जाओ और सूरज की धूप मेरे ऊपर आने दो।'' यह जवाब सुनकर सिकंदर संत के आगे नतमस्तक हो गया।

संत एकनाथ के विनम्रता की कहानी जिसने द्वेष को भी भक्ति में बदल दिया

जब एकनाथ की लोकप्रियता बढ़ने लगी तो कुछ लोग उनकी कीर्ति से जलने भी लगे। एक बार ऐसे ही कुछ दुष्टों ने घोषणा की कि जो एकनाथ को क्रोध दिला देगा, उसे दो स्वर्ण मुद्राएं इनाम में मिलेंगी। यह घोषणा सुनकर एक मूर्ख और बेरोजगार नौजवान ने उन्हें नाराज करने का बीड़ा उठाया। वह एकनाथ महाराज के घर पहुंचा। उस समय वह पूजा कर रहे थे। वह सीधा पूजा घर में जाकर उनकी गोद में जा बैठा। उसने सोचा कि इस तरह अशुद्ध हो जाने पर एकनाथ को क्रोध जरूर आएगा।

लेकिन उन्होंने हंसकर कहा, ''भैया! तुम्हें देखकर मुझे बड़ा आनंद हुआ। मिलते तो बहुत से लोग हैं, पर तुम्हारा प्रेम तो विलक्षण है।''

एकनाथ की शांति और बालसुलभ हंसी वह देखता ही रह गया। समझ गया कि इन्हें क्रोध दिलाना बहुत मुश्किल है, मगर दो स्वर्ण मुद्राओं के लोभ से उसने अगले दिन फिर कोशिश की। वह भोजन के वक्त एकनाथ के घर जा पहुंचा।

एकनाथ की पत्नी गिरिजा बाई ने उनका आसन भी एकनाथ के ही पास लगा दिया। भोजन परोसा गया। लेकिन घी परोसने के लिए गिरिजा बाई ने ज्यों ही झुककर ब्राह्मण की दाल में घी डालना चाहा, त्यों ही वह लपक कर उनकी पीठ पर चढ़ गया। एकनाथ जी ने कहा, ''देखना, ब्राह्मण कहीं गिर न पड़े।''

इस पर गिरिजा बाई ने मुस्कराते हुए कहा, ''मुझे बेटा हरि को पीठ पर लादकर काम करने का अभ्यास है, इस बच्चे को कैसे गिरने दूंगी।''

देव दीपावली पर इन वास्तु नियमों का रखें ध्यान

दुकान में बढ़ेगी ग्राहकों की भीड़ और मिलेगा मनचाहा मुनाफा

देव दीपावली जिसे देवों की दीपावली भी कहा जाता है, कार्तिक पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। शास्त्रों के अनुसार, देवउठनी एकादशी के बाद जब भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं, तो पूर्णिमा के दिन देवता स्वयं पृथ्वी पर उतरकर गंगा घाटों पर दीप जलाते हैं। कहा जाता है कि इस दिन भगवान शंकर ने त्रिपुरासुर का वध किया था, इसलिए इसे त्रिपुरारी पूर्णिमा भी कहते हैं। यह दिन देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा पाने के लिए अत्यंत शुभ माना गया है।

दुकान या व्यवसाय के लिए किसी भवन का चयन करना हो तो पहले ही यह विचार कर लेना आवश्यक है कि भवन का निर्माण वास्तु सम्मत हुआ है या नहीं। यदि निर्माण समुचित वास्तु अनुरूप किया गया है तो व्यवसाय शुरू किया जा सकता है। यदि यह नियम के अनुरूप नहीं है तो सबसे पहले यह समझना चाहिए कि इसमें उचित संशोधन की गुंजाइश है अथवा नहीं। यदि किसी प्रकार के संशोधन में बाधा हो तो जहां तक संभव हो इसका क्रय नहीं करना चाहिए क्योंकि यही हमारी आय का महत्वपूर्ण साधन होता है और इसी से परिवार का भरण-पोषण होता है।

यदि हम वास्तु नियमों का पालन करते हुए देव दीपावली के दिन व्यवसाय या दुकान शुरू करेंगे तो वह शुभ फलदायक होगा। आय की अधिकता रहेगी। यदि वह दूषित है तो लाभ की अपेक्षा व्यय ज्यादा होगा। किसी न किसी प्रकार की अड़चनें आएंगी या क्लेश रहेगा। इन सबके बावजूद धर्मचारी मानव अपने उद्देश्य को पूर्ण करने में सफल होता है।

दुकान या व्यवसाय के लिए चयनित भवन के ईशान कोण को खाली एवं स्वच्छ रखें।

जल संबंधी कार्य ईशान कोण में अथवा उत्तर-पूर्व दिशा में करें।

पूजा का स्थान ईशान कोण में बनाएं। उत्तर अथवा पूर्व दिशा में भी कर सकते हैं।

भारी सामान ईशान कोण में कतई न रखें। कार्टन आदि दक्षिण या पश्चिम दिशा में रखना चाहिए।

दुकान में अलमारी, शोकेस, फर्नीचर आदि दक्षिण या पश्चिम दीवार की ओर बनवा सकते हैं। यदि संभव न हो तो नैर्ऋत्य कोण में भी बनवा सकते हैं पूर्व और उत्तर क्षेत्र ग्राहकों के आने-जाने के लिए रखें।

दुकान में माल का भंडारण दक्षिण, पश्चिम दिशा में ही करें। संभव न हो तो नैर्ऋत्य कोण में भी कर सकते हैं।

दुकान के अंदर बिजली का मीटर स्विच बोर्ड आदि आग्नेय कोण में रहना लाभदायक है।

दुकान, दफ्तर के सामने द्वार वेध नहीं होना चाहिए अर्थात सामने खम्भा, सीढ़ी, बिजली के पोल और पेड़ आदि नहीं होने चाहिए। जहां तक संभव हो इससे बचना चाहिए।

दुकान में सीढ़ियां ईशान कोण को छोड़कर बनवानी चाहिए।

पानी का पात्र ईशान कोण में रखना शुभ होता है।

दुकान के मालिक या व्यवस्थापक को नैर्ऋत्य कोण में पूर्व या उत्तर की ओर मुख करके बैठना चाहिए।

माल का स्टॉक पश्चिम, दक्षिण या नैर्ऋत्य कोण में रखना चाहिए।

जब एक नारी ने शंकराचार्य को सिखाया जीवन का गूढ़ सत्य...

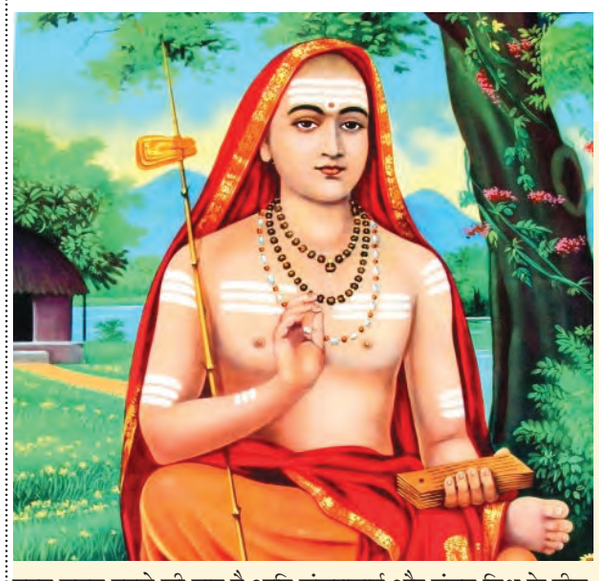

बहुत समय पहले की बात है आदि शंकराचार्य और मंडन मिश्र के बीच सोलह दिन तक लगातार शास्त्रार्थ चला। शास्त्रार्थ में निर्णायक थीं मंडन मिश्र की धर्मपत्नी देवी भारती। हार-जीत का निर्णय होना बाकी था, इसी बीच देवी भारती को किसी आवश्यक कार्य से कुछ समय के लिए बाहर जाना पड़ गया।

जाने से पहले देवी भारती ने दोनों ही विद्वानों के गले में एक-एक फूल माला डालते हुए कहा, ''ये दोनों मालाएं मेरी अनुपस्थिति में आपकी हार और जीत का फैसला करेंगी।'' ये कहकर भारती देवी वहां से चली गईं। शास्त्रार्थ की प्रकिया आगे चलती रही।

कुछ देर बाद देवी भारती अपना कार्य पूरा करके लौट आईं। उन्होंने अपनी निर्णायक नजरों से शंकराचार्य और मंडन मिश्र को बारी-बारी से देखा और अपना निर्णय सुना दिया। उनके फैसले के अनुसार आदि शंकराचार्य विजयी घोषित किए गए और उनके पति मंडन मिश्र की पराजय हुई।

सभी दर्शक हैरान हो गए कि बिना किसी आधार के इस विदुषी ने अपनी पति को ही पराजित करार दे दिया। एक विद्वान ने देवी भारती से पूछा कि हे देवी! आप तो शास्त्रार्थ के मध्य ही चली गई थीं, फिर वापस लौटते ही आपने ऐसा फैसला कैसे दे दिया ?

देवी भारती ने जवाब दिया, "जब भी कोई विद्वान शास्त्रार्थ में पराजित होने लगता है और उसे हार की झलक दिखने लगती है तो वह क्रुद्ध हो उठता है। मेरे पति के गले की माला उनके क्रोध के ताप से सूख चुकी है, जबकि शंकराचार्य की माला के फूल अभी भी पहले की भांति ताजे हैं। इसी से शंकराचार्य को विजयी घोषित किया गया है।''

विदुषी देवी भारती का फैसला सुनकर सभी दंग रह गए। सबने उनकी काफी प्रशंसा की।

तुलसी के पास ये एक चीज रखने से खत्म हो सकती है घर की समृद्धि

धर्म में तुलसी के पौधे को अत्यंत पवित्र, पूजनीय और देवी लक्ष्मी का रूप माना जाता है। इसे घर में लगाने से सकारात्मकता, सुख-समृद्धि और शांति आती है। हालांकि, वास्तु शास्त्र और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, तुलसी के पौधे के पास कुछ ऐसी चीजें रखना वर्जित माना गया है, जिन्हें रखने से घर की समृद्धि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और दरिद्रता आ सकती है।

तुलसी के पास इन बातों का भी रखें विशेष ध्यान-

जूते-चप्पल

जूते-चप्पल अशुद्ध माने जाते हैं और इनका सीधा संबंध गंदगी से होता है। तुलसी का पौधा पूजनीय है। इसके पास जूते-चप्पल या उनसे संबंधित कोई भी वस्तु रखने से लक्ष्मी का अपमान होता है, जिससे घर में आर्थिक तंगी आ सकती है।

कांटेदार पौधे या सूखे पौधे

तुलसी के पास कभी भी कैक्टस या अन्य कांटेदार पौधे नहीं रखने चाहिए। कांटेदार पौधे नकारात्मक ऊर्जा लाते हैं और घर में कलह का कारण बन सकते हैं। इसी तरह, तुलसी के गमले के आस-पास सूखे या मुरझाए हुए पौधे भी नहीं रखने चाहिए। सूखी तुलसी या सूखे पौधे दुर्भाग्य और धन हानि का संकेत देते हैं।

टूटी हुई या खंडित वस्तुएं

पूजा-पाठ से संबंधित टूटी हुई मूर्तियां, दीपक, या अन्य खंडित सामग्री को तुलसी के पास नहीं रखना चाहिए। खंडित वस्तुएं वास्तु दोष पैदा करती हैं और घर की बरकत में रुकावट डालती हैं।

लोहे का सामान

तुलसी के गमले के आस-पास लोहे से बनी अनावश्यक वस्तुएं नहीं रखनी चाहिए। लोहा नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है, जो तुलसी की सकारात्मकता को कम कर सकता है और समृद्धि में कमी ला सकता है।

'डर नहीं, दहशत हूं', फिर एक्शन अवतार में दिखे शाहरुख, 60वें बर्थडे पर उनके दिलचस्प किस्से

शाहरुख खान 02 नवंबर को अपना 60वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास दिन पर दर्शक इंतजार कर रहे थे कि उनकी आगामी फिल्म 'किंग' पर कुछ अपडेट आएगा। इंतजार आखिर पूरा हुआ। फिल्म 'किंग' का टाइटल रिवील किया गया है। मेकर्स ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक धांसू वीडियो शेयर किया है। शाहरुख एक बार फिर अपने एक्शन से दर्शकों को चौंकाने वाले हैं।

कितने खून किए याद नहीं!

शाहरुख खान के खास दिन पर रेड चिलीज के यूट्यूब चैनल से एक अनाउंसमेंट वीडियो शेयर करते हुए 'किंग' के टाइटल का आधिकारिक एलान किया गया है। वीडियो के शुरुआत में समुद्री दृश्य दिखाया गया है। बैकग्राउंड से किंग खान की आवाज आती है, 'कितने खून किए, याद नही। अच्छे लोग थे या बुरे, कभी पूछा नहीं। बस उनकी आंखों में अहसास देखा कि ये उनकी आखिरी सांस है। और मैं उसकी वजह। हजार जुर्म, सौ देशों में बदनाम। दुनिया ने दिया सिर्फ एक ही नाम। 'किंग'। डर नहीं, दहशत हूं। इट्स शो टाइम।

शाहरुख का दिखा खूंखार अंदाज

पूरे वीडियो में शाहरुख खान का खूंखार अंदाज देखने को मिला है। ताबड़तोड़ गोलियां चलाते और मारधाड़ करते दिख रहे हैं। आखिरी सीन तो दहला देने वाला है, जहां वे अपने एक वार से सामने वाले का दांत तोड़ देते हैं। फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है।

दर्शक हुए उत्साहित

'किंग' का अनाउंसमेंट वीडियो देख दर्शक उत्साहित हैं। लोग सकारात्मक रिएक्शन दे रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, 'क्यों पड़े हो चक्कर में, कोई नहीं है टक्कर में'। साथ ही दावा कर रहे हैं कि एक और ब्लॉकबस्टर फिल्म आ रही है। इसी के साथ शाहरुख को 60वें जन्मदिन की भर-भरकर बधाई दे रहे हैं।

बचपन में नाम बदलने से लेकर 'मन्नत' तक का सफर, पढ़ें शाहरुख खान के जीवन से जुड़े दिलचस्प किस्से

शाहरुख खान, सिनेमाई दुनिया का वो सितारा जिसने अपनी अदायगी, अनोखे अंदाज और रोमांस से दर्शकों को कई दशकों तक दीवाना बनाने का काम किया है। आज 2 नवंबर को अभिनेता का 60वां जन्मदिन है। उन्हें बॉलीवुड इंडस्ट्री में किंग खान के नाम से जाना जाता है। एक्टर के जीवन में कई ऐसी बातें हैं, जो काफी रोचक हैं। जानिए उनसे जुड़े कुछ दिलचस्प किस्से..

इस नाम से जाने जाते शाहरुख

बहुत कम लोगों को यह बात पता है कि शाहरुख खान के बचपन का नाम 'अब्दुल रहमान' रखा जाना था। इससे जुड़ा अभिनेता ने एक किस्सा भी बताया था, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। इसमें किंग खान ने कहा था कि उनकी नानी ने उनका नाम अब्दुल रहमान रखा था। इसके बाद उन्होंने मजाक में बताया कि यह नाम अगर होता, तो शाहरुख से ज्यादा प्रभावी नहीं लगता। बातचीत के अंत में अभिनेता ने कहा कि उनके पिता मीर ताज मोहम्मद खान ने उनका नाम शाहरुख खान रखा, जिसका अर्थ होता है "राजा का चेहरा"।

अगर मैं कंगाल भी हो गया...

सपनों के शहर मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित आलीशान बंगला 'मन्नत', शाहरुख खान का घर है। इसे देखने के लिए हमेशा दर्शकों की भीड़ उमड़ी रहती है। अभिनेता ने मन्नत को लेकर कहा था, 'किसी दिन अगर कभी मैं कंगाल भी हो गया, तो सबकुछ बेच दूंगा मगर मन्नत नहीं।' किंग खान के लिए ये मात्र एक घर नहीं, बल्कि उनके सपनों को एक जीता-जागता स्वरूप है।

कार में फिल्में देखना पसंद करते हैं शाहरुख

शाहरुख खान के पास कई गाड़ियां हैं। आपको बताते चलें कि अभिनेता को सिर्फ गाड़ियों में सैर करना नहीं पसंद है, बल्कि उन्हें कार में बैठकर फिल्में देखना भी पसंद हैं। उन्होंने एक बार कहा था कि उन्हें अपनी कार में फिल्में देखना पसंद है, क्योंकि वहां शांति और मिलती है।

शाहरुख के पिता स्वतंत्रता सेनानी थे

अभिनेता शाहरुख खान का परिवार भारत की आजादी की लड़ाई से जुड़ा रहा है। उनके पिता मीर ताज मोहम्मद खान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय थे। वे पेशावर (अब पाकिस्तान में) से दिल्ली आए थे और जवाहरलाल नेहरू के सहयोगी माने जाते थे। इसके अलावा कहा जाता है कि एक्टर के दादा भी स्वतंत्रता सेनानी थे।

शाहरुख खान की एक बहन भी है

बहुत कम लोगों को पता है कि शाहरुख खान की एक बड़ी बहन भी हैं। उनका नाम शहनाज लालारुख खान है, वह लाइमलाइट से काफी दूर रहती हैं। कहा जाता है कि वो अभिनेता के साथ ही मन्नत में रहती हैं।

मिनी ऐश्वर्या के नाम से मशहूर है सारा अर्जुन अब 20 साल बड़े अभिनेता संग करेंगी रोमांस

हम जिस अभिनेत्री की बात कर रहे हैं वह जल्द ही रणवीर सिंह की अदाकारी वाली अपकमिंग फिल्म 'धुरंधर' में नजर आने वाली हैं। छोटी उम्र से ही उन्होंने अभिनय करना शुरू कर दिया था। वह 18 जून 2005 को मुंबई में जन्मीं। यह कलाकार कोई और नहीं बल्कि सारा अर्जुन हैं। छोटी सी उम्र से पर्दे पर नजर आने वाली सारा अर्जुन अब बड़े कलाकार के साथ रंग जमाने वाली हैं।

5 साल में 100 विज्ञापनों में काम किया

सारा अर्जुन के पिता राज अर्जुन अभिनेता हैं। उनकी मां सान्या अर्जुन ने सारा का बचपन से साथ दिया। सारा ने अभिनय की शुरुआत मॉडलिंग और विज्ञापनों से की थी।

उन्होंने कई बड़े ब्रांड के लिए अभिनय किया। उन्होंने 5 साल की उम्र में ही लगभग 100 विज्ञापनों में काम कर लिया था।

6 साल की उम्र में सिनेमा में रखा कदम

सारा अर्जुन ने साल 2011 में तमिल सिनेमा में कदम रखा। यहां उन्होंने 'देइवा थिरुमगल' में अभिनय किया। महज 6 साल की उम्र में उन्होंने फिल्म में शानदार अभिनय किया। उनके अभिनय की आलोचकों ने खूब तारीफ की। इस अभिनय की वजह से वह सबसे अलग और प्रतिभाशाली बाल कलाकार कहलाईं।

फिल्मों में बनीं मिनी ऐश्वर्या

इसके बाद सारा ने हिंदी, तमिल, मलयालम और तेलुगु फिल्मों में काम किया। तमिल में उन्होंने कई फिल्मों के अलावा 'पोन्नियिन सेलवन I' और 'पोन्नियिन सेलवन II' में काम किया। इसमें उन्होंने ऐश्वर्या राय के किरदार के बचपन की भूमिका निभाई। हिंदी फिल्मों जैसे 'एक थी डायन' और 'द सॉन्ग ऑफ स्कॉर्पियन्स' में बाल कलाकार की भूमिका निभाई है।

मुख्य कलाकार के रूप में करेंगी डेब्यू

खबरों के मुताबिक साल 2023 तक सारा सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बाल कलाकार बन गई थीं। 18 साल की उम्र तक उन्होंने लगभग 10 करोड़ रुपये कमा लिए थे।

अब 20 साल की सारा अर्जुन फिल्म 'धुरंधर' में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इसमें वह रणवीर सिंह के साख अभिनय करेंगी। फिल्म के टीजर में उनकी झलक दिखी है।

मुझे मरने की जल्दी नहीं... जब बोले थे सतीश शाह

बताया था क्यों फिल्मों और एक्टिंग से बना ली थी दूरी

सतीश शाह के निधन को एक हफ्ता बीत चुका है, और उनके करीबी अभी भी गम में डूबे हैं। फैंस भी इस सदमे से उबर नहीं पा रहे हैं। यादों के पिटारे से सतीश शाह के किस्से, उनके पुराने इंटरव्यू और कही गई बातें जब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, तो अनायास ही एक्टर भी जेहन में उभरकर आ रहे हैं। ऐसा ही एक पुराना इंटरव्यू चर्चा में है, जिसमें उन्होंने जल्दी न मरने की बात कही थी। साथ ही बताया था कि उन्होंने क्यों फिल्मों और एक्टिंग से दूरी बना ली थी।

सतीश शाह का 25 अक्टूबर को हार्ट अटैक से निधन हो गया। उनकी उम्र 74 साल की थी। परिवार में अब सिर्फ पत्नी मधु शाह हैं, जिन्हें अल्जाइमर्स है। सतीश शाह और मधु ने लव मैरिज की थी।

मधु ने सतीश के करियर में भी अहम रोल निभाया था। एक्टर पत्नी को लकी चार्म मानते थे। सतीश शाह किडनी फेल हो गई थीं, जिनका कुछ महीने पहले ट्रांसप्लांट भी किया गया था। एक्टर को हार्ट संबंधी

भी कुछ समस्या थी। सतीश शाह ट्रांसप्लांट के बाद ठीक हो गए थे और वह बीमार पत्नी का ख्याल रखने के लिए रिटायर होना चाहते थे। उन्होंने कहा था कि वह लंबी जिंदगी जीना चाहते हैं।

आपके पसंद की स्टोरी

सबसे सामने मत पूछो... पाकिस्तान के सीक्रेट हाइपरसोनिक मिसाइल टेस्ट पर ख्वाजा आसिफ ने बढ़ाया सस्पेंस, क्या है सच्चाई

'शाहरुख मटन की हड्डियां चूस रहे थे', डायरेक्टर ने याद की मन्नत में SRK संग बातचीत, 'रईस' में कैसे बने मियां भाई!

शाहरुख खान की 'किंग' के टाइटल वीडियो से मची तबाही, एक्शन ने झुमाया पर SRK के लुक पर है मिला-जुला रिएक्शन

'मेरी मां मर रही हैं, मैंने दो दिन से कुछ नहीं खाया', शाहरुख खान ने गौरी के कारण फिल्में करने से किया था इनकार

सतीश शाह ने बताई थी फिल्मों से ब्रेक की वजह

सतीश शाह ने एक बार कहा था, 'मैंने अब पब्लिकली परफॉर्म करना बंद कर दिया है, मेरा मतलब फिल्मों में और बाकी जगहों पर भी।

मैंने, आप कह सकते हैं, एक ब्रेक लिया है, और यह काफी लंबा समय हो गया है। पहले से मेरी फितरत में रहा है कि मैं कोई चीज इंजॉय करता हूं, तभी करता हूं।'

कहा था- मुझे मरने की कोई जल्दी नहीं है

एक्टर ने आगे कहा था, 'शायद कुछ समय के लिए मैंने इंजॉय करना बंद कर दिया था, इसलिए मैंने सोचा कि शायद मैं खुद को फिर से तरोताजा करूं और फिर से सब कुछ शुरू करूं। मुझे मरने की कोई जल्दी नहीं है।' किसने सोचा था कि ऐसा कुछ हो जाएगा और सतीश शाह अचानक इस दुनिया को अलविदा कह जाएंगे।

मौत से दो घंटे पहले सतीश शाह ने रत्ना पाठक को किया था मैसेज

सतीश शाह के दोस्त और प्रोड्यूसर जेडी मजीठिया ने बताया था कि एक्टर ने मौत से दो घंटे पहले रत्ना पाठक शाह को मैसेज किया था।

उन्होंने सुबह 11 बजे राइटर आतिश कपाड़िया से भी बात की थी। और दो घंटे बाद ही सतीश शाह की मौत की खबर मिली।

धर्मशाला फिल्म फेस्टिवल में आदिल हुसैन का भावुक बयान

'इरफान खान मेरे जहन में हमेशा आते हैं'

इन दिनों धर्मशाला अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल के 14वें संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। इसमें अभिनेता आदिल हुसैन भी शामिल हुए। 'सत्य और अभिनय' शीर्षक वाले एक सत्र में अभिनेता ने स्वतंत्र और अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में अपनी दशकों लंबी यात्रा के अनुभवों को साझा किया। साथ ही उन्होंने दिवंगत अभिनेता इरफान खान को याद करते हुए उनके कला की सराहना की। जानिए उन्होंने क्या कहा।

कार्यक्रम के दौरान लोगों से बात करते हुए अभिनेता आदिल हुसैन ने कहा, 'अगर आप ईमानदारी से अभिनय करते हैं, तो यह हमेशा अलग होगा। एक अभिनेता, जो अक्सर मेरे जहन में आते हैं वो ऐसे ही थे। उनका नाम इरफान खान है। उन्होंने ऐसा करने की पूरी कोशिश की।' आगे इरफान खान की तारीफ में उन्होंने कहा, 'उन्होंने जितना हो सके अपने आपको पारदर्शी बनाने की पूरी कोशिश की। इरफान खान ने 'किस्सा', 'द नेम्सके', 'वॉरियर' और अन्य फिल्मों में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।'

आदिल हुसैन ने इरफान खान के निधन को याद किया। उन्होंने कहा, 'मैं उनसे कभी ठीक से नहीं मिला। हमने कभी उनके साथ अभिनय या किसी और चीज के बारे में बातचीत नहीं क। लेकिन इसके बावजूद, जब उनका निधन हुआ तो मेरे दिल में धक्का सा लगा। मुझे हैरानी हुई कि मुझे ऐसा क्यों महसूस हुआ। मैं सोच रहा था कि हे भगवान, मुझे इतना दुख क्यों हो रहा है?'

धर्मशाला अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल 2025 का 14वां संस्करण धर्मशाला में आयोजित हो रहा है। यह 30 अक्तूबर से 2 नवंबर तक चल रहा है। \

यह फिल्म फेस्टिवल आज 2 नवंबर को फिल्ममेकर अनुपर्णा रॉय की वेनिस विनर 'सॉन्ग्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज' के साथ खत्म होगा। आखिरी दिन फिल्ममेकर किरण राव के साथ एक स्पेशल मास्टरक्लास भी होने वाला है।

सबा आजाद के लिए अच्छा पार्टनर बनना चाहते हैं ऋतिक

गर्लफ्रेंड को बर्थडे विश किया

ऋतिक रोशन और सबा आजाद साल 2022 से डेट कर रहे हैं। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी फोटो शेयर करते हैं। शनिवार को ऋतिक ने सबा को बर्थ डे विश किया। गर्लफ्रेंड के लिए एक खास मैसेज भी लिखा। साथ ही अपनी और सबा की रोमांटिक फोटोज भी शेयर की हैं।

ऋतिक ने लिखा रोमांटिक नोट

ऋतिक रोशन ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर सबा को बर्थ विश करते हुए एक पोस्ट शेयर किया। इसमें वह लिखती हैं, 'मैं जो कुछ भी पाने की कोशिश करता हूं, जिस चीज का सपना देखता हूं, जो कुछ भी करता हूं। उसमें तुम्हारे लिए एक अच्छा पार्टनर बनना चाहता हूं। यह मेरा सबसे फेवरेट काम है।' वह आगे लिखते हैं, 'जन्मदिन की बधाई हो, मेरी जान।'

सबा आजाद का करियर फ्रंट

सबा आजाद के करियर फ्रंट की बात करें तो वह फिल्मों और वेब सीरीज में एक्टिंग करती हैं। इस साल वह अनुराग कश्यप की एक अनाम फिल्म का हिस्सा बन रही हैं। वहीं 'सॉन्ग ऑफ पैराडाइज' नाम का एक प्रोजेक्ट भी कर चुकी हैं। एक्टिंग के अलावा सबा आजाद बतौर सिंगर भी एक्टिव रहती हैं।

अल्लू अर्जुन ने भाई अल्लू शिरीष की सगाई पर दी खास अंदाज में शुभकामनाएं, राम चरण ने भी लिखा बधाई संदेश

साउथ एक्टर अल्लू अर्जुन के भाई और एक्टर अल्लू सिरीश ने अपनी गर्लफ्रेंड नयनिका से सगाई की। इस समारोह में साउथ इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकार शामिल रहे। इस अहम मौके पर अल्लू अर्जुन ने अपने भाई को खास अंदाज में बधाई दी। इसके अलावा राम चरण ने भी उन्हें शुभकामनाएं देते हुए तस्वीर साझा की है।

अल्लू अर्जुन ने कहा- इस पल का इंतजार था

अभिनेता अल्लू अर्जुन ने एक्स अकाउंट पर दो तस्वीर साझा की है, जो उनके भाई के सगाई के दौरान की है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने ट्वीट में लिखा, 'घर पर शानदार समारोह शुरू, परिवार में एक नया सदस्य। हम इस खुशी के पल का इंतजार काफी समय से कर रहे थे। मेरे प्यारे भाई अल्लू सिरीश को बधाई और परिवार में नयनिका का हार्दिक स्वागत है। आप दोनों को प्यार और खुशियों से भरी एक खूबसूरत शुरुआत की शुभकामनाएं।'

राम चरण ने खास तस्वीर साझा कर दी बधाई

अभिनेता राम चरण ने अपने एक्स अकाउंट पर एक ग्रुप तस्वीर साझा की है। इसमें श्रीजा कोनिडेला, लावण्या त्रिपाठी, वरुण तेज, अल्लू बॉबी, उपासना कोनिडेला, स्नेहा रेड्डी और अल्लू अर्जुन भी नजर आ रहे हैं। ट्वीट में अभिनेता ने लिखा, 'आपके लिए बहुत खुश हूं अल्लू सिरीश, बधाई हो आपको और नयनिका को। सदा खुश रहें।'

अल्लू सिरीश का वर्कफ्रंट

अल्लू सिरीश को आखिरी बार 2024 में आई एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'बडी' में देखा गया था। उनकी आगामी फिल्मों का एलान अभी नहीं हुआ है।

राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' में जान्हवी कपूर अचियम्मा की भूमिका में आएंगी नजर

राम चरण अभिनीत आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह बना हुआ है। आज शनिवार को फिल्म निर्माताओं ने बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है, जो फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस अचियम्मा के रोल में नजर आएंगी।

जान्हवी कपूर के स्वैग अंदाज ने खींचा ध्यान

फिल्म 'पेद्दी' के निर्माताओं ने आज 01 नवंबर के दिन फिल्म का नया पोस्ट रिलीज किया है। इसमें उन्होंने अभिनेत्री जान्हवी कपूर का पहला लुक और उनके किरदार के बारे में खुलासा किया है। फिल्म का दो पोस्टर जारी हुआ है। एक में एक्ट्रेस माइक पर कुछ बोलती दिख रही हैं, जिसमें उन्होंने अपने ब्लाउज में गॉगल फंसा रखा है। यह उनके स्वैग अंदाज को दिखा रहा है। इसके अलावा एक और पोस्टर में अभिनेत्री खुली जीप में जनता का

अभिवादन स्वीकार करती दिख रही हैं। वहीं इसमें भी वह शानदार और हॉट लुक में नजर आ रही हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

यह फिल्म 27 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को सभी भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। 'पेद्दी' में राम चरण और जान्हवी कपूर के अलावा दिव्येंदु शर्मा, शिव राजकुमार और जगपति बाबू भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म के बारे में

फिल्म 'पेद्दी' का निर्देशन बुचि बाबू सना द्वारा किया जा रहा है। इस फिल्म का निर्माण सुकुमार राइटिंग्स, मैत्री मूवी मेकर्स और टी-सीरीज द्वारा हो रहा है। वहीं इसे वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले संयुक्त रूप से तैयार किया जा रहा है। फिल्म में ऑस्कर विजेता ए.आर. रहमान संगीत तैयार कर रहे हैं, रत्नवेलु छायांकन, कोल्ला अविनाश कला निर्देशन और नवीन नूली संपादन का काम संभाल रहे हैं।

राजस्थान में 28000 फीट की ऊंचाई से मिसाइलें दागीं

रेत के धोरों में गरज रहे टैंक, आर्मी-नेवी और एयरफोर्स ने दुश्मनों के ठिकानों को नेस्तनाबूद किया

जैसलमेर, 2 नवंबर (एक्सक्लूसिव)। रेत के धोरों में टैंक गरज रहे हैं। 28 हजार फीट तक की ऊंचाई से लड़ाकू विमानों ने मिसाइलें दागीं। सेना के जांबाज चुन-चुनकर दुश्मन के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद तीनों सेनाओं की ये सबसे बड़ी एक्सरसाइज है।

10 नवंबर तक युद्धाभ्यास जारी रहेगा

आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के संयुक्त अभियान के तहत जैसलमेर के भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से लेकर कच्छ (गुजरात) तक युद्धाभ्यास चल रहा है। 30 अक्टूबर से 10 नवंबर तक युद्धाभ्यास जारी रहेगा।

भारत पश्चिमी मोर्चे पर दुश्मन के काल्पनिक ठिकानों पर 'अभ्यास त्रिशूल' के जरिए अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन कर रहा है। आर्मी के पैरा कमांडो, एयरफोर्स के गरुड़ और नेवी के मार्कोस अपना दम दिखा रहे हैं।

10 मिनट के अंदर सबकुछ तहस-नहस किया

दुश्मन के बनाए काल्पनिक ठिकानों पर सेना के जांबाज हेलिकॉप्टर से रैपलिंग या एयर-लैंडिंग की और 10 मिनट के अंदर सबकुछ तहस-नहस कर दिया। इस दौरान टी-90 टैंकों ने रेगिस्तान में धूल उड़ाते हुए तेजी से आगे बढ़ते और फायरिंग करते हुए अभ्यास किया।

इस दौरान लड़ाकू जेट ने खतरनाक क्लोज-फॉर्मेशन, उड़ान के दौरान ईंधन भरने और बॉम्बिंग रन की प्रैक्टिस की। सेना ने हाल ही में इसका वीडियो जारी कर इसकी जानकारी दी है।

तीनों सेनाओं का जॉइंट एक्सरसाइज

अभ्यास त्रिशूल में 28 हजार फीट की ऊंचाई तक वायुसेना के लड़ाकू विमान और हेलिकॉप्टर मिशन चला रहे हैं। जमीन पर थलसेना के टी-90 टैंक, तोपखाने और रॉकेट सिस्टम ने मोर्चा संभाला है, जबकि नौसेना ने समुद्री इलाकों और तटीय सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत किया है।

रेतीले टीलों और कच्छ के क्रीक इलाकों में तीनों सेनाओं के विशेष बल- आर्मी के पैरा कमांडो, एयरफोर्स के गरुड़ और नेवी के मार्कोस कमांडो- मिलकर

एक साथ आक्रमण और बचाव की रणनीतियों का अभ्यास कर रहे हैं। यह पहली बार है जब तीनों के कमांडो बल एकीकृत रूप में इतने बड़े पैमाने पर अभ्यास कर रहे हैं।

अधिकारियों ने संयुक्त ऑपरेशन रूम में बैठकर दी कमांड

अभ्यास के दौरान तीनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारियों ने एक संयुक्त ऑपरेशन रूम में बैठकर वास्तविक समय के डेटा (ISR फीड) के आधार पर निर्णय लिया और सैनिकों को कमांड दी।

प्रचंड और अन्य अटैक हेलिकॉप्टरों द्वारा जमीन पर लक्ष्यों पर रॉकेट से हमला करते हुए सैनिकों को मदद दी गई ताकि वे टारगेट की तरफ बिना रुके लगातार बढ़ते रहें।

सेनाओं ने डीप स्ट्राइक और मल्टी-डोमेन वॉरफेयर की रणनीतियों का अभ्यास किया। इसमें एक साथ जमीन, हवा और समुद्र के साथ-साथ साइबर और इलेक्ट्रॉनिक डोमेन में भी हमला करने की क्षमता को परखा जाता है।

नौसेना के जवानों द्वारा सर क्रीक जैसे दलदली या तटीय क्षेत्रों में विशेष उभयचर वाहनों का उपयोग किया गया, ताकि दुश्मन तक आराम से बिना रुके पहुंचा जा सके।

कच्छ के क्रीक और सर क्रीक पर फोकस

इस बार 'त्रिशूल' का एक अहम हिस्सा गुजरात के कच्छ क्षेत्र और विवादित सर क्रीक बॉर्डर के पास केंद्रित है। पाकिस्तान ने हाल के महीनों में यहां अवैध निर्माण और सैन्य ढांचा खड़ा करने की कोशिशें की हैं।

इस अभ्यास के जरिए भारत ने यह साफ संदेश दिया है कि वह हर हाल में अपनी सीमाओं की रक्षा करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सर क्रीक बॉर्डर की लंबाई करीब 68 किमी है, जबकि इसके आगे लगभग 36.4 किमी का दलदली इलाका भारत-पाकिस्तान के बीच विवादित माना जाता है। यह इलाका निगरानी और सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील है।

सुखोई, मिराज, तेजस ने प्रदर्शन किया

थल सेना ने रेगिस्तानी इलाकों में आक्रमण और जवाबी कार्रवाई की प्रैक्टिस की। वायुसेना के सुखोई-30, मिराज-2000 और तेजस लड़ाकू विमानों ने हवाई हमलों का प्रदर्शन किया।

नौसेना के युद्धपोतों और हवाई निगरानी प्रणालियों ने समुद्री सुरक्षा और तटीय क्षेत्रों में हमले की स्थिति से निपटने की तैयारी दिखाई।

सैन्य अधिकारियों के अनुसार, इस तरह के संयुक्त अभ्यासों का उद्देश्य तीनों सेनाओं के बीच तालमेल और त्वरित कार्रवाई की क्षमता को और मजबूत बनाना है।

भविष्य की युद्ध रणनीति का मॉडल

'त्रिशूल' न केवल एक अभ्यास है, बल्कि यह भारत की नई युद्ध अवधारणा का प्रतीक भी है। इसका लक्ष्य एक टेक्नोलॉजी-आधारित और भविष्य के लिए तैयार सेना तैयार करना है, जो एकीकृत बहु-क्षेत्रीय वातावरण में युद्ध को रोकने और जीतने दोनों में सक्षम हो।

जमशेदपुर में क्रिटिकल मेटल्स कांग्रेस छह नवंबर से

नीति-निर्माताओं और वैज्ञानिकों का होगा जुटान

जमशेदपुर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर में क्रिटिकल मेटल्स कांग्रेस 2025 का आयोजन किया जाएगा. नेशनल मेटलर्जिकल लेबोरेटरी (सीएसआइआर-एनएमएल) 6 से 8 नवंबर 2025 तक आयोजन करेगी. पहली बार सीएसआइआर-एनएमएल द्वारा क्रिटिकल मिनरल्स क्षेत्र पर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है. डायरेक्टर डॉ संदीप घोष चौधुरी ने कहा कि इस कार्यक्रम में कई केंद्रीय मंत्री भी हिस्सा लेंगे.

जमशेदपुर-सीएसआइआर-नेशनल मेटलर्जिकल लेबोरेटरी (सीएसआइआर-एनएमएल) 6 से 8 नवंबर 2025 तक जमशेदपुर में क्रिटिकल मेटल्स कांग्रेस 2025 का आयोजन करेगी. यह सम्मेलन भारत सरकार के खनिज मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा भारी

उद्योग मंत्रालय के सहयोग से आयोजित हो रहा है. देश में क्रिटिकल मेटल्स की बढ़ती आवश्यकता के बीच यह कार्यक्रम नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों, उद्योग जगत एवं शोध विशेषज्ञों को एक ही मंच पर जोड़ने वाला महत्वपूर्ण आयोजन माना जा रहा है. डायरेक्टर डॉ संदीप घोष चौधुरी ने कहा कि इस कार्यक्रम में कई केंद्रीय मंत्री भी हिस्सा लेंगे.

पहली बार हो रहा राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन

यह पहली बार है जब सीएसआइआर-एनएमएल द्वारा क्रिटिकल मिनरल्स क्षेत्र पर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है. यह आयोजन इसलिए भी अहम है क्योंकि हाल ही में खनिज मंत्रालय, भारत सरकार ने सीएसआइआर-एनएमएल को नेशनल क्रिटिकल मिनरल्स मिशन के अंतर्गत सेंटर फॉर एक्सीलेंस के रूप में मान्यता दी है. कार्यक्रम में वैश्विक विशेषज्ञों के प्लेनरी लेक्चर, क्रिटिकल मिनरल के लाभकारी प्रभाव, एक्स्ट्रैक्शन, सेपरेशन, रिसाइकिलिंग , नीति-निर्माण एवं सप्लाई चेन मैनेजमेंट पर तकनीकी सत्र आयोजित होंगे. नवीनतम शोध कार्यों को प्रस्तुत करने के लिए पोस्टर प्रेजेंटेशन एवं उद्योगों की टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी का भी आयोजन होगा.कई केंद्रीय मंत्री भी लेंगे हिस्सा

क्रिटिकल मिनरल्स राष्ट्रीय आर्थिक विकास और सुरक्षा से जुड़ा अहम विषय है. इसलिए प्रौद्योगिकी विकास, मजबूत सप्लाई चेन और नीति-निर्माण की दिशा में यह आयोजन एक महत्वपूर्ण पहल है.

इसे लेकर सीएसआइआर-एनएमएल की ओर से सारी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं. डायरेक्टर डॉ संदीप घोष चौधुरी ने कहा कि इस कार्यक्रम में कई केंद्रीय मंत्री भी हिस्सा लेंगे.

'हिंसा छोड़ मुख्यधारा में लौटें माओवादी'

आत्मसमर्पण करने वाले भूपति की अपने साथियों से अपील

गढ़चिरौली, नवंबर (एजेंसियां)। गढ़चिरौली पुलिस के सामने 14 अक्टूबर को आत्मसमर्पण करने वाले शीर्ष माओवादी मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति ने अपने सक्रिय साथियों से अपील की है कि वे हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हों और आमजन के बीच काम करें।

वीडियो संदेश में भूपति ने अपने और आत्मसमर्पण करने वाली साथी रूपेश के मोबाइल नंबर भी साझा किए ताकि वे माओवादी जो इस प्रतिबंधित आंदोलन को छोड़ने की इच्छा रखते हैं, वह उनसे संपर्क कर सकें।

माओवादी पोलित ब्यूरो और केंद्रीय समिति के सदस्य, केंद्रीय क्षेत्रीय ब्यूरो के सचिव और सीपीआइ (माओवादी) के प्रवक्ता रहे भूपति ने कहा कि सत्ता और भूमि के लिए सशस्त्र संघर्ष में शामिल साथियों को समझना चाहिए कि उनकी कारगुजारियों ने उन्हें लोगों से दूर कर दिया है और यह विफलता का संकेत है।

उन्होंने कहा- "सक्रिय माओवादी को हिंसा का मार्ग छोड़कर आत्मसमर्पण करना चाहिए और लोगों के बीच काम करना चाहिए।"

भूपति ने यह भी आरोप लगाया कि इस प्रतिबंधित संगठन की केंद्रीय समिति ने सशस्त्र संघर्ष को छोड़ने में अनिच्छा दिखाई है।

उन्होंने कहा कि जो लोग उन्हें और अन्य आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को गद्दार कह रहे हैं, वे दुष्प्रचार रहे हैं।

भूपति, जोकि प्रतिबंधित पीपुल्स वॉर ग्रुप के संस्थापक सदस्य हैं, ने 60 कैडरों के साथ आत्मसमर्पण किया था और 54 हथियार सौंपे थे।

इनमें सात एके-47 और नौ इन्सास राइफलें भी शामिल थीं। रूपेश ने 17 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में 200 से अधिक कैडरों के साथ आत्मसमर्पण किया था जोकि राज्य के इतिहास में सबसे बड़ा सामूहिक आत्मसमर्पण है।

कैमरे में कैद हुआ दुर्लभ 'बिल्ली सांप': राशन में था काले-सफेद रंग का सर्प, विलुप्ति की कगार पर है

कोरबा, 2 नवंबर (एजेंसियां)। कोरबा जिला जैव विविधता से परिपूर्ण है, जिस कारण सभी क्षेत्रों में दुर्लभ प्रकार के जीवों के साथ दुर्लभ सांप मिलते हैं। ऐसा ही एक दुर्लभ सांप देखने को मिला मानिकपुर क्षेत्र की जेपी कॉलोनी में स्थित एक घर में। पूर्व पार्षद एवं पार्षद प्रतिनिधि सुशील गर्ग ने वाइल्ड लाइफ रेस्क्यू टीम के प्रमुख जितेंद्र सारथी को सूचना दी कि उनके वार्ड के एक घर में अजीबोगरीब सांप मिला है। जितेंद्र शनिवार रात 9.30 बजे जेपी कॉलोनी निवासी दया शंकर मिश्रा के यहां पहुंचे, जहां राशन सामग्री के बीच एक काले-सफेद रंग का सांप बैठा हुआ था, जो फॉरेस्टन कैट स्नेक प्रजाति का सांप था। इसको स्थानीय भाषा में बिल्ली सांप एवं चिंगराज बोलते हैं। यह सांप कोरबा में पहले भी मिल चुका है, यह सांप हल्का जहरीला होता हैं पर इंसानों के लिए खतरा नहीं होता, फिर उसका सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कर बाहर निकाल लिया गया। सांप के विषय में स्थानीय लोगों को जानकारी दी गई तब जाकर सभी ने राहत भरी सांस ली, फिर उसे सुरक्षित प्राकृतिक स्थान में छोड़ दिया गया। दुकान संचालक दयाशंकर मिश्रा ने बताया कि इस तरह का सांप पहली बार देखने को मिला, जिसका कलर अलग है। जिसे देख कर सूचना स्नेक कैचर को दी गई। जितेंद्र सारथी ने समस्त जिलावासियों से अनुरोध किया है कि कोई भी सांप दिखने पर घबराए नहीं, थोड़ी हिम्मत के साथ धैर्य रखें और हमें सूचना दें।

साथ ही सर्पदंश होने पर तत्काल जिला अस्पताल जाएं, सर्प दंश की सूचना रेस्क्यू टीम को भी देने का आग्रह किया ताकि रेस्क्यू टीम भी समय रहते मदद कुछ कर सके।

दिनदहाड़े गांव में घुसा भालू

मची अफरा-तफरी, वन विभाग अलर्ट

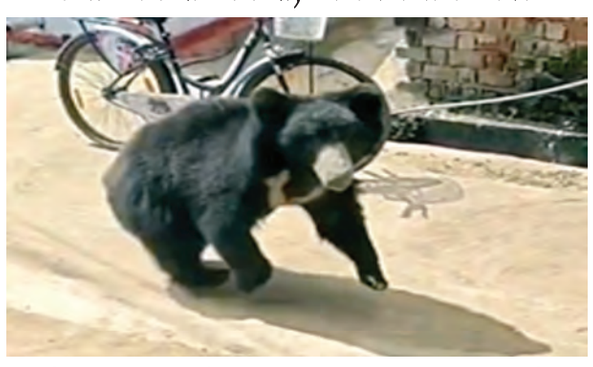

कांकेर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। कांकेर जिले के कोकपुर गांव में रविवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक भालू आबादी वाले इलाके में पहुंच गया। दिनदहाड़े सड़कों पर भालू को घूमते देख ग्रामीणों में दहशत फैल गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें भालू गलियों और सड़कों पर इधर-उधर घूमता दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और भालू की तलाश शुरू कर दी गई है। फिलहाल टीम आसपास के जंगलों और खेतों में भालू की मौजूदगी का पता लगाने में जुटी है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि भालू के पास जाने या उसे उकसाने की कोशिश न करें, और किसी भी तरह की गतिविधि की सूचना तुरंत वन विभाग को दें।

मस्तूरी गोलीकांड: पूर्व कांग्रेस नेता समेत सहयोगी गिरफ्तार

जनपद उपाध्यक्ष को मारने रची थी खौफनाक साजिश

बिलासपुर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। राजनीतिक वर्चस्व और जमीन की लड़ाई के चलते कांग्रेस नेता नीतेश सिंह पर गोली चलाने के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पूर्व कांग्रेस नेता अकबर खान और उसके सहयोगी देवेश सुमन उर्फ निक्कू को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि वारदात से पहले अकबर खान की मुलाकात मास्टरमाइंड विश्वजीत अनंत से हुई थी, जिसमें हमले की साजिश रची थी। पुलिस पूछताछ में अकबर खान की साजिश में सीधी भूमिका उजागर हुई है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने उस मीटिंग का वीडियो फुटेज भी जब्त किया है, जिसमें अकबर खान और विश्वजीत को वारदात से पहले चर्चा करते देखा गया। बताया जा रहा है कि अकबर खान, विश्वजीत के जरिए मस्तूरी क्षेत्र में जमीन कारोबार करता था और कारोबारी व राजनीतिक टकराव ने ही इस पूरे घटनाक्रम को गोलीकांड का रूप दे दिया। 28 अक्टूबर की शाम मस्तूरी जनपद उपाध्यक्ष नितेश सिंह के कार्यालय में नकाबपोशों ने अंधाधुंध फायरिंग की। इस दौरान नितेश के सहयोगी और पूर्व सरपंच चंद्रकांत सिंह तथा राजकुमार सिंह गोली लगने से घायल हो गए। बचाव में नितेश सिंह ने अपने लाइसेंसी पिस्टल से जवाबी फायरिंग की, जिससे हमलावर भाग निकले। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मास्टरमाइंड विश्वजीत अनंत सहित शूटरों को गिरफ्तार किया।

मामले में 9 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पुलिस के अनुसार, कुछ और संदिग्धों की भूमिका जांच के दायरे में है। पुलिस की विशेष टीम इनकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही पूरे षड्यंत्र की परतें पूरी तरह खुल जाएंगी।

मजिस्ट्रेट ऑफिस से पुलिस को चकमा दे हथकड़ी खोलकर भागे 2 बदमाश

बिलासपुर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। शहर के चकरभाठा पुलिस को चकमा देकर दो आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने शनिवार को दो बदमाशों को प्रतिबंधात्मक धाराओं में गिरफ्तार किया था। पुलिस की टीम आरोपियों को लेकर मजिस्ट्रेट के कार्यालय पहुंची थी। तभी जवानों को चकमा देकर बदमाश भाग निकले। इसकी जानकारी मिलते ही जवान सकते में आ गए। जवानों ने आनन-फानन में इसकी जानकारी अधिकारियों को दी। इसके बाद पुलिस की टीम बदमाशों की तलाश में जुट गई है।

चकरभाठा पुलिस ने क्षेत्र के तेलसरा गांव से दो बदमाशों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों को लेकर पुलिस की टीम मजिस्ट्रेट के कार्यालय पहुंची थी। शनिवार को कार्यालय में अधिकारी मौजूद नहीं थे। इसके चलते जवान अधिकारी का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच बदमाशों ने मौके का फायदा उठाकर पुलिस के जवानों को चकमा देकर भाग निकले। इधर बदमाशों के भागने के बाद जवान सकते में आ गए। जवानों ने आनन-फानन में इसकी जानकारी अधिकारियों को दी। इसके बाद थाने से पुलिस बल मौके पर पहुंची। पुलिस की टीम ने आसपास में बदमाशों की तलाश की। साथ ही उनके ठिकानों पर दबिश दी। बदमाशों के स्वजन को भी घटना की जानकारी दी गई है।

आदिवासी परिवार के धर्मांतरण पर समाज के लोगों ने किया विरोध

इलाके में तनाव का माहौल

गोला (रामगढ़), 2 नवंबर (एजेंसियां)। गोला थाना क्षेत्र के तिरला कल्याणपुर गांव में एक आदिवासी परिवार ने ईसाई धर्म अपना लिया है। इससे गांव में तनाव बना हुआ है। बताया गया गांव के परमेश्वर मुंडा व पत्नी पोकली देवी व पुत्र राज मुंडा ने एक माह पहले ईसाई धर्म अपना लिया है। इसकी जानकारी उनके परिवार के अन्य सदस्यों व ग्रामीणों को होने के बाद लोग आक्रोशित हो गए। ग्रामीणों के अनुसार परमेश्वर अपने परिवार के साथ तिरला गांव में रहकर मजदूरी का काम करता है। इस दौरान उनलोगों ने ईसाई धर्म अपना लिया। इसकी जानकारी तब हुई जब परमेश्वर अपने कुल देवता और सरना झंडा को नदी में प्रवाहित कर दिया। मामले को लेकर गांव में कई बार बैठक हो चुकी है। इसमें परमेश्वर व उनके परिवार को बुलाया गया। समाज के लोगों ने परमेश्वर व उसके परिवार से सरना धर्म में लौटने की अपील की। लेकिन परमेश्वर ने पंचों के समक्ष ईसाई धर्म में ही अपना जीवन व्यतीत करने की बात कही। मुखिया पति सचिन दांगी, पूर्व जिप सदस्य गोबिंद मुंडा, रामप्रसाद करमाली, सन्नी देवल महतो ने युवक को काफी समझाया। इनके बातों को सुनने के बाद वह चुपचाप हो गए। बताया गया कि परमेश्वर को इसाई धर्म में शामिल होने से रोग मुक्त जीवन कटने का बात सरला कलां निवासी राम कुमार महली के द्वारा बताया गया।

इससे प्रभावित होकर वह इशाई धर्म अपना लिया। इस संबंध में पूर्व जिप सदस्य गोबिंद मुंडा ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में समाज के लोगों को ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्र में विशेष कानूनों के प्रावधानों के बावजूद जनजातियों को जबरन ईसाई- हिंदू- मुस्लिम में मतांतरण कराना असंवैधानिक है। इस पर प्रशासन को सख्त करवाई करना चाहिए।

वित्त वर्ष 2026 में जीएसटी राजस्व बजट अनुमान से अधिक रहेगा, एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 2 नवंबर (एजेंसियां)। देश की आर्थिक दिशा पर अहम संकेत देते हुए एसबीआई रिसर्च ने कहा है कि वित्त वर्ष 2026 (एफवाई26) में जीएसटी से होने वाली आय सरकार के बजटीय अनुमानों से ज्यादा होगी। रिपोर्ट के अनुसार, राज्यों में कर दरों के पुनर्गठन के बाद भी जीएसटी से होने वाला कुल राजस्व मजबूत स्थिति में रहेगा। यह भारतीय अर्थव्यवस्था में कर प्रणाली की स्थिरता का संकेत देता है।

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि हम अनुमान लगाते हैं कि वित्त वर्ष 2026 में जीएसटी संग्रह बजट में तय अनुमान से अधिक रहेगा। रिपोर्ट ने यह आकलन जीएसटी परिषद द्वारा जारी विकास दर के अनुमानों के आधार पर किया है। इसमें बताया गया कि कर दरों में हालिया पुनर्गठन के बावजूद अधिकांश राज्यों को वित्त वर्ष 2026 में शुद्ध लाभ मिलेगा।

जानें राज्यों की स्थिति

सितंबर 2025 में लागू किए गए जीएसटी दर पुनर्गठन के तहत अब चार स्तर की संरचना लागू है। शून्य प्रतिशत, पांच प्रतिशत, 18 और 40 फीसद। रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र को इस बदलाव से करीब छह प्रतिशत का लाभ होगा, जबकि कर्नाटक को 10.7 फीसद तक की बढ़ोतरी मिलेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि दरों के पुनर्गठन के बाद कुल मिलाकर राज्य नेट गेनर यानी लाभार्थी रहेंगे।

पूर्व आंकड़ों से मिला भरोसा

एसबीआई रिसर्च ने अपने विश्लेषण में जुलाई 2018 और अक्टूबर 2019 के जीएसटी दर संशोधन के अनुभवों को भी जोड़ा है।

रिपोर्ट के अनुसार, दरों में बदलाव के बाद शुरुआती महीनों में तीन से चार प्रतिशत की अस्थायी गिरावट देखने को मिलती है, लेकिन इसके बाद राजस्व में लगातार पांच से छह प्रतिशत मासिक वृद्धि होती है। अनुमान के मुताबिक, यह सुधार सालाना एक लाख करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त आमदनी में बदल सकता है।

मौजूदा जीएसटी आंकड़े

वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2025 में जीएसटी संग्रह 4.6% बढ़कर 1.95 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो पिछले साल इसी महीने में 1.87 लाख करोड़ रुपये था। अप्रैल से अक्टूबर 2025 तक कुल संग्रह नौ प्रतिशत की वृद्धि के साथ 13.89 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया है।

इस अवधि में सेंट्रल जीएसटी, स्टेट जीएसटी और इंटीग्रेटेड जीएसटी सभी में बढ़ोतरी देखी गई, जबकि सेस कलेक्शन में मामूली कमी आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रवृत्ति जारी रही तो आगामी महीनों में सरकार का राजस्व और मजबूत हो सकता है।

जीएसटी दरों में कटौती से अक्तूबर में बिकीं 5.2 लाख+ कारें, यूपीआई से रिकॉर्ड 27.28 लाख करोड़ का लेनदेन

नई दिल्ली, 2 नवंबर (एजेंसियां)। जीएसटी दरों में कटौती ने त्योहारी सीजन में देश के ऑटोमोबाइल बाजार में रफ्तार भर दी। अक्तूबर माह में देश में 5.2 लाख से अधिक कारें बेचकर कंपनियों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। मारुति ने 2,42,096 वाहनों की बिक्री की, जो बीते वर्ष की तुलना में 20 फीसदी अधिक है। नवरात्र से शुरू हुए 40 दिन के त्योहारी सीजन में 5 लाख से अधिक बुकिंग मिलीं, जिनमें से 4.1 लाख कारों की डिलीवरी हुई। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने एसयूवी सेगमेंट में अब तक की सर्वाधिक 71,624 यूनिट की बिक्री दर्ज की, जो बीते साल से 31 प्रतिशत ज्यादा है। टाटा मोटर्स ने भी 61,295 वाहनों की बिक्री के साथ नया रिकॉर्ड बनाया। इसमें से 47,000 से अधिक एसयूवी रहीं, जो बिक्री का 77 फीसदी है। किआ इंडिया ने 30 फीसदी की वृद्धि के साथ 29,556 यूनिट की रिकॉर्ड बिक्री की। टोयोटा मोटर की बिक्री 39 फीसदी बढ़कर 42,892 यूनिट तक पहुंच गई। हालांकि हुंडई मोटर इंडिया की बिक्री मामूली रूप से घटकर 53,792 यूनिट रही।

यूपीआई से रिकॉर्ड 27.28 लाख करोड़ का लेनदेन

त्योहारों में खरीदारी और कारोबार में उछाल से यूपीआई लेनदेन मूल्य और संख्या के लिहाज से अक्तूबर में नए शिखर पर पहुंच गया। इस दौरान 27.28 लाख करोड़ रुपये के 20.7 अरब लेनदेन हुए। यह मूल्य व संख्या के लिहाज से मासिक आधार पर क्रमशः 10 एवं पांच फीसदी अधिक है। सितंबर में 24.9 लाख करोड़ रुपये के 19.63 अरब लेनदेन हुए थे। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के मुताबिक, अक्तूबर में रोज औसतन 66.8 करोड़ यूपीआई लेनदेन हुए, जिनका मूल्य 87,993 करोड़ रुपये रहा।

व्यापार समझौते पर ट्रंप-शी में सहमति आर्थिक सहयोग पर 21 देश राजी

ग्योंगजू, 2 नवंबर (एजेंसियां)। व्यापार युद्ध पर अस्थायी विराम लगाने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग में सहमति बनने के बाद एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने शनिवार को वार्षिक आर्थिक शिखर सम्मेलन का समापन किया। इस दौरान क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग पर जोर देने संबंधी बयान भी जारी किया गया। नेताओं ने आर्थिक सहयोग बढ़ाने व साझा चुनौतियों से निपटने पर चर्चा को लेकर शुक्रवार को अपना वार्षिक शिखर सम्मेलन शुरू किया था।

दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दो दिनों के बाद 'एपेक' नेताओं ने एक साझा बयान में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं (अमेरिका-चीन) के बीच व्यापार तनाव से प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था की साझा चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सहयोग करने का वादा किया। इससे एक दिन पहले ही राष्ट्रपति और चीनी राष्ट्रपति ने व्यापार के मामले में बढ़ता तनाव घटाने के लिए कदम उठाने पर सहमति जताई थी।

ट्रंप-शी सहमति बड़ी राहत

ट्रंप ने एक दिन पूर्व जिनपिंग से हुई मुलाकात में चीन पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) में कटौती की बात कही और बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात की अनुमति देने व अमेरिका से सोयाबीन खरीदने पर सहमति जताई। ट्रंप-शी में बनी सहमति वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए राहत की बात है।

अगले वर्ष शेन्झेन में होगा एपेक सम्मेलन

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शनिवार को घोषणा की कि चीन अगले साल नवंबर 2026 में एपेक आर्थिक नेताओं की बैठक की मेजबानी करेगा। उन्होंने कहा, एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं का 2026 का शिखर सम्मेलन शेन्झेन में आयोजित किया जाएगा। चीन, एपेक शिखर सम्मेलन की पहले भी दो बार मेजबानी कर चुका है। शी ने कहा, चीन में निवेश करना भविष्य में निवेश करना है।

कर्मचारियों के लिए सरकार ने लॉन्च की नई योजना

नई दिल्ली, 2 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने देश के कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार और युवा मामले व खेल मंत्री ने नई दिल्ली में कर्मचारियों भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के 73वें स्थापना दिवस पर 'Employee's Enrolment Scheme-2025' की शुरुआत की। इस योजना का उद्देश्य स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देना और उन कर्मचारियों को कवर करना है जो अब तक भविष्य निधि (ईपीएफ) व्यवस्था से बाहर थे।

श्रम मंत्रालय के अनुसार, इस योजना के तहत नियोक्ताओं को विशेष अवसर दिया गया है कि वे उन पात्र कर्मचारियों को शामिल करें जिन्हें एक जुलाई 2017 से 31 अक्तूबर 2025 के बीच ईपीएफ कवरेज से बाहर रखा गया था। यह योजना एक नवंबर 2025 से 30 अप्रैल 2026 तक यानी छह महीने के लिए खुली रहेगी। इस अवधि में नियोक्ता अपने कर्मचारियों को ईपीएफओ पोर्टल के माध्यम से रजिस्टर करवा सकते हैं और अतीत की अनुपालनों को नियमित कर सकते हैं।

नियोक्ताओं को राहत

मंत्रालय के अनुसार, इस योजना के तहत कर्मचारियों के हिस्से का अंशदान माफ कर दिया गया है, अगर वो पहले नहीं काटा गया था। नियोक्ताओं को केवल अपने हिस्से का योगदान, ब्याज (धारा 7Q के तहत), प्रशासनिक शुल्क और 100 रुपये का प्रतीकात्मक दंड भरना होगा। यह एकमुश्त 100 रुपये प्रति प्रतिष्ठान का जुर्माना तीनों ईपीएफ योजनाओं के लिए पूर्ण अनुपालन माना जाएगा। मंत्रालय ने इसे पारदर्शिता और सरलता बढ़ाने वाला कदम बताया है, जिससे स्वैच्छिक भागीदारी में वृद्धि होगी।

जांच के दायरे में आने वाले प्रतिष्ठानों पर भी मेहरबानी

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि वे प्रतिष्ठान जो धारा 7A, पैरा 26B या पैरा 8 (EPS-1995) के तहत जांच का सामना कर रहे हैं, वे भी इस योजना के तहत आवेदन कर सकते हैं। इन पर केवल नाममात्र का नुकसान शुल्क यानी 100 रुपये का सांकेतिक जुर्माना लगाया जाएगा। ईपीएफओ किसी भी प्रतिष्ठान के खिलाफ सुओ-मोटो कार्रवाई नहीं करेगा, जिससे नियोक्ताओं को राहत मिलेगी और पुरानी गड़बड़ियों को सुधारने का मौका मिलेगा।

सामाजिक सुरक्षा के कि लिए योजना

यह योजना भारत में कार्यबल के औपचारिककरण और सामाजिक सुरक्षा को सशक्त करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। इससे उन लाखों कर्मचारियों को लाभ मिलेगा जो अब तक ईपीएफ व्यवस्था से बाहर थे। सरकार ने कहा है कि यह कदम ₹सोशल सिक्योरिटी फॉर ऑल₹ के लक्ष्य को मजबूत करेगा और हर श्रमिक को भारत की संगठित सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा बनाएगा। इससे पारदर्शिता, जवाबदेही और श्रमिक कल्याण की दिशा में ठोस प्रगति होगी।

अक्तूबर में जीएसटी संग्रह 1.95 लाख करोड़ रुपये पहुंचा, सालाना आधार पर 4.6% की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 2 नवंबर (एजेंसियां)। जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस साल अक्तूबर में कुल जीएसटी संग्रह करीब 1.95 लाख करोड़ रुपये रहा। वहीं पिछले साल इसी महीने यह 1.87 लाख करोड़ रुपये था।

उपकर संग्रह में आई गिरावट

आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर महीने में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी), राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) सभी में वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि उपकर (सेस) संग्रह में गिरावट आई है।

वित्त वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्तूबर) में कुल जीएसटी संग्रह में 9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद से सबसे अधिक है।

वित्त वर्ष 2025 में 22.08 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड सकल संग्रह

भारत की जीएसटी प्रणाली ने 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड सकल संग्रह के साथ एक प्रमुख उपलब्धि हासिल की है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 9.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। औसत मासिक जीएसटी संग्रह 1.84 लाख करोड़ रुपये रहा, जो 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद से सबसे अधिक है।

जीएसटी राजस्व में हुई 0.2 प्रतिशत की वृद्धि

सकल घरेलू राजस्व, जो स्थानीय बिक्री का संकेत है, अक्तूबर में 2 प्रतिशत बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात कर लगभग 13 प्रतिशत बढ़कर 50,884 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, जीएसटी रिफंड भी साल-दर-साल 39.6 प्रतिशत बढ़कर 26,934 करोड़ रुपये हो गया। वहीं शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.69 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

कुछ वर्षों में जीएसटी संग्रह में हुई लगातार वृद्धि

पिछले कुछ वर्षों में जीएसटी संग्रह में लगातार वृद्धि हुई है, जो 2020-21 में 11.37 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 20.18 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो मजबूत आर्थिक गतिविधि और बेहतर अनुपालन को दर्शाता है। हालिया जीएसटी संग्रह भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक दिशा को दर्शाता है। जीएसटी नीति का मार्गदर्शन करने के लिए संविधान के तहत गठित जीएसटी परिषद ने इस प्रणाली को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री करते हैं और इसमें राज्यों के वित्त मंत्री और अन्य प्रमुख अधिकारी शामिल होते हैं। 2016 में अपने गठन के बाद से परिषद ने 55 बैठकें की हैं, जिनमें जीएसटी प्रणाली को सरल और अधिक व्यापार-अनुकूल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

टेक्सटाइल, जेम्स, ज्वेलरी... अमेरिका ने मोड़ा मुंह तो इन देशों ने किया भारत का बाहें खोलकर स्वागत, एक्सपोर्ट में आई तेजी

नई दिल्ली, 2 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से भारत पर टैरिफ लगाया है, अमेरिका को एक्सपोर्ट काफी कम हो गया है। शुरू में माना जा रहा था कि इससे भारत के टेक्सटाइल, जेम्स, ज्वेलरी और सी प्रोडक्ट (समुद्री उत्पाद) पर काफी असर पड़ेगा। लेकिन ऐसा बहुत कम हुआ। अमेरिका ने टैरिफ के जरिए भारत के लिए रास्ते बंद किए तो दूसरे देशों ने भारतीय प्रोडक्ट का स्वागत किया।

भारत के टेक्सटाइल, जेम्स, ज्वेलरी और समुद्री उत्पादों के निर्यात में अमेरिका के अलावा दूसरे देशों में अच्छी बढ़ोतरी देखी गई है। यह जानकारी वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से मिली है। यह दिखाता है कि भारत अपने सामान को अलग-अलग देशों में बेच रहा है, सिर्फ अमेरिका पर निर्भर नहीं है। यूएई, वियतनाम, बेल्जियम और सऊदी अरब जैसे देशों में इन चीजों की मांग बढ़ी है। एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में बढ़ती मांग के कारण इन क्षेत्रों में भारत के निर्यात में अच्छी वृद्धि हुई है।

समुद्री उत्पाद में कितनी तेजी?

आंकड़ों के अनुसार जनवरी से सितंबर 2025 के बीच भारत के समुद्री उत्पादों के निर्यात में पिछले साल की तुलना में 15.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह कुल 4.83 अरब डॉलर रहा। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण अमेरिका के अलावा दूसरे देशों में समुद्री उत्पादों की बढ़ती मांग है।

हालांकि अमेरिका अभी भी समुद्री उत्पादों के लिए सबसे बड़ा बाजार है जहां भारत ने 1.44 अरब डॉलर का निर्यात किया। लेकिन सबसे ज्यादा बढ़ोतरी वियतनाम में 100.4 फीसदी,

बेल्जियम में 73.0 फीसदी और थाईलैंड में 54.4 फीसदी देखी गई। इससे पता चलता है कि भारत अपने समुद्री उत्पादों का व्यापार एशिया और यूरोप के कई देशों में फैला रहा है। चीन में भी 9.8 फीसदी, मलेशिया में 64.2 फीसदी और जापान में 10.9 फीसदी की वृद्धि हुई है।

कपड़ा निर्यात में यहां मारी बाजी

भारत के कपड़ा निर्यात भी पेरू और नाइजीरिया जैसे नए और उभरते बाजारों में अपनी जगह बना रहे हैं। जनवरी से सितंबर 2025 के दौरान, भारत के कपड़ा निर्यात में 1.23 फीसदी की मामूली लेकिन सकारात्मक वृद्धि हुई है। यह कुल 28.05 अरब डॉलर रहा। यह वृद्धि अमेरिका के अलावा दूसरे देशों में अच्छी मांग के कारण हुई है।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में निर्यात में 8.6 फीसदी (136.5 मिलियन डॉलर) की वृद्धि हुई है, जो इसे भारतीय कपड़ों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय केंद्र के रूप में स्थापित करता है। यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और मध्य पूर्व में भी भारतीय कपड़ों की मांग बढ़ रही है। नीदरलैंड में 11.8 फीसदी, पोलैंड में 24.1 फीसदी, स्पेन में 9.1 फीसदी और मिस्र में 24.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

जेम्स और ज्वेलरी की कहां बढ़ी मांग

इस साल की पहली छमाही में भारत के जेम्स और ज्वेलरी (रत्न और आभूषण) निर्यात में भी 1.24 फीसदी की मामूली वृद्धि हुई है, जो कुल 22.73 अरब डॉलर रहा। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) रत्न और आभूषण के लिए सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है, जहां निर्यात में 37.7 फीसदी (1.93 अरब डॉलर) की वृद्धि हुई है।

दक्षिण कोरिया में 134 फीसदी, सऊदी अरब में 68 फीसदी और कनाडा में 41 फीसदी की जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। यह दिखाता है कि उभरते हुए लग्जरी (विलासिता) और निवेश-आधारित बाजारों में भारतीय आभूषणों और कटे-पॉलिश किए गए हीरों की मांग बढ़ रही है।

भारत के बगैर नहीं चलेगा काम... एच-1बी वीजा फीस पर यू-टर्न लेंगे ट्रंप? इस चिट्ठी में बड़ी चेतावनी

नई दिल्ली, 2 नवंबर (एजेंसियां)। एच-1बी वीजा फीस में बेतहाशा बढ़ोतरी के मसले ने तूल पकड़ लिया है। अमेरिका में इस फैसले को लेकर सियासत गरमा गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में एच-1बी वीजा को बढ़ाकर 1,00,000 डॉलर (करीब 88 लाख रुपये) करने का फैसला किया है।

इस पर अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने ट्रंप को चिट्ठी लिखी है। सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से एच-1बी वीजा को लेकर हाल ही में लिए गए फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की है। उनका कहना है कि 1,00,000 डॉलर की नई फीस और अन्य पाबंदियां अमेरिका की तकनीकी बढ़त को घटा सकती हैं। इससे भारत के साथ संबंध भी खराब हो सकते हैं। गुरुवार को भेजे गए पत्र में प्रतिनिधियों जिमी पनेटा, अमी बेरा, सालूड कार्बाजल और जूली जॉनसन ने राष्ट्रपति से 19

सितंबर के उस आदेश को रोकने की मांग की है जिसका शीर्षक है 'कुछ गैर-आप्रवासी श्रमिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध'। यह कदम एच-1बी एप्लिकेशन पर भारी फीस और सीमाएं लगाता है। अमेरिकी सांसदों का कहना है कि इससे देश के इनोवेशन को नुकसान पहुंचेगा।

सांसदों ने लिखा, 'हम H-1B कार्यक्रम को न केवल अमेरिका की अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रतिस्पर्धी लाभ के लिए, बल्कि भारत के साथ हमारे संबंधों के लिए भी महत्वपूर्ण मानते हैं।' उन्होंने चेतावनी दी कि यह नीति उच्च-कुशल विदेशी पेशेवरों को हतोत्साहित कर सकती है। खासकर भारत से। ये पिछले साल एच-1बी वीजाधारकों का 71% थे। पत्र में कहा गया है, 'भारतीय नागरिक सूचना प्रौद्योगिकी (IT) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) में अमेरिका के नेतृत्व के लिए अहम हैं। इनकी एच-1बी में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी है।' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे समय में जब चीन एआई और एडवांस्ड तकनीकों में आक्रामक रूप से निवेश कर रहा है, हमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित करना जारी रखना चाहिए।'

जिमी पनेटा ने जोर दिया कि कार्यक्रम का महत्व श्रम की जरूरतों से कहीं ज्यादा है। उन्होंने कहा, 'एच-1बी वीजा कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण हिस्सा है कि क्यों अमेरिका तकनीकी इनोवेशन में अग्रणी बना हुआ है और एआई में तेज ग्रोथ के साथ इसकी पहले से कहीं ज्यादा जरूरत है।'

सांसदों ने चेतावनी दी कि 100,000 डॉलर की फीस उन स्टार्टअप्स और अनुसंधान संस्थानों को महंगा पड़ेगा जो वैश्विक विशेषज्ञता पर निर्भर हैं। पनेटा ने कहा, 'कार्यक्रम को और बढ़ाया जाना चाहिए, न कि केवल कुछ चुनिंदा निगमों तक सीमित किया जाना चाहिए जो अत्यधिक पैसा दे सकते हैं।' पत्र में राजनयिक निहितार्थों पर भी जोर दिया गया। इसमें कहा गया है कि वीजा पहुंच को कमजोर करने से इंडो-पैसिफिक में प्रमुख भागीदार भारत के साथ अमेरिका के संबंधों को नुकसान पहुंच सकता है।

अमेरकि में भारतीयों के योगदान का जिक्र

सांसदों ने लिखा, 'भारत के मामले में इस प्रतिभा को आकर्षित करने से एक प्रमुख लोकतांत्रिक भागीदार के साथ हमारी रणनीतिक साझेदारी मजबूत होती है।' उन्होंने इस बात पर रोशनी डाली कि कैसे भारतीय-अमेरिकी और एच-1बी वर्कर्स स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं, शिक्षाविदों और नागरिक जीवन में योगदान देते हैं। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, 'एच-1बी कार्यक्रम तक पहुंच बनाए रखना केवल नौकरियां भरने के बारे में नहीं है। यह उन उद्योगों में अमेरिकी नेतृत्व को सुरक्षित करने के बारे में है जो 21वीं सदी में वैश्विक शक्ति को परिभाषित करेंगे।'

यह नया नियम उन लोगों के लिए एक बड़ा झटका है जो अमेरिका में काम करने और इनोवेशन में योगदान करने की उम्मीद करते हैं। भारत जैसे देशों के साथ मजबूत संबंध बनाए रखना अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर जब चीन जैसी शक्तियां तकनीकी क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। एच-1बी वीजा प्रोग्राम हमेशा से अमेरिका की तकनीकी प्रगति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। इसमें किसी भी तरह की कटौती से देश की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने, ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-18**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **17-41**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष सोमवार **03 Nov**
तिथि - त्रयोदशी **04-06** तक उपरान्त चतुर्दशी
नक्षत्र - उतराभाद्रपद **15-05** तक उप रेवती
योग - हर्षण **19-39** तक उप वज्र
करण - कौलव **15-41** तक उप तैतिल
व्रत सोम प्रदोष व्रतं
त्योहार जैनदिवाकर चौथमल जन्म

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य - तुला	में	तुला	05-08 बजे
चंद्र - कुंभ	में	वृश्चिक	07-17 बजे
मंगल- वृश्चिक	में	धनु	09-31 बजे
बुध - वृश्चिक	में	मकर	11-38 बजे
गुरु कर्क	में	कुंभ	13-28 बजे
शुक्र - कन्या	में	मीन	15-06 बजे
शनि मीन	में	मेष	16-42 बजे
राहु कुंभ	में	वृष	18-27 बजे
केतु सिंह	में	मिथुन	20-27 बजे
		कर्क	22-40 बजे
		सिंह	00-52 बजे
		कन्या	02-58 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है। सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल **07-42** से **09-08** तक

पं महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	**06-18 - 07-42** शुभ	चंचल	**17-40 - 19-17** शुभ
काल	**07-42 - 09-08** अशुभ	रोग	**19-17 - 20-51** अशुभ
शुभ	**09-08 - 10-34** शुभ	काल	**20-51 - 22-25** अशुभ
रोग	**10-34 - 11-59** अशुभ	लाभ	**22-25 - 23-59** शुभ
उत्पात	**11-59 - 13-25** अशुभ	उत्पात	**23-59 - 01-34** अशुभ
चंचल	**13-25 - 14-51** शुभ	शुभ	**01-34 - 03-08** शुभ
लाभ	**14-51 - 16-17** शुभ	अमृत	**03-08 - 04-43** शुभ
अमृत	**16-17 - 17-40** शुभ	चंचल	**04-43 - 06-18** शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी । आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे । इसके परिणामस्वरूप आप अपनी संभावनाओं के प्रति अधिक आशावादी भी हो सकते हैं ,किसी भी अवसर के बारे में गहरे से सोचे बिना जोखिम ना उठायें । असावधान रहेंगे तो किसी से मुठभेड़ हो सकती है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें । दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है । केवल सही होना ही काफी नही है,आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप आकर्षण का केंद्र रहेंगे । फोकस का केंद्र रहना आपकी सहज विशेषता है जिसके कारण कई लोग आपसे इर्ष्या करेंगे । जब आप सहज रूप से वर्त्तमान .भूतकाल और भविष्य के बारे में सोचेंगे तो आपको बहुत से अपने जवाब और समाधान मिल जायेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
यह समय दोस्तों के साथ हल्का –फुल्का समय गुजारने के लिए बहुत अच्छा है । कोई पार्टी करें या शाम को मस्ती के साथ गुजरें,आप पार्टी की जान बने रहेंगे । इस दौरान आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिलेंगे जिसकी रुचियाँ आप जैसी होंगी और वो आप जैसे कार्यकलापों का आनंद लेगा । आपको अपनी क्षमता का अनुभव भी होगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपका मूड हल्का फुल्का और नाटकीय बना रहेगा और आज आप हर खुबसूरत चीज से प्रभावित होंगें । इससे आपका कुछ अनावश्यक खर्च भी हो सकता है । आज आप जो भी करेंगे,उसमें सौन्दर्यबोध का काफी असर रहेगा । आज सुन्दरता से सम्बंधित कोई उपचार ले सकते हैं ,पूरे दिन हंसी मजाक वाले मूड में रहेंगे और इससे कार्यस्थल पर भी माहौल खुशनुमा रहेगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं । अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे । लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें । अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें कोई संक्रमण हो सकता है । घर पर रहें और घर का स्वच्छ भोजन करें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा । सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे । खूब प्रशंसा मिलेगी । इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें । इससे आपके सामने नए अवसर खुलेंगे । आप किसी जटिल समस्या में फंस गए लगते हैं।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा । गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे । इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा और आप और स्पष्ट तरीके से सोच और देख पायेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं । कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे । कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें । काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें । आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

नशे पर शिकंजा कसने लगी शिकायत पेटियां

32 थाना क्षेत्रों में 64 पेटियां; बिना नाम बताए दे सकेंगे ड्रग्स की जानकारी

इंदौर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर में ड्रग्स और नशे के खिलाफ पुलिस ने नई रणनीति तैयार की है। इसके तहत पुलिस ने 32 थाना क्षेत्रों में कुल 64 ड्रग्स शिकायत निवारण पेटियां लगाई हैं। इन पेटियों को ऐसी जगहों पर लगाया गया है, जहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा है, ताकि शिकायत दर्ज कराने वाले की पहचान पूरी तरह गुप्त रहे। पुलिस के अनुसार, इन पेटियों से अब तक मिली कुछ शिकायतें सही पाई गई हैं, जिन पर कार्रवाई भी की जा चुकी है। शहर में रोजाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें नशे के कारोबार पर कार्रवाई कर रही हैं।

इसी अभियान को और मजबूत करने के लिए हर थाना क्षेत्र में दो-दो ड्रग्स शिकायत पेटियां लगाई गई हैं। इन पेटियों को ऐसे इलाकों में लगाया गया है, जिन्हें नशे के हॉटस्पॉट के रूप में चिह्नित किया गया था।

इनका उद्देश्य यह है कि लोग बिना डर के गुमनाम रूप से नशे से जुड़ी जानकारी पुलिस तक पहुंचा सकें। एयरपोर्ट, बाजार, हॉटस्पॉट इलाकों और थाना सीमाओं में ये पेटियां सीसीटीवी कैमरे की पहुंच से दूर लगाई गई हैं, ताकि शिकायतकर्ता की पहचान किसी भी स्थिति में उजागर न हो सके। एडिशनल डीसीपी (क्राइम ब्रांच) राजेश दंडोतिया ने बताया कि पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर करीब 15–20 दिन पहले शहर में इन पेटियों की स्थापना की गई थी। इन पेटियों को हर सोमवार एसीपी स्तर के अधिकारी की मौजूदगी में खोला जाएगा।

इस दौरान दो स्थानीय रहवासियों को भी शामिल किया जाएगा और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। पेटियों में प्राप्त शिकायतों की जांच के बाद, दो दिनों के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अनुसूचित जनजातियों पर लागू नहीं होगा हिंदू उत्तराधिकार कानून

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा हाई कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, 2 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अनुसूचित जनजातियों (एसटी) पर हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 लागू नहीं होगा। यह फैसला हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के एक आदेश को पलटते हुए आया है, जिसमें कहा गया था कि राज्य के जनजातीय क्षेत्रों की बेटियों को संपत्ति में अधिकार हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के तहत मिलना चाहिए ताकि उन्हें सामाजिक अन्याय और शोषण से बचाया जा सके। यह मामला तीरथ कुमार बनाम दादूराम 2024 एससीसी ऑनलाइन एससी 3810) से संबंधित था। हिमाचल प्रदेश के सवाड़ा जनजाति समुदाय के एक पारिवारिक विवाद में यह सवाल उठा कि क्या बेटियों को संपत्ति में वही अधिकार मिलेंगे जो हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के तहत मिलते हैं। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि बेटियों को समान अधिकार मिलने चाहिए, क्योंकि समाज को आगे बढ़ाने के लिए कानूनों को समय के साथ विकसित होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को नकारा

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के इस फैसले को अस्वीकार करते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 342 के तहत अनुसूचित जनजातियों की लिस्ट में कोई भी परिवर्तन केवल राष्ट्रपति की अधिसूचना से ही संभव है। अदालत ने कहा कि सवाड़ा जनजाति अभी भी अधिसूचित अनुसूचित जनजाति की लिस्ट में शामिल है और इसे डीनोटिफाई करने का कोई प्रमाण पेश नहीं किया गया है।

कोर्ट ने क्या कहा?

कोर्ट ने यह भी कहा कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 2(2) में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि यह कानून अनुसूचित जनजातियों पर लागू नहीं होता, जब तक कि केंद्र सरकार द्वारा इसके लिए कोई विशेष अधिसूचना जारी न की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारतीय समाज में अनुसूचित जनजातियों की अपनी विशिष्ट संस्कृति, परंपरा और सामाजिक ढांचे हैं। इन समुदायों पर समान रूप से हिंदू कानून थोपना न्यायसंगत नहीं होगा।

अदालत ने यह भी दोहराया कि संविधान के अनुच्छेद 341 और 342 में यह व्यवस्था की गई है कि अनुसूचित जातियों और जनजातियों से संबंधित सूचियों में संशोधन का अधिकार केवल राष्ट्रपति को है, न कि किसी राज्य सरकार या अदालत को। कोर्ट ने कहा, "हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 अनुसूचित जनजातियों पर लागू नहीं होता। यह स्थिति कानून में पूरी तरह स्पष्ट और स्थापित है।"

कार ने बाइक को उड़ाया तीन की मौत, सोनीपत के रहने वाले तीनों मृतक

रोहतक, 2 नवंबर (एजेंसियां)। सोनीपत रोड पर बोहर व भालौठ गांव के बीच कार की टक्कर में बाइक सवार तीन हलवाईयों की मौत हो गई। तीनों सोनीपत के वार्ड नंबर एक के रहने वाले हैं और खरावड़ गांव में बाबा श्याम के भंडारे के कार्यक्रम से लौट रहे थे। आईएमटी थाना पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। साथ ही शवों का पीजीआई में पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। सोनीपत शहर के वार्ड नंबर एक स्थित सुंदर सावरी गौशाला के नजदीक रहने वाले सोनू ने बताया कि उसके पिता ईश्वर सिंह (60) हलवाई का काम करते थे।

साथ में पड़ोस का राहुल (28) व धर्मेंद्र (45) भी साथ मिलकर मिठाई बनाने का ठेका लेते थे। दो दिन पहले तीनों खरावड़ गांव स्थित बाबा श्याम के भंडारे में मिठाई बनाने आए थे। भंडारा खत्म हो गया। इसके बाद बाइक पर सवार होकर तीनों सोनीपत जा रहे थे। जब बोहर गांव से आगे शिव मंदिर के सामने पहुंचे तो पीछे से आ रही कार ने बाइक को टक्कर मार दी।

हाईकोर्ट एडवोकेट का अंगदान पति ने पहनाया मंगलसूत्र

लिवर और 2 किडनियां पहुचीं 3 हॉस्पिटल्स में; गर्भवती होने के दौरान की थी वकालत की पढ़ाई

इंदौर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर में हाईकोर्ट एडवोकेट अभिजीता राठौर (38) के ब्रेन डेड होने के बाद रविवार को उनका अंगदान किया गया। इसके लिए शहर में 65वां ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। इस दौरान उनका लिवर और दोनों किडनियां इंदौर के तीन अस्पतालों में ट्रांसप्लांट के लिए पहुंचाई गईं।

अस्पताल में भावुक दृश्य तब देखने को मिला जब पति प्रवीण राठौर ने पत्नी को अंतिम बार मंगलसूत्र पहनाकर विदाई दी। इसके बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। भाई अभिजीत के अनुसार, अभिजीता को लंग्स में इंफेक्शन के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनके ब्रेन में खून का थक्का जम गया, जिसके चलते डॉक्टरों ने शनिवार को उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया। मुस्कान ग्रुप पारमार्थिक ट्रस्ट के सेवादार जीतू बगानी और संदीपन आर्य ने बताया कि अभिजीता का लिवर सीएचएल हॉस्पिटल, एक किडनी जुपिटर हॉस्पिटल और दूसरी किडनी चोइथराम हॉस्पिटल में ट्रांसप्लांट के लिए भेजी गई। शेष अंगों की एलोकेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अन्य अस्पतालों में भी ट्रांसप्लांट की कार्रवाई की गई।

अभिजीता राठौर ने इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन में इंजीनियरिंग में प्रथम श्रेणी प्राप्त की थी। इंजीनियरिंग के बाद उन्होंने गर्भवती होने के दौरान वकालत की पढ़ाई की और एलएलबी की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने क्रिमिनोलॉजी में एलएलएम की डिग्री भी पूरी की। उनके पति प्रवीण राठौर रेलवे कॉन्ट्रेक्टर हैं। परिवार में बेटी पर्णिका (13) और बेटा अभिरत्न (5) हैं। बड़े भाई अभिजीत सिंह राठौर इंदौर में लोक अभियोजक के पद पर कार्यरत हैं।

अभिजीता ने भाई की मदद से हाई कोर्ट और जिला कोर्ट में वकालत शुरू की और अपनी मिलनसारिता और कानूनी ज्ञान से वकालत क्षेत्र में अलग पहचान बनाई। पिता रतन सिंह राठौर डिप्टी डायरेक्टर, लोक अभियोजन के पद पर कार्यरत रहे और अखिल भारतीय क्षत्रिय राठौर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे। माता गिरिबाला राठौर शिक्षाविद हैं।

अब कुष्ठ के हर मरीज की रिपोर्टिंग अनिवार्य

2027 तक बीमारी खत्म करने का लक्ष्य

मुंबई, 2 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने शनिवार को बड़ा फैसला लेते हुए कुष्ठ को सूचित करने योग्य बीमारी घोषित किया है। अब राज्य में अगर किसी मरीज में कुष्ठ का मामला पाया जाता है, तो उसे अनिवार्य रूप से स्वास्थ्य अधिकारियों को रिपोर्ट करना होगा। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि हर नया लेप्रोसी केस दो हफ्तों के भीतर जिला स्वास्थ्य कार्यालय, स्वास्थ्य सेवाओं के सहायक निदेशक और स्थानीय सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों को रिपोर्ट किया जाना चाहिए।

राज्य सरकार ने बताया कि लेप्रोसी माइकोबैक्टेरियम लेप्राई नामक जीवाणु से होता है और यह एक संक्रामक बीमारी है। अगर इसका इलाज देर से किया जाए, तो यह अंगों में विकलांगता तक पैदा कर सकता है। इसलिए जल्द निदान और समय पर उपचार बेहद जरूरी है। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि महाराष्ट्र को 2027 तक कुष्ठ मुक्त राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

बीजेपी विधायक हंसराज पर युवती ने लगाए गंभीर आरोप, रो-रोकर सुनाई आपबीती

शिमला, 2 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के चुराह से बीजेपी विधायक डॉ। हंसराज एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। एक युवती ने फेसबुक पर लाइव आकर विधायक पर धमकी देने, बदनाम करने और मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। युवती ने अपने लाइव वीडियो में रो-रोकर अपनी बात रखते हुए कहा कि उसे और उसके परिवार को सुरक्षा का खतरा है तथा उसे न्याय चाहिए। युवती ने कहा कि पिछले एक साल से वह लगातार मानसिक तनाव में है। उसने बताया कि विधायक की ओर से उसे कई बार धमकियां दी गईं, जिससे वह डर के साए में जी रही है। भावुक होते हुए युवती ने कहा कि मैं घर से बाहर हूं और परिवार घर में है, लेकिन अब तो वहां भी सुरक्षित महसूस नहीं करती। हंसराज ने मुझे बदनाम कर दिया। जानकारी के लिए बता दें कि यह वही युवती है जिसने पिछले वर्ष अगस्त में विधायक हंसराज पर अश्लील संदेश भेजने और धमकाने के आरोप लगाए थे।

हालांकि बाद में युवती ने शिकायत वापस लेते हुए कहा था कि उसने मानसिक तनाव और किसी के बहकावे में आकर यह कदम उठाया था। उस समय यह मामला खूब चर्चा में रहा था और कांग्रेस ने इसे राजनीतिक मुद्दा बनाते हुए बीजेपी विधायक के खिलाफ प्रदर्शन भी किए थे।

अपने आरोपों में युवती ने यह भी कहा कि विधायक अब यह झूठ फैला रहे हैं कि उसने उनसे एक करोड़ रुपये लेकर मामला रफा-दफा कर लिया। युवती ने इसे पूरी तरह गलत बताया और कहा कि यह झूठ फैलाकर उसकी छवि खराब की जा रही है। उसने चुराह के ही एक अन्य व्यक्ति मुनियान खान पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, इस पूरे मामले पर विधायक डॉ। हंसराज ने भी सोशल मीडिया पर लाइव आकर सफाई दी। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोप झूठे और बेबुनियाद हैं।

उन्होंने कहा कि यह सब मेरी छवि खराब करने और राजनीतिक नुकसान पहुंचाने के लिए रचा गया षड्यंत्र है। मेरे विरोधी चुराह में हो रहे विकास कार्यों को पचा नहीं पा रहे हैं, इसलिए इस तरह की साजिशें रच रहे हैं। बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब हंसराज विवादों में आए हों। इससे पहले भी कई बार उनके नाम राजनीतिक विवादों से जुड़े रहे हैं। वर्तमान में वह बीजेपी के वरिष्ठ नेता हैं और लगातार तीन बार चुराह विधानसभा सीट से जीत दर्ज कर चुके हैं।

तेज रफ्तार एंबुलेंस बनी काल

स्कूटर सवार पति-पत्नी को घसीटते हुए पुलिस चौकी में घुसी, कपल की मौके पर मौत

बेंगलुरु, 2 नवंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु में एक एंबुलेंस और स्कूटर की टक्कर की वजह से दर्दनाक हादसा हुआ है। इस हादसे में स्कूटर सवार पति-पत्नी की मौके पर मौत हो गई है। घटना में 2 लोग घायल भी हुए हैं। करीब 11 बजे शहर के रिचमंड सर्कल इलाके में तेज रफ्तार एम्बुलेंस ने लाल सिग्नल तोड़ते हुए कई दोपहिया वाहनों को टक्कर मार दी।

हादसा इतना भीषण था कि एम्बुलेंस पहले तीन बाइकों से टकराई और फिर एक स्कूटर को कुछ मीटर तक घसीटते हुए पुलिस चौकी से जा टकराई। इस हादसे में स्कूटर पर सवार इस्माइल (40) और उनकी पत्नी समीना बनू की मौके पर ही मौत हो गई। दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें नज़दीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने एम्बुलेंस को उठाने की कोशिश की ताकि गम्भीर रूप से घायल दंपति को एम्बुलेंस के नीचे से निकाला जा सके। इस दौरान घटनास्थल पर लिया गया एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें क्षतिग्रस्त बाइकें और टकराई हुई पुलिस चौकी साफ दिखाई दे रही हैं। विलसन गार्डन ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची, निरीक्षण किया और केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एम्बुलेंस चालक अशोक को हिरासत में ले लिया गया है और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बेंगलुरू में घटी इस घटना से इलाके के लोग दंग रह गए और लोगों का कहना है कि एंबुलेंस चालक को स्पीड लिमिट में ही वाहन चलाना चाहिए था। एक चालक की गलती की वजह से एक कपल की मौत हो गई। इस घटना में जो लोग घायल हैं, उनका हेल्थ अपडेट अभी नहीं मिला है। कहा जा रहा है कि ड्राइवर अगर स्पीड कंट्रोल करके गाड़ी चलाता तो इस तरह के हादसे की नौबत ही नहीं आती।

अरुणाचल में होगा पूर्वी प्रचंड प्रहार अभ्यास सशस्त्र बल करेंगे संयुक्त शक्ति का प्रदर्शन

ईटानगर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के मेचुका में इस महीने भारतीय सशस्त्र बलों का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'पूर्वी प्रचंड प्रहार' आयोजित किया जाएगा। इस त्रि-सेवा युद्धाभ्यास का उद्देश्य थल सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच संचालनिक तालमेल, तकनीकी अनुकूलन और सामरिक समन्वय को मजबूत करना है। यह अभ्यास ऊंचाई वाले दुर्गम क्षेत्रों में आयोजित होगा, जिससे भविष्य की परिस्थितियों के लिए भारतीय सेना की तैयारी को परखा जाएगा। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत के अनुसार, 'पूर्वी प्रचंड प्रहार' एक दूरदर्शी सैन्य अभ्यास है जो बहु-क्षेत्रीय एकीकरण को मान्यता देने के लिए तैयार किया गया है। इसमें थल, वायु और समुद्री मोर्चों पर एक साथ युद्धक क्षमताओं का प्रदर्शन किया जाएगा। इस अभ्यास का मकसद भविष्य के संभावित युद्ध परिदृश्यों में संयुक्त बलों की तत्परता और सटीक प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत करना है।

अभ्यास की सबसे बड़ी खासियत विशेष बलों, मानव रहित प्लेटफॉर्म्स, सटीक प्रणाली और नेटवर्क आधारित ऑपरेशन सेंटरों का समन्वित उपयोग होगा। यह सभी संसाधन एक साथ यथार्थवादी उच्च-ऊंचाई वाले वातावरण में काम करेंगे। इस दौरान विभिन्न परिस्थितियों में कमांड और कंट्रोल स्ट्रक्चर की दक्षता को भी परखा जाएगा ताकि वास्तविक समय में निर्णय लेने की क्षमता को और बेहतर किया जा सके। 'पूर्वी प्रचंड प्रहार' के दौरान सेना की नई तकनीकी क्षमताओं और संशोधित प्रक्रियाओं को भी परखा जाएगा। इससे युद्धक चपलता, त्वरित प्रतिक्रिया और अनुकूलन क्षमता में सुधार होगा।

इस अभ्यास के जरिये यह सुनिश्चित किया जाएगा कि भारतीय सेनाएं हर परिस्थिति में मिशन रेडी रहें और किसी भी आपात स्थिति में संयुक्त रूप से कार्रवाई करने में सक्षम हों। यह अभ्यास भारत की त्रि-सेवा एकीकरण प्रयासों में एक और मील का पत्थर साबित होगा। इससे पहले 'भाला प्रहार' (2023) और 'पूर्वी प्रहार' (2024) जैसे अभ्यास सफलतापूर्वक पूरे किए गए थे। 'पूर्वी प्रचंड प्रहार' इन अभियानों की अगली कड़ी है, जो देश की सीमाओं की सुरक्षा के प्रति सशस्त्र बलों की सामूहिक प्रतिबद्धता और तत्परता को फिर से स्थापित करता है।

15 साल के लड़के ने भाई की हत्या की

गर्भवती भाभी को रेप कर मार डाला गुजरात में खौफनाक वारदात

राजकोट, 2 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के जूनागढ़ से करीब 50 किलोमीटर दूर एक छोटे से गांव में एक 15 साल के लड़के ने अपने बड़े भाई की बेरहमी से हत्या कर दी। इतना ही नहीं उसने अपनी छह महीने की गर्भवती भाभी को भी मौत के घाट उतार दिया। पुलिस के लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने वाले किशोर ने जरा भी पछतावा नहीं दिखाया।

उसने कबूल किया कि जब वह अपने भाई को मार रहा था, तब उसकी भाभी ने रहम की भीख मांगी थी, लेकिन उसने उसकी एक न सुनी और फिर उसने अपनी भाभी के साथ रेप भी किया। 16 अक्टूबर को अंजाम दिए गए इस खौफनाक वारदात का खुलासा शुक्रवार को तब हुआ। जब महिला के बिहार में रहने वाले परिवार वालों को उससे संपर्क नहीं हो पाया और उन्हें कुछ अनहोनी का शक हुआ, तो उन्होंने विसावदर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दंपती के शवों को कब्र से बाहर निकाला। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि लड़का अपने भाई से बेहद नफरत करता था, जो अक्सर उसे पीटता था और मवेशीखाने की देखभाल से कमाए पैसे छीन लेता था।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि लड़के ने स्वीकार किया कि उसने घर में अपने भाई के सिर पर लोहे के पाइप से तब तक वार किया जब तक वह गिर नहीं गया। जब उसकी भाभी ने उसका गुस्सा देखा और दया की भीख मांगी, तो लड़के ने उसके साथ यौन संबंध बनाने की मांग की। महिला के साथ बलात्कार करने के बाद वह डर गया कि कहीं वह चीख न पड़े। उसने उसके पेट पर अपना घुटना रखा और उसका गला घोंट दिया। इस दौरान लड़के की मां ने कथित तौर पर घर के पीछे शवों को दफनाने में उसकी मदद की थी। पुलिस ने उसको भी सबूत मिटाने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पंजाब में नहीं रुक रहे पराली जलाने के मामले, एक दिन में ही आए 442 केस

चंडीगढ़, 2 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब में नवंबर का महीना शुरु होते ही पराली जलाने के मामले तेजी से बढ़ गए हैं। सरकार की तमाम प्रतिबंधों के बाद भी किसान पराली जलाने से नहीं रुक पा रहे हैं। शनिवार को पंजाब में एक ही दिन में पराली जलाने के 442 मामले सामने आए हैं, जोकि इस सीजन में एक दिन में सामने आये मामलों की संख्या के हिसाब से सबसे अधिक हैं। इसके साथ ही पंजाब में पराली जलाने के कुल मामलों की संख्या 2084 हो चुकी है। हालांकि पिछले साल 2024 की तुलना में इस साल के मामलों में करीब 41 फीसद की कमी दर्ज की गई है, पिछले साल 1 नवंबर तक राज्य में 3537 पराली जलाने की घटनाएं सामने आई थी। पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ कार्यवाही भी लगातार जारी है। अब तक 467 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। 555 मामलों में किसानों के जमीन के रेवेन्यू रिकॉर्ड में रेड एंट्री की गई है, जबकि 34.05 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। पंजाब का तरनतारन जिला पराली जलाने के मामलों में टॉप पर है, जहां पर अब तक इस सीजन में 423 मामले सामने आ चुके हैं। जबकि संगरूर में 389 मामले सामने आ चुके हैं। अमृतसर में 212 और फिरोजपुर में 207 मामले सामने आए हैं।

पिछले 14 दिन में ही पंजाब में पराली जलाने के कुल मामलों में से 1784 घटनाएं सामने आई हैं। जिससे सूबे के शहरों का एक्यूआई खतरनाक लेवल तक पहुंच गया है। पंजाब के खन्ना का एक्यूआई 243, भटिंडा का 167, जालंधर का 189, लुधियाना का 177, मंडी गोबिंदगढ़ का 212 और पटियाला का 216 दर्ज किया गया। वहीं राजधानी का एक्यूआई भी लगातार बढ़ गंभीर बना हुआ है। कई नेताओं ने दावा किया है दिल्ली की जहरीली हवा के पीछे पंजाब-हरियाणा में जल रही पराली जिम्मेदार है। दिल्ली में कई क्षेत्रों का एक्यूआई 400 के पार पहुंच चुका है। जिससे लोगों को सांस लेने और आंखों में जलन की परेशानी हो रही है।

'मुझे प्रेग्नेंट करो 25 लाख रुपए दूंगी'

पुणे में प्रेग्नेंसी के नाम पर 11 लाख की ठगी, ठेकेदार को ऐसे लगा चूना

पुणे, 2 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे शहर से धोखाधड़ी की एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां प्रेग्नेंट करने के एवज में 25 लाख देने का वादा कर एक ठेकेदार से 11 लाख रुपये की ठगी गई। पीड़ित व्यक्ति सोशल मीडिया के जरिये आरोपियों के चंगुल में फंसा। उन्होंने उससे रजिस्ट्रेशन फीस, आईडी कार्ड चार्ज और वेरिफिकेशन कराने जैसी तमाम बाते कहकर पैसे ठग लिए। बाद में जालसाजों ने ठेकेदार का मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया। जानकारी के अनुसार, पुणे के एक ठेकेदार ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो देखा। उस वीडियो में एक महिला गंभीर स्वर में कह रही थी कि मुझे एक ऐसे आदमी की जरूरत है, जो मुझे मां बना सके। अगर कोई ऐसे करेगा तो मैं उसे 25 लाख रुपए दूंगी। यह वीडियो देखकर ठेकेदार का लालच जाग गया।

पहले तो उसे कुछ शक हुआ, लेकिन फिर उसने पैसे की उम्मीद में वीडियो में दिख रहे नंबर पर कॉल किया। फोन उठाने वाले व्यक्ति ने खुद को एक गर्भवती महिला से जुड़ा काम करने वाली कंपनी का सहायक बताया। उसने ठेकेदार से कहा कि वह पहले इस काम के लिए कंपनी में पंजीकरण कराने के बाद ही वह उसे पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज देगा। इसके बाद ही असली धोखाधड़ी शुरू हुई। जालसाजों ने अलग-अलग बहाने बनाकर ठेकेदार से पैसे मांगे। रजिस्ट्रेशन फीस, आईडी कार्ड चार्ज, वेरिफिकेशन, जीएसटी, टीडीएस, प्रोसेसिंग फीस समेत हर चीज के लिए पैसे लिए गए। जालसाजों पर विश्वास करके, ठेकेदार ने सितंबर के पहले हफ्ते से 23 अक्टूबर तक 100 से ज्यादा ऑनलाइन ट्रांजेक्शन किए।

'शराब सिर्फ लड़के नहीं, लड़कियां भी पीती हैं' बीजेपी सांसद जनार्दन मिश्रा के बयान पर हंगामा

रीवा, 2 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रीवा से सांसद जनार्दन मिश्रा एक बार फिर अपने विवादित बयान को लेकर चर्चा में आ गए हैं। मध्य प्रदेश के 70वें स्थापना दिवस के मौके पर मऊगंज कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बच्चों को संबोधित किया। इस दौरान मंच से बोलते हुए सांसद ने नशे के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे "ऑपरेशन प्रहार 2.0" अभियान की सराहना की और समाज में नशे के दुष्प्रभावों पर चेताया। इसी दौरान उन्होंने एक ऐसा बयान दे दिया, जिसने उन्हें फिर से विवादों में ला खड़ा किया। सांसद ने कहा कि शराब सिर्फ लड़के नहीं, लड़कियां भी पीती हैं। उनके इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि नशा न तो आईजी रोक सकते है, न एसपी और न ही विधायक।नशा तभी रुकेगा जब माँ बाप बच्चों के साथ बैठेंगे।

सांसद का यह कहना कि अब लड़कियां भी शराब का सेवन कर रही हैं, कई लोगों को आपत्तिजनक लगा। विरोधियों ने इसे महिलाओं के प्रति असंवेदनशील बयान बताया है, वहीं कुछ लोगों का कहना है कि सांसद ने समाज में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताई है।

नशे के खिलाफ समाज की जिम्मेदारी

जनार्दन मिश्रा ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस या प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बच्चों और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खुद पहल करें। हालांकि, लड़कियों को लेकर दिए गए इस बयान ने कार्यक्रम की सकारात्मक मंशा पर विवाद की छाया डाल दी है, और अब सोशल मीडिया पर उनके बयान को लेकर बहस तेज़ हो गई है।

'लाडो लक्ष्मी योजना निकली लाडो छलावा योजना'

अनुराग ढांडा ने उठाए पहली किस्त पर सवाल

चंडीगढ़, 2 नवंबर (एजेंसियां)। अनुराग ढांडा ने दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की पहली किस्त पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले भाजपा ने हरियाणा की हर महिला को 2100 रुपये महीना देने का वादा किया था, लेकिन अब जब योजना शुरू हुई है, तो हकीकत यह है कि 1.4 करोड़ महिलाओं में से सिर्फ 3.73 प्रतिशत के खाते में पैसा आया है। यानी 96.27 प्रतिशत महिलाएं ठगी गई हैं। भाजपा ने 'हर महिला' को वादा किया था, लेकिन अब बीजेपी सरकार जानबूझकर 'हर शर्त' थोप रही है।

ढांडा ने कहा कि सरकार ने ऐसी-ऐसी शर्तें लगा दी हैं कि ज्यादातर महिलाएं अपने आप बाहर हो गईं। परिवार की सालाना आय 1 लाख रुपये से कम होनी चाहिए। उम्र 23 साल से ज्यादा होनी चाहिए और अगर किसी महिला के पति हरियाणा के बाहर के हैं या घर में कोई पहले से पेंशन ले रहा है, तो वो भी योजना से बाहर है। गरीब घर की लड़कियां, कॉलेज जाने वाली युवतियां, नई बहुएं और विधवा महिलाएं सब इससे बाहर कर दी गईं।

ट्रंप प्रशासन में नस्लीय हमले तेज

मंदिरों और भारतवंशियों को बनाया जा रहा निशाना; एच-1बी वीजा पर भी धमकियां

वॉशिंगटन, 2 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के दूसरे कार्यकाल में भारतवंशियों के खिलाफ हेट क्राइम के मामले बढ़े हैं। अक्टूबर 2025 तक ट्रोलिंग के मामलों में 91 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वीजा और माइग्रेंट मामलों पर बहस के बाद 'नौकरियां छीनने' की धमकियां बढ़ीं। ट्रंप ने एच-1बी वीजा शुल्क शुल्क बढ़ाकर भारतीयों के डिपोर्टेशन से माहौल भड़काया। दरअसल, अमेरिका में बाइडेन कार्यकाल में दक्षिण एशियाई मूल के लोगों के खिलाफ ऑनलाइन नफरत व हिंसा सीमित रही। अक्टूबर 2024 तक 46,000 ट्रोलिंग और 884 धमकियां दर्ज हुईं। जबकि ट्रंप के लौटते ही माहौल बिगड़ गया। एक साल में यानी अक्टूबर 2025 तक ट्रोलिंग बढ़कर 88,000 तक पहुंच गई। यानी ट्रंप सरकार में ट्रोलिंग के मामलों में 91 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। नस्लभेद का यह ट्रेंड पूरे दक्षिण एशियाई समुदाय को निशाना बना रहा है। सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ ऑर्गनाइज्ड हेट की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर में वीजा और माग्रेंट मामले में ट्रम्प-मस्क-रामास्वामी बहस के बाद 76 प्रतिशत धमकियां 'नौकरियां छीनने' से जुड़ी रहीं।

इस दौरान ट्रंप प्रशासन के एच-1बी वीसा शुल्क बढ़ाने और 104 भारतीयों को डिपोर्ट करने के फैसले ने माहौल को और खराब कर दिया। इससे टेक्सास, वर्जीनिया और कैलिफोर्निया में गोलीबारी और मंदिरों पर हमलों में वृद्धि आई है। वहीं, बीते कुछ महीनों में नस्लभेदी पोस्ट्स में भी तेजी देखने को मिला है।

दक्षिण एशियाई समुदाय को बना रहा निशाना

सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ ऑर्गनाइज्ड हेट की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में बढ़ते नस्लभेद का यह ट्रेंड केवल भारतीयों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई समुदाय को निशाना बना रहा है। अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में प्रवासियों के खिलाफ जो वैश्विक नाराजगी बढ़ी है।

नस्लभेदी ट्रेंड दुनियाभर में उभर रही दक्षिणपंथी राजनीति का अहम हिस्सा बन चुकी है। इधर अमेरिका में एच-1बी वीजा को लेकर ट्रेंड भी गुस्सा को बढ़ा रहा है। दक्षिणपंथी समूहों का आरोप है कि भारतीय 'कम योग्य' होते हुए भी अमेरिकी नागरिकों के हक की नौकरियां छीन रहे हैं। यही वजह है कि यहां सोशल मीडिया पर 'भारतीयों को देश से निकालो' जैसे नारों में इजाफा हुआ। ट्रंप की जीत की बाद से श्वेत वर्चस्ववादी गतिविधियां चरम पर पहुंच गई है।

इन भारतीयों को बनाया गया निशाना

इसी साल फरवरी 2025 में वर्जीनिया में एक भारतीय-अमेरिकी कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके कुछ दिन बाद मार्च 2025 में एक किराना स्टोर पर हुए हमले में पिता-पुत्री की जान चली गई। इसके अलावा सितंबर 2025 में टेक्सास के डलास में दो छात्रों और श्रमिकों की हत्या कर दी गई। इसके अलावा हाल ही में चंद्रमौली नागमल्लैया की सिर काटकर हत्या ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया। अक्टूबर 2025 में पेंसिल्वेनिया के पिट्सबर्ग में एक मोटेल पर गोलीबारी में भारतीय मूल के मालिक और कर्मचारियों को निशाना बनाया गया।

पश्चिमी केन्या की रिफ्ट घाटी में भीषण लैंडस्लाइड से 1000 मकान तबाह, 21 लोगों की मौत और 30 लापता

नैरोबी, 2 नवंबर (एजेंसियां)। केन्या के पश्चिमी रिफ्ट घाटी क्षेत्र में हुए भीषण भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है। इस लैंडस्लाइड के कारण कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य लोग लापता हो गए हैं। इस क्षेत्र में पिछले कई दिनों से भारी बारिश हो रही थी। पश्चिमी केन्या के एल्गेयो मारक्वेट काउंटी के चेसोनगोच के पहाड़ी इलाके में भूस्खलन हो गया। इस दौरान 1,000 से अधिक मकान पूरी तरह से नष्ट हो गए। इससे हाहाकार मच गया। सरकार ने गंभीर रूप से घायल 30 लोगों को हवाई मार्ग से एल्डोरेट शहर के एक अस्पताल में भेजा।

एक स्थानीय निवासी स्टीफन किटनी ने 'सिटीजन टेलीविजन स्टेशन' को बताया कि उन्होंने एक तेज आवाज सुनी और तुरंत अपने बच्चों के साथ घर से बाहर दौड़ गए। भारी बारिश के बावजूद, बचाव कार्य जारी रहा मलबे में फंसे लोगों की तलाश में लगी रही। चेसोनगोच के पहाड़ी इलाके में भूस्खलन एक सामान्य घटना बन चुकी है, जहां पहले भी 2010 और 2012 में अलग-अलग घटनाओं में दर्जनों लोग मारे जा चुके हैं।

लंदन आने वाली ट्रेन में कई लोगों पर चाकू से हमला

10 लोग घायल, 2 संदिग्ध गिरफ्तार

लंदन, 2 नवंबर (एजेंसियां)। लंदन जाने वाली एक ट्रेन में कई लोगों पर चाकू से हमला हुआ है। इस हमले में 10 लोगों के घायल होने की खबर है और उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया है। इस घटना में 2 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, ये ट्रेन डॉनकास्टर से लंदन किंग्स क्रॉस जा रही थी। ब्रिटिश ट्रांसपोर्ट पुलिस ने एक्स हैंडल पर इस घटना की जानकारी दी है और बताया, ₹हम वर्तमान में हंटिंगडन जाने वाली एक ट्रेन में हुई एक घटना पर कार्रवाई कर रहे हैं, जहां कई लोगों को चाकू मारा गया है।

दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ट्रांसपोर्ट पुलिस ने पुष्टि की कि ट्रेन उत्तर-पूर्व में डोनकास्टर से लंदन के किंग्स क्रॉस स्टेशन तक जा रही थी, जो अक्सर यात्रियों से भरा एक व्यस्त मार्ग होता है। उसने एक आदमी को बड़े चाकू के साथ देखा और हर जगह खून ही खून था क्योंकि लोग शौचालयों में छिप गए थे। कुछ यात्री भागने की कोशिश कर रहे थे और दूसरों द्वारा कुचले जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने स्काई न्यूज़ को बताया कि उन्होंने ट्रेन रुकने के बाद प्लेटफ़ॉर्म पर एक आदमी को बड़ा चाकू पकड़े देखा।

फिर उन्होंने देखा कि पुलिस ने उस आदमी को टेज़र से मारा और उसे रोक लिया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि यह भयावह घटना बेहद चिंताजनक है। स्टारमर ने एक्स पर एक बयान में कहा, मेरी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं, और आपातकालीन सेवाओं को उनकी प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद। इलाके में मौजूद किसी भी व्यक्ति को पुलिस की सलाह माननी चाहिए। इस घटना के सामने आने के बाद लंदन में हड़कंप मचा हुआ है और लोग हैरान हैं कि आखिर चाकू से इतने ज्यादा लोगों को बेवजह नुकसान पहुंचाने के पीछे की क्या वजह हो सकती है।

पासपोर्ट नहीं दे रहा कफील

सऊदी अरब में कफाला सिस्टम खत्म लेकिन भारतीयों का संकट नहीं, बताया दर्द

रियाद, 2 नवंबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब की सरकार ने बीते महीने एक अहम फैसले में कफाला सिस्टम को खत्म कर दिया है। इसे विदेशी कामगारों के लिए एक बड़ी राहत की तरह देखा गया है। कई एक्सपर्ट ने कफाला को गुलामी जैसी व्यवस्था बताते हुए सऊदी के इस कदम की तारीफ की। हालांकि कफाला सिस्टम के खत्म होने के बावजूद भारतीय कामगारों की चिंता बनी हुई है, जो सऊदी में काम करने वाले विदेशियों का एक बड़ा हिस्सा हैं। इस चिंता की वजह इस बदलाव का जमीन पर ना उतर पाना है। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब ने अपनी 75 साल पुरानी कफाला प्रायोजन प्रणाली को खत्म करते हुए विजन 2030 के तहत एक नया रोजगार अनुबंध शुरू किया है। इसके बावजूद 26 लाख भारतीयों सहित लाखों कम वेतन वाले प्रवासियों के लिए चिंता कम नहीं हो रही है। दरअसल कागज पर घोषित ये स्वतंत्रता अभी तक जमीन पर नहीं पहुंची पाई है।

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक छोटा वीडियो सामने आया था, जिसमें एक आदमी भोजपुरी में बात कर रहा था। उसके पीछे एक ऊंट और रेगिस्तान को देखा जा सकता है। इस क्लिप में वह मदद की गुहार लगाते हुए कह रहा था कि उसे सऊदी अरब में उसकी इच्छा के विरुद्ध रखा गया है। इस शख्स को उसका कफील (नियोक्ता) वापस नहीं जाने दे रहा है। वीडियो में यह शख्स कह रहा है, 'मेरा गांव इलाहाबाद में है। मैं सऊदी अरब आया था। अब मेरे कफील ने मेरा पासपोर्ट रख लिया है। मैंने उससे कहा कि मुझे घर जाना है लेकिन वह मेरा पासपोर्ट नहीं दे रहा और मुझे जान से मारने की धमकी दे रहा है। मेरी मदद करें, वरना मैं यहीं मर जाऊंगा।' इस वीडियो से पता चलता है कि कफाला अभी जमीन पर खत्म नहीं हुआ है।

अरब देशों में बीते कई दशकों से कफाला सिस्टम भारतीयों के लिए बड़ी परेशानी का सबब रहा है। इसकी वजह से अरब में काम करने के लिए जाने वाले लाखों भारतीयों को मूल मानवाधिकारों से वंचित होना पड़ता है। कफाला में कामगारों को अरब देशों में बंधक की तरह रहने पर मजबूर कर देता है।

कौन हैं रॉब जेटन जो बन सकते हैं दुनिया के पहले गे पीएम, पिछले साल की पार्टनर से सगाई

एम्सटर्डम, 2 नवंबर (एजेंसियां)। नीदरलैंड्स में डच सेंट्रिस्ट पार्टी डी66 के नेता रॉब जेटन इतिहास रचने वाले हैं। 38 साल की उम्र में वो देश के सबसे युवा और पहले खुले तौर पर गे प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। 29 अक्टूबर को हुए आम चुनाव में उनकी पार्टी ने जीत हासिल की है। रॉब जेटन ने पत्रकारों से कहा, मैं बेहद खुश हूं कि हम इस चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बन गए हैं। डी66 के लिए यह ऐतिहासिक परिणाम है।

साथ ही मुझे बहुत बड़ी जिम्मेदारी का एहसास हो रहा है। हालांकि, मुकाबला कड़ा था, जेटन ने एंटी-इस्लाम पॉपुलिस्ट गीर्ट वाइल्डर्स से जीत हासिल की है। वाइल्डर्स ने इस चुनाव में आव्रजन-विरोधी नीतियों को बढ़ावा दिया था और कुरान पर प्रतिबंध लगाने की मांग भी की थी। हालांकि, आधिकारिक परिणाम सोमवार, 3 नवंबर को घोषित किए जाएंगे, जब विदेश में रह रहे डच नागरिकों के डाक मतपत्र भी गिने जाएंगे।

सिर्फ दो सालों से भी कम समय में जेटन ने अपनी पार्टी को पांचवें स्थान से डच राजनीति के टॉप पर पहुंचा दिया। उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के नारे हाँ, हम कर सकते हैं से प्रेरणा लेकर यह संभव है) का नारा दिया और अपने अभियान में पॉजिटिव मैसेज दिया। उन्होंने वाइल्डर्स पर समाज में विभाजन फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने एएफपी से कहा, हमने एक बहुत ही सकारात्मक अभियान चलाया क्योंकि हम पिछले कुछ वर्षों में नीदरलैंड में फैले नेगिटिव माहौल को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं नीदरलैंड को यूरोप के केंद्र में वापस लाना चाहता हूं, क्योंकि यूरोपीय सहयोग के बिना हम कहीं नहीं हैं।

कौन हैं रॉब जेटन?

रॉब जेटन का जन्म 25 मार्च 1987 को नीदरलैंड के दक्षिणी प्रांत ब्राबांट के एक छोटे से शहर में हुआ था। उन्होंने कम उम्र में ही खुद को समलैंगिक के रूप में स्वीकार किया। आगे चलकर उन्होंने रैडबाउड यूनिवर्सिटी से लोक प्रशासन में ग्रेजुएशन और मास्टर्स की डिग्री हासिल की। बहुत छोटी उम्र से ही जेटन राजनीति में एक्टिव हो गए थे। 2017 में वो डी 66 पार्टी के सबसे युवा सांसद बने और बाद में पूर्व प्रधानमंत्री मार्क रुट्टे की सरकार में एक प्रभावशाली जलवायु मंत्री के रूप में काम किया। जेटन के निजी जिंदगी की बात करें तो उनकी लव लाइफ किसी से छिपी नहीं है। वो अपने पार्टनर ओलंपियन निको कीनन को डेट कर रहे हैं। दोनों ने पिछले साल सगाई की। 26 नवंबर 2024 को इस जोड़े ने इंस्टाग्राम पर अपनी सगाई की घोषणा की और कैप्शन लिखा जल्द ही मिस्टर और मिस्टर बनने वाले हैं।।

कैसे हुई दोनों की मुलाकात?

कीनन 28 वर्षीय प्रोफेशनल हॉकी खिलाड़ी हैं, जो अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स से हैं। दोनों की मुलाकात तब हुई जब वो एक ही मोहल्ले में रहते थे। जेटन ने लिंडा पत्रिका को बताया कि 2022 की गर्मियों में किसान प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा कारणों से उन्हें अपना निवास छोड़ना पड़ा और उसी दौरान वो एक नए इलाके में रहने लगे जहां निको भी रहते थे। वहीं दोनों की पहली मुलाकात हुई और दोनों को कुछ ही समय में एक कनेक्शन महसूस हुआ। साथ ही दोनों की अब शादी की खबरें भी तेज हैं।

मेक्सिको के सुपरमार्केट में धमाके के बाद लगी आग कम से कम 23 लोगों की मौत, 11 अन्य घायल

मेक्सिको, 2 नवंबर (एजेंसियां)। मेक्सिको के उत्तर-पश्चिमी राज्य सोनारा की राजधानी हर्मोसिल्लो में एक स्टोर में भीषण आग और विस्फोट की घटना हुई, जिसमें कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई, जिनमें कई बच्चे भी शामिल हैं, जबकि 12 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह हादसा शहर के डाउनटाउन इलाके में स्थित वाल्डोज स्टोर में हुआ। सोनारा के गवर्नर अल्फोंसो दुराजो ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए एक वीडियो में इस घटना की पुष्टि की और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई।

राज्य के अटॉर्नी जनरल गुस्तावो सालास चावेज ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि मौतें विषाक्त गैसों के सांस द्वारा सेवन के कारण हुई हैं। उन्होंने कहा फिलहाल ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है जिससे लगे कि आग जानबूझकर लगाई गई थी, हालांकि किसी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। घटना के बाद 12 घायलों को हर्मोसिल्लो के छह अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

अमेरिका का कैरेबियन सागर में फिर हमला

तीन कथित ड्रग तस्कर ढेर; सितंबर से अब तक 15वीं कार्रवाई

वॉशिंगटन, 2 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना ने कैरेबियन सागर में एक और सैन्य हमला किया है, जिसमें तीन कथित ड्रग तस्कर मारे गए हैं। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को सोशल मीडिया पर इस कार्रवाई की जानकारी दी। हेगसेथ ने बताया कि यह नाव एक ऐसे संगठन से जुड़ी थी जिसे अमेरिका ने पहले ही आतंकवादी घोषित किया हुआ है, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि किस समूह को निशाना बनाया गया।

यह सितंबर की शुरुआत से अब तक अमेरिकी सेना का 15वां हवाई हमला है, जो कैरेबियन सागर या पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में ड्रग तस्करों पर किया गया है। उन्होंने अपने बयान में कहा यह नाव हमारी खुफिया जानकारी के अनुसार मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल थी और एक ऐसे मार्ग से गुजर रही थी, जो ड्रग तस्करी के लिए कुख्यात है। इस पर बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ मौजूद थे। अब तक इन अभियानों में कम से कम 64 लोगों की मौत हो चुकी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन हमलों को जायज ठहराते हुए कहा है कि यह कदम अमेरिका में ड्रग्स की आपूर्ति रोकने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अब ड्रग कार्टेल्स के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष में है- ठीक उसी कानूनी अधिकार के तहत, जो 9/11 के बाद आतंकवाद के खिलाफ युद्ध के लिए इस्तेमाल किया गया था। इन हमलों के बीच ट्रंप प्रशासन ने क्षेत्र में युद्धपोतों की संख्या बढ़ा दी है, जिससे यह अभियान और भी तीव्र हो गया है।

इस बीच, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अमेरिकी कार्रवाइयों की निंदा करते हुए कहा है कि यह सैन्य अभियान उनके शासन को अस्थिर करने का एक छिपा हुआ प्रयास है। हालांकि, अब तक ट्रंप प्रशासन यह साबित नहीं कर पाया है कि जिन नावों को निशाना बनाया गया, वे वास्तव में ड्रग कार्टेल से जुड़ी थीं या मारे गए लोगों की पहचान क्या थी।

ट्रंप प्रशासन के इस अभियान को लेकर अमेरिका के भीतर भी विरोध बढ़ा है। डेमोक्रेटिक सांसदों ने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति ट्रंप बिना कांग्रेस की मंजूरी के सैन्य कार्रवाई कर रहे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। सीनेट की सशस्त्र बल समिति के सदस्य रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कहा कि इस तरह से सैन्य क्षेत्र का विस्तार करना लापरवाही है। यह अमेरिकी सेना का राजनीतिक इस्तेमाल है। हालांकि, ट्रंप ने साफ कहा कि हम युद्ध की घोषणा नहीं कर रहे। जो लोग हमारे देश में ड्रग्स ला रहे हैं, हम उन्हें खत्म कर देंगे। रिपब्लिकन बहुमत वाली सीनेट ने हाल ही में डेमोक्रेट्स के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिसमें राष्ट्रपति को भविष्य की किसी भी सैन्य कार्रवाई से पहले कांग्रेस की अनुमति लेने की आवश्यकता बताई गई थी। ट्रंप ने ड्रग्स तस्करों को अवैध लड़ाके घोषित करते हुए कहा कि अमेरिका अब उनसे सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है।

चीन ने ताइवान में फिर की घुसपैठ की कोशिश 8 युद्धपोत और 5 लड़ाकू विमान सीमा पर एक्टिव

ताइपे, 2 नवंबर (एजेंसियां)। ताइवान में चीन घुसपैठ की कोशिश करता रहता है। चीन की इस हरकत का ताइवान ने काफी बार शिकायत की है। एक बार फिर से चीन ने ताइवान में घुसपैठ की कोशिश की है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने अपने क्षेत्र के आसपास चीनी सैन्य गतिविधियों में बढ़ोतरी की सूचना दी है। स्थानीय समय के अनुसार, सुबह 6 बजे तक छह पीएलए विमानों और आठ पीएलएएन जहाजों ने उड़ान भरी। एक्स पर किए पोस्ट में ताइवान के रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने कहा कि पांच में से तीन उड़ानें मध्य रेखा को पार कर देश के पूर्वी और दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गईं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) के अनुसार, आज सुबह 6 बजे (यूटीसी+8) तक ताइवान के आसपास पीएलए विमानों और 8 प्लान जहाजों की 6 उड़ानें देखी गईं।

इनमें से 3 उड़ानें मध्य रेखा को पार करके ताइवान के पूर्वी और दक्षिण-पश्चिमी एडीआईजेड में प्रवेश कर गईं। सेनाओ ने स्थिति पर नजर रखी है और कार्रवाई भी की है। चीन की लगातार घुसपैठ की कोशिशों का मुकाबला करने के लिए ताइवान अपने सैन्य और राष्ट्रीय सुरक्षा ढाँचे की गहन समीक्षा और सुधार कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, कार्यकारी युआन के महासचिव जेवियर चांग ने चीन से बढ़ते सुरक्षा खतरों के प्रति सरकार की मजबूत प्रतिक्रिया पर प्रकाश डाला।

चांग ने बताया कि यह पहल राष्ट्रपति विलियम लाइ की मार्च में घोषित 17-सूत्रीय राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य ताइवान को उसकी संप्रभुता को कमजोर करने, उसकी सेना में घुसपैठ करने, जनमत को प्रभावित करने और युवा ताइवानियों और व्यवसायों को पुनर्मिलन की ओर आकर्षित करने के चीन के बढ़ते अभियान से बचाना है। यह रणनीति चीनी हस्तक्षेप के सभी संभावित रास्तों को बंद करने के लिए व्यापक विधायी और प्रशासनिक उपायों पर जोर देती है।

120 प्रमुख कार्यों की पहचान

कार्यकारी युआन ने 120 प्रमुख कार्यों की पहचान की है, जिनमें संशोधन या नए कानून बनाने के लिए निर्धारित 21 कानून शामिल हैं। इनमें अर्थव्यवस्था, समाज और राष्ट्रीय सुरक्षा के लचीलेपन को मज़बूत करने पर विशेष कानून, साइबर सुरक्षा प्रबंधन अधिनियम में संशोधन और औद्योगिक नवाचार कानून शामिल हैं। ये विधायी कदम बढ़ते क्षेत्रीय तनावों के बीच आर्थिक और रक्षा लचीलेपन को मज़बूत करने के ताइवान के दृढ़ संकल्प को दर्शाते हैं।

मिस्र में दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम खुला

3000 साल पुरानी तूतनखामेन की कब्र रखी गई; खोजने वाले 5 लोग रहस्यमयी मौत मरे

काहिरा, 2 नवंबर (एजेंसियां)। मिस्र में गीजा के पिरामिडों के पास दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम ग्रैंड इजिप्शियन शनिवार को आम जनता के लिए खोल दिया है। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी के साथ दुनिया के कई देशों के नेता उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए। इसे बनाने में करीब 1 अरब डॉलर से ज्यादा की लागत आई है।

ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम (जीईएम) की सबसे बड़ी खासियत बॉय किंग तूतनखामेन की कब्र है। 1922 में ब्रिटिश पुरातत्वविद हावर्ड कार्टर ने यह कब्र खोजी थी। इसमें 5500 से अधिक वस्तुएं मिली थीं। अब पहली बार यह सब एक ही स्थान पर आम दर्शकों के लिए रखी जा रही हैं। तूतनखामेन सिर्फ 9 साल की उम्र में मिस्र की सत्ता पर काबिज हो गया था और 18-19 वर्ष की आयु में उसकी मृत्यु हो गई थी। उसका शासनकाल 1332–1323 ईसा पूर्व था।

तूतनखामेन की कब्र का ताला 26 नवंबर 1922 को हावर्ड कार्टर ने तोड़ा था। ब्रिटिश लॉर्ड कार्नार्वन ने 3000 साल पुरानी इस कब्र खोजने में लाखों पाउंड खर्च किए थे। ताला टूटने के बाद सबसे पहले वे ही अंदर गए। कब्र के प्रवेश द्वार पर कोई शिलालेख नहीं मिला, लेकिन स्थानीय मजदूरों ने फुसफुसाया कि कि जो राजा की नींद तोड़ेगा, मौत उसके पंखों से आएगी। लगभग 5 महीने बाद 5 अप्रैल 1923 को लॉर्ड कार्नार्वन की रहस्यमयी मौत हो गई।

करीब सुबह 6 बजे लॉर्ड कार्नार्वन की चीखें होटल के हॉल में गूंजीं। उसी रात 1:55 बजे काहिरा शहर में अचानक बिजली गुल हो गई थी। लेकिन सबसे चौंकाने वाली खबर इंग्लैंड से आई। हैम्पशायर में लॉर्ड की पालतू कुत्ती 'सूसी' ने तीन बार भौंका और मर गई। कार्नार्वन के अलावा 4 लोग और मारे गए। इनमें शामिल थे मई 1923 में एक अमेरिकी अरबपति जॉर्ज गोल्ड कब्र देखकर लौटे और उनकी टाइफाइड से मरे। सितंबर 1923 में लॉर्ड कार्नार्वन के सौतेले भाई ऑब्रे हर्बर्ट की सेप्सिस से मौत हो गई।

सौरमंडल में घुसा रहस्यमयी टाइम ट्रैवेलर, अरबों साल की नींद टूटी तो चल पड़ा धरती के पास, वैज्ञानिक भी चौंक गए!

वॉशिंगटन, 2 नवंबर (एजेंसियां)। वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष में एक ऐसी चीज दिखी है, जो उन्हें बेचैन कर रही है। यह एक अरबों साल पुराना धूमकेतु है, जो इसी साल गर्मियों में हमारे सौरमंडल में दाखिल हुआ है। इसका नाम 3आई/एटलस है। खास बात ये है कि यह इंटरस्टेलर कॉमेट है, यानि यह हमारे सौरमंडल से नहीं, बल्कि किसी दूसरे तारामंडल से आया हुआ रहस्यमय मेहमान है। यह अब तक ज्ञात सिर्फ तीसरा ऐसा अंतरतारकीय पिंड है,जो हमारे सौरमंडल में प्रवेश कर पाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इस धूमकेतु की सबसे अनोखी बात यह है कि इसमें निकेल गैस पाई गई है – जबकि यह धूमकेतु सूर्य से इतनी दूर है कि वहां धातु सामान्य रूप से वाष्पित नहीं हो सकती। चिली की पोंटिफिशिया यूनिवर्सिटी के रिसर्चर रोहन रहाटगांवकर और थॉमस पुजिया ने बताया कि जब उन्होंने चिली के बड़े टेलिस्कोप से धूमकेतु का अध्ययन किया, तो धीरे-धीरे निकेल गैस का स्तर बढ़ता हुआ दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि डेटा देखकर तुरंत समझ आ गया कि यह निकेल है और यह बेहद रोमांचक खोज है। मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के खगोलशास्त्री डैरिल सेलीगमैन, जो इस शोध का नेतृत्व कर रहे हैं, का कहना है कि यह एक अनमोल अवसर है। ऐसे धूमकेतु हमें दूसरे तारामंडलों की रासायनिक संरचना समझने का मौका देते हैं, जो अरबों साल पुराने हो सकते हैं।

शोधकर्ताओं का मानना है कि 3आई/एटलस हमारे सौरमंडल से भी पुराना हो सकता है। इसकी रासायनिक संरचना इस बात का सबूत है कि यह एक बहुत दूर और बहुत पुरानी जगह से आया है और अंतरिक्ष में अरबों साल की यात्रा करते हुए अब हमारे आस-पास पहुंचा है। अभी इस धूमकेतु का अध्ययन जारी है। जैसे-जैसे यह सूर्य के करीब आएगा, इसकी रासायनिक प्रतिक्रियाएं बदलेंगी, जिससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिलेगी कि यह कहां बना, कैसे विकसित हुआ और इसमें कौन-कौन से तत्व मौजूद हैं। थॉमस पुजिया कहते हैं कि इस धूमकेतु की उम्र हमारे सौरमंडल से भी पुरानी हो सकती है। यह ब्रह्मांड के शुरुआती दौर की झलक है और टाइम ट्रैवेल करनी की एक विंडो। 3आई/एटलस एक इंटरस्टेलर कॉमेट है यानि यह हमारे सौरमंडल का नहीं है। यह किसी दूसरे तारामंडल से उड़ता हुआ अरबों किलोमीटर की दूरी तय करके 2025 की गर्मियों में हमारे सौरमंडल में दाखिल हुआ।

हड़ताल से दबाव में नहीं भजनलाल सरकार

7000 स्लीपर बसें नहीं चुका रही राजस्थान में होम टैक्स, करीब 700 ही दे रहीं

जयपुर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। जैसलमेर व जयपुर में बस हादसों के बाद परिवहन विभाग की ओर से बसों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। जिसके बाद स्लीपर बस संचालकों की ओर से भजनलाल सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया गया है। प्रदेशभर में स्लीपर बसों का चक्काजाम है। सरकार पर मांगें मानने को लेकर दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कहा गया है कि दो दिन का समय सरकार के पास है। इसके बाद स्टेज कैरिज बसें भी हड़ताल में शामिल हो जाएगी।

लेकिन भजनलाल सरकार क्यों स्लीपर बस संचालकों की हड़ताल से प्रभावित नहीं हो रही है। अगर करीब 8 हजार स्लीपर बसें राजस्थान की हैं तो सरकार पर दबाव क्यों नहीं बन पा रहा है। लेकिन हकीकत यह है कि इनमें से अधिकांश स्लीपर बसों का राजस्थान से कोई लेना-देना नहीं है।

मुश्किल से करीब 600 से 700 स्लीपर बसें राजस्थान में टैक्स दे रही हैं। इसके अलावा 7 हजार से ज्यादा स्लीपर बसें राजस्थान से चल तो रही हैं, लेकिन यह होम टैक्स दूसरे राज्यों को दे रही हैं।

यानी कि यह बसें दूसरे राज्यों में रजिस्टर्ड है। यह दूसरे राज्यों से राजस्थान में सवारियों का आवागमन कर रही हैं। इसलिए इन स्लीपर बसों से राजस्थान में परिवहन विभाग को कोई टैक्स नहीं मिल रहा है।

स्लीपर बसों के पास ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट होता है। पूरे देश का केंद्रीय टैक्स करीब तीन लाख रुपए जमा होता है, जो सभी बस संचालक जमा कराते हैं। इसके अलावा दूसरा होम स्टेट टैक्स होता है, यानी यह टैक्स राज्य सरकार को दिया जाता है। अलग-अलग राज्यों में यह टैक्स अलग-अलग होता है।

दूसरे राज्यों से कराते हैं रजिस्ट्रेशन, राजस्थान का टैक्स ज्यादा

स्लीपर बस मोटर संचालक अपनी बसों का ज्यादातर रजिस्ट्रेशन अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मध्यप्रदेश व अन्य राज्यों में कराते हैं। दूसरे राज्यों में होम टैक्स जमा कराकर बसों को चलाते हैं। इसका कारण यह है कि राजस्थान में महीने का टैक्स करीब 40 हजार रुपए है, जबकि दूसरे राज्यों में यह टैक्स बहुत कम है। वहां मासिक टैक्स 8 हजार से 15 हजार रुपए तक है। अरुणाचल प्रदेश में तो सालाना करीब 40 हजार रुपए टैक्स है, यानी मासिक टैक्स करीब साढ़े तीन हजार रुपए तक ही जमा करना पड़ता है।

परिवहन विभाग को कई बार कहा, लेकिन नहीं सुना

बस मालिकों ने राजस्थान में होम टैक्स कम करने को लेकर कई बार परिवहन विभाग के अधिकारियों से बात की और कई बार मंत्री से भी मिले, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। टैक्स में कोई कमी नहीं की गई। इसी कारण अधिकांश बसें राजस्थान से बाहर जाकर रजिस्टर्ड हो गईं। इसका नुकसान राजस्व के तौर पर राजस्थान सरकार को भी हो रहा है।

यह बात सही है कि करीब 550 से 700 बसें राजस्थान में रजिस्टर्ड हैं। दूसरे राज्यों में होम टैक्स कम होता है, इसलिए वहां ज्यादा बसें रजिस्टर्ड हैं। लेकिन इसके अलावा टोल टैक्स, डीजल व अन्य खर्च से आमदनी तो राजस्थान में होती है। हम तीन महीने का समय मांग रहे हैं, ताकि बसों में कमी को सुधारा जा सके। हमने पूर्व में राजस्थान के परिवहन विभाग के अधिकारियों से कई बार टैक्स कम करने की मांग की है, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया। अधिकांश स्लीपर बसें दूसरे राज्यो में रजिस्टर्ड है। राजस्थान में नाम मात्र की स्लीपर बसें है, जो परिवहन विभाग को टैक्स दे रहीं है। इसी कारण अधिकांश बसों की बॉडी मेकिंग की टेस्टिंग भी राजस्थान में नहीं हुई है।

इंदिरा गांधी की प्रतिमा खंडित, कांग्रेसजनों में भारी आक्रोश, अशोक गहलोत ने कही बड़ी बात

बाड़मेर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर सर्किट हाउस के पास स्थित इंदिरा सर्कल पर लगी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की प्रतिमा को खंडित किया गया। जिसके बाद कांग्रेसजनों में आक्रोश फैल गया है। कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया अकांउट 'X' पर लिखा कि बाड़मेर में सर्किट हाउस के पास देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी जी की मूर्ति को खंडित किए जाने की खबर चिंताजनक है। इंदिरा जी ने देश का मान बढ़ाया एवं भारत की एकता-अखंडता के लिए अपनी जान न्योछावर कर दी। आने वाली पीढ़ियां इंदिरा जी जैसी महान शख्सियत से प्रेरणा लें इसलिए ऐसी प्रतिमाओं का निर्माण कराया जाता है। उनके बलिदान दिवस के अगले ही दिन ऐसी घटना होना बेहद निंदनीय है।

अशोक गहलोत ने आगे लिखा कि बाड़मेर पुलिस को अविलंब ऐसा कृत्य करने वाले असमाजिक तत्वों को गिरफ्तार करना चाहिए।

भाजपा सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जिन महान नेताओं ने देश का गौरव बढ़ाया उनकी याद में बनाई प्रतिमाएं सुरक्षित रहें तथा उनका अपमान न हो।

इंदिरा गांधी की प्रतिमा खंडित, पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा

बाड़मेर सर्किट हाउस के पास स्थित इंदिरा सर्कल पर लगी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की प्रतिमा को अज्ञात समाजकंटकों ने खंडित कर दिया। घटना का पता चलते ही शहर में हड़कंप मच गया। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और जांच के लिए विशेष टीम का गठन किया है। प्रतिमा को अस्थायी रूप से सुधार भी दिया गया। प्रतिमा खंडित होने की जानकारी मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं की भारी भीड़ मौके पर एकत्र हो गई। सबने घटना को इंदिरा गांधी के अपमान से जोड़ते हुए कड़ी निंदा की। कांग्रेसजनों ने जिला पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना को ज्ञापन सौंपकर दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। साथ ही इंदिरा सर्कल पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की अपील भी की।

नगर परिषद की अनदेखी

सर्किट हाउस के समीप यह सर्कल पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की स्मृति में बनाया गया था, जिसका उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया था। आरंभ में इसका सौंदर्यीकरण भी हुआ, लेकिन नगर परिषद की लापरवाही के चलते आज यह उपेक्षा और अव्यवस्था का शिकार है। कांग्रेस कार्यकर्ता केवल इंदिरा गांधी की जयंती और पुण्यतिथि पर यहां आकर इसकी देख-रेख करते हैं।

नाक का हिस्सा टूटा मिला

जिला कांग्रेस संगठन मंत्री मेवाराम सोनी ने बताया कि हमें सोशल मीडिया के माध्यम से सूचना मिली कि प्रतिमा को खंडित कर दिया गया है। मौके पर पहुंचने पर देखा कि इंदिरा गांधी की नाक का हिस्सा जमीन पर पड़ा था। यह बेहद दुखद है। हमने एसपी को ज्ञापन देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है और सर्कल पर सीसीटीवी लगाने की बात रखी है।

राजस्थान को "एक्सीलेंस इन विंड एंड हाइब्रिड पॉलिसी" अवॉर्ड

हरित ऊर्जा में फिर बना देश का अग्रणी राज्य

जयपुर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है। इसी क्रम में राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर "विंडजी इंडिया 2025" सम्मेलन में "एक्सीलेंस इन विंड एंड हाइब्रिड पॉलिसी" पुरस्कार से सम्मानित किया गया। चेन्नई में आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने यह पुरस्कार राजस्थान सरकार एवं राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड को प्रदान किया। निगम की ओर से जनरल मैनेजर राजीव सिंह ने यह सम्मान ग्रहण किया।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य पवन और हाइब्रिड ऊर्जा उत्पादन में निरंतर अग्रणी स्थान बनाए हुए है। उन्होंने बताया कि यह सम्मान राज्य की निवेशक-हितैषी नीतियों और ऊर्जा विभाग की सक्रिय भूमिका का परिणाम है, जिसने राजस्थान को देश का अग्रणी 'ग्रीन एनर्जी हब' बनाया है। राज्य सरकार का लक्ष्य राजस्थान को हरित ऊर्जा निवेश और उत्पादन का वैश्विक केन्द्र बनाना है, जिससे रोजगार, नवाचार और तकनीकी नेतृत्व के नए अवसर उत्पन्न हों।

राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रोहित गुप्ता ने बताया कि इस सम्मेलन का आयोजन इंडियन विंड टरबाइन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन द्वारा किया गया, जिसमें देश-विदेश के ऊर्जा विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं ने भाग लिया। राजस्थान को यह पुरस्कार पवन एवं हाइब्रिड ऊर्जा क्षेत्र में दूरदर्शी नीतियों, पारदर्शी निविदा प्रक्रियाओं और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता के लिए दिया गया है।

वर्तमान में राजस्थान 40,407 मेगावाट की स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के साथ देश में प्रथम स्थान पर है। बीकानेर के पूगल क्षेत्र में विकसित हो रहा 2450 मेगावाट सोलर और 1250 MW/5000 MWh बैटरी ऊर्जा भंडारण पार्क देश का सबसे बड़ा पार्क होगा। इसी क्रम में 7 नवंबर को जयपुर में निवेशक सम्मेलन (इनवेस्टर्स मीट) आयोजित किया जाएगा।

100 करोड़ की एमडी ड्रग्स देशभर में होनी थी सप्लाई

फैक्ट्री का मास्टरमाइंड महाराष्ट्र से गिरफ्तार

बाड़मेर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले में सेड़वा थाना क्षेत्र के धोलकिया गांव में पकड़ी गई एमडी ड्रग्स फैक्ट्री मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। बाड़मेर पुलिस ने इस पूरे नेटवर्क के मुख्य मास्टरमाइंड और फरार आरोपी रोहन प्रभाकर को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है।

बता दें कि आरोपी रोहन केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, रायगढ़ (महाराष्ट्र) का मालिक बताया जा रहा है। जो फैक्ट्री की आड़ में एमडी ड्रग्स बनाने के लिए रासायनिक केमिकल सप्लाई करता था। एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि आरोपी रोहन पर महाराष्ट्र और

राजस्थान में एनडीपीएस एक्ट के चार मुकदमे दर्ज हैं। एसपी ने बताया कि वह क्लोरोफॉर्म, अमोनिया, क्लोराइड, एसिड, टोलविन, ब्रोमिन, एसीएल और कार्बन जैसे रासायनिक घटक मादक पदार्थ तस्करों को सप्लाई करता था, जिनसे एमडी ड्रग्स (मेथाड्रोन) तैयार की जाती थी। आरोपी को महाराष्ट्र से प्रोडक्शन वारंट पर लाकर चौहटन थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। कोर्ट में पेशी के दौरान वह चेहरा छुपाता नजर आया।

एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि 23 जुलाई 2025 को बाड़मेर पुलिस ने सेड़वा के धोलकिया गांव में एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का खुलासा किया था। यहां से 40 लाख रुपए मूल्य के रासायनिक पदार्थ जब्त किए गए थे। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि इन्हीं केमिकल्स से करीब 100 करोड़ रुपए की एमडी ड्रग्स तैयार होनी थी, जिसे देशभर में सप्लाई करने की साजिश थी।

जिंदगी की जंग हार गया कजाकिस्तान से लाया गया राहुल

एसएमएस अस्पताल में उपचार के दौरान निधन

जयपुर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। कजाकिस्तान में ब्रेन हैमरेज से जूझ रहे राजस्थान के युवा एमबीबीएस छात्र राहुल घोसल्या आखिरकार जिंदगी की जंग हार गए। एसएमएस अस्पताल के मेडिकल आईसीयू में उन्होंने अंतिम सांस ली। अस्पताल अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी ने उनके निधन की पुष्टि की।

बता दें कि करीब पखवाड़े से राहुल वेंटिलेटर पर थे और हाईडोज दवाओं के बावजूद उनके ब्रेन में कोई रिस्पांस नहीं मिल रहा था। शाहपुरा तहसील के नयाबास निवासी राहुल को दिवाली के दिन कजाकिस्तान से एयर एंबुलेंस के जरिए जयपुर लाया गया था। एयरपोर्ट से उन्हें एसएमएस अस्पताल की क्रिटिकल केयर एंबुलेंस में मेडिकल टीम की निगरानी में अस्पताल लाया गया था।

उनके इलाज के लिए एसएमएस प्रशासन ने विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक टीम गठित की थी, जिसमें न्यूरोलॉजी विभाग के प्रो. डॉ. दिनेश खंडेलवाल, एनेस्थीसिया विभाग के डॉ. निहार शर्मा, जनरल मेडिसिन के डॉ. जीएल धायल, इमरजेंसी मेडिसिन विभाग के एचओडी डॉ. सतीश मीणा और अतिरिक्त अधीक्षक नरेंद्र सिंह चौहान शामिल थे। पूरी टीम कॉलेज प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी और अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी की देखरेख में उपचार कर रही थी।

राहुल 2021 से कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे थे। आठ अक्टूबर को अचानक उन्हें ब्रेन हैमरेज हुआ, जिसके बाद वहां के अस्पताल में उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। हालत गंभीर होने पर परिवार ने उन्हें भारत लाने के प्रयास शुरू किए।

पुलिस पहरे में भी नहीं खुले बांध के गेट

बांध बना मुसीबत, खेत बने तालाब

राजसमंद, 2 नवंबर (एजेंसियां)। राजसमंद में मातृकुण्डिया बांध डूब क्षेत्र के प्रभावित के करीब एक दर्जन गांवों के किसान विभिन्न मांगों को लेकर बांध के गेटों पर बीते 18 दिनों से धरने पर बैठे हैं लेकिन अब तक सिंचाई विभाग ने बांध के गेट नहीं खोले हैं। ऐसे में बांध के डूब क्षेत्र में दर्जनों बीघा खेतों में पानी भरने लगा है। बांध के गेट खोले जाने के मामले में पुलिस जाप्ता भी मौके पर पहुंचा लेकिन आंदोलनकारी किसानों की असहमति के चलते बांध के गेट नहीं खोले जा सके।

नहीं खुले बांध के गेट

धरना स्थल पर दर्जनों की संख्या में महिला-पुरुष काश्तकार रविवार को भी डटे रहे। आन्दोलनकारी किसानों की ओर से बांध के गेट खोलने के लिए बांध को जाने वाले प्रवेश द्वार पर ताला लगा दिया गया था। बीते शुक्रवार को किसानों ने ताला

खोल दिया और सिंचाई विभाग ने बांध के चार गेट एक- एक फीट तक खोलने का अलर्ट भी जारी किया, लेकिन आन्दोलनकारी किसानों की असहमति के कारण बांध के गेट नहीं खोले जा सके।

बांध के गेट खोलने के दौरान एहतियात के तौर पर राशमी, गिलूण्ड, रेलमगरा से पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा, लेकिन इसी दौरान सिंचाई विभाग ने गेट नहीं खोलने का निर्णय कर लिया। इसके चलते बांध के गेट नहीं खोले गए वहीं बांध के जलस्तर में बढ़ोतरी होती जा रही है। इससे डूब क्षेत्र में नहीं आने वाले दर्जनों बीघा खेतों में भी बांध का पानी भर गया है।

कपास की फसलें जलमग्न

खेतों में पानी भरने से खरीफ की फसलों की लिवाई के बाद पशुओं के लिए पड़े चारे के साथ कपास की फसलें जलमग्न हो गई। वहीं, रबी फसलों की बुवाई किए जा चुके खेतों में भी पानी भर जाने से खराबे की आशंका बढ़ गई है। इस स्थिति में कई खेतों में किसानों को खेतों में भरे बांध के पानी में से पशुओं के लिए चारा लाते देखा गया।

संभागीय आयुक्त के निर्देशन में आज बैठक

मामले को लेकर संभागिय आयुक्त के निर्देशन में रविवार को बजे संयुक्त बैठक हाईब्रिड मोड़ पर आयोजित करने के आदेश जारी किए गए, जिसमे संभाग स्तरीय अधिकारी व्यक्तिशः एवं अन्य अधिकारियों एवं क्षेत्रिय जन प्रतिनिधियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ने के निर्देश दिए गए हैं।

राजसमंद बांयी नहर जल उपभोक्ता किसान समिति की बैठक महासतियों की मादडी ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्थित श्रीकृष्ण गोशाला परिसर में होगी। समिति के सचिव गोपाल आचार्य ने बताया कि रविवार को बैठक होगी।

लॉरेंस बिश्नोई व नेहरा गैंग के हार्डकोर सदस्य को पुलिस ने दबोचा

शराब ठेका फायरिंग का मास्टरमाइंड है कपिल पंडित

चूरू, 2 नवंबर (एजेंसियां)। सादुलपुर शहर के सांखू फाटक के पास नो अक्टूबर को शराब ठेके पर हिस्सेदारी लेने और दहशत फैलाने के उद्देश्य से की गई फायरिंग मामले में पुलिस ने मास्टरमाइंड हार्डकोर आरोपी को गिरफ्तार किया है.

थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर तीन दिन का पुलिस रिमांड लिया गया है. उन्होंने बताया कि मामले में गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ कि इस पूरे प्रकरण का मास्टरमाइंड हार्डकोर अपराधी कपिल कुमार शर्मा उर्फ कपिल पंडित निवासी बेवड़, हाल निवासी सादुलपुर है कपिल पंडित के विरुद्ध हत्या, लूट, फिरौती और अपहरण जैसे दर्जनों संगीन मामले दर्ज हैं.

वह लॉरेंस बिश्नोई व सम्पत नेहरा गैंग का सक्रिय सदस्य भी है. सिहाग ने बताया कि वर्तमान में कपिल पंडित जिला जेल भिवानी (हरियाणा) में एक अन्य आपराधिक प्रकरण में सजा काट रहा था. जेल में रहते हुए उसने अपने साथी विकास उर्फ पोपट निवासी लुहारू के जरिए स्थानीय शराब ठेकेदारों से हिस्सेदारी मांगने और दहशत फैलाने के लिए फायरिंग की साजिश रची थी.

तेज रफ्तार थार ने बाइक को मारी टक्कर

मौके पर चार लोगों की मौत; दो की हालत गंभीर

अलवर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर में एक ही परिवार के चार लोगों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। जबकि दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। एएसआई अरुण कुमार ने बताया कि महेंद्र कुमार अपनी पत्नी, बच्चों और भतीजी के साथ बाइक से शालीमार से अपने गांव नंगल लौट रहे थे।

रास्ते में एक तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे महेंद्र कुमार, उनकी पत्नी, बेटे और भतीजी की मौके पर ही मौत हो गई।

उनकी बेटी खुशबू गंभीर रूप से घायल हुई है और उसका इलाज चल रहा है। मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम जारी है। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया, हालांकि पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है।

परिवार शादी समारोह से लौट रहा था

जानकारी के अनुसार, बाइक पर सवार परिवार शादी समारोह से लौट रहा था। इसी दौरान छठी मील के पास तेज रफ्तार थार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में 35 वर्षीय महेंद्र, 8 वर्षीय पायल और 3 वर्षीय पूर्वांश की मौके पर ही मौत हो गई।

33 वर्षीय गुड्डी और 10 वर्षीय खुशबू गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों को जिला अस्पताल से जयपुर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में गुड्डी की भी मौत हो गई। गुड्डी का शव वापस सामान्य अस्पताल लाया गया, जहां तीनों शवों के साथ उसे भी मोर्चरी में रखवाया गया है।

अस्पताल पहुंचे टीकाराम जूली

हादसे की खबर से परिवार और गांव में कोहराम मच गया। शादी की खुशियां देखते ही देखते मातम में बदल गईं। घटना की जानकारी मिलने पर नेता प्रतिपक्ष और अलवर ग्रामीण के विधायक टीकाराम जूली भी अस्पताल पहुंचे और पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

6 जिलों में भारी से अति भारी बारिश को लेकर अलर्ट

जयपुर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। यह विक्षोभ जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर और कोटा संभागों के कुछ हिस्सों को प्रभावित करेगा, जहां 3-4 नवंबर को मेघगर्जन के साथ वर्षा का दौर चलेगा. 1 नवंबर को जारी अपडेट में अरब सागर की खाड़ी में बने अवदाब के कमजोर होकर वेस्टर्न मॉनसून लाइन में बदलने का जिक्र किया गया था, जिससे 1-2 नवंबर को उदयपुर और कोटा संभागों में हल्की फुहारें देखने को मिल सकती हैं. यह बदलाव राजस्थान के सूखाग्रस्त इलाकों के लिए राहत की सांस ला सकता है, लेकिन किसानों और यात्रियों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है. राजस्थान मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अरब सागर में विकसित हुए अवदाब ने अपनी तीव्रता खो दी है और अब यह वेस्टर्न मॉनसून लाइन के रूप में परिवर्तित हो चुका है. 1 नवंबर को जारी बुलेटिन में स्पष्ट कहा गया कि यह प्रणाली राज्य के दक्षिणी हिस्सों को प्रभावित करेगी. उदयपुर और कोटा संभागों में हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है, जिससे तापमान में मामूली गिरावट आ सकती है. वर्तमान में राज्य में अधिकांश क्षेत्रों में धूप छाई हुई है, लेकिन दक्षिणी राजस्थान में बादल घने होने लगे हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्टिम नए विक्षोभ का आधार तैयार कर रहा है, जो उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रहा है. मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि 3 नवंबर से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो जाएगा, जो राज्य के उत्तरी और मध्य संभागों को निशाना बनाएगा. जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर और कोटा के कुछ भागों में 3-4 नवंबर को मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने का अनुमान है. बारिश की मात्रा 10-20 मिमी तक हो सकती है, जो खेतों के लिए फायदेमंद साबित होगी.

स्लीपर बस में मिला हथियारों का जखीरा

देखते ही पुलिस के उड़ गए होश, इंदौर से बीकानेर के बीच चलती है बस

बीकानेर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। बीकानेर पुलिस ने गंगानगर बाईपास रोड पर बस चेकिंग के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए 4 अवैध पिस्टल, 33 जिंदा कारतूस और 2 संदिग्ध बैग बरामद किए. इंदौर निवासी मोनाराम और ओमप्रकाश फरार हो गए. यह कार्रवाई 'ऑपरेशन वज्र' के तहत की गई, जिसका उद्देश्य बढ़ते हथियार नेटवर्क को खत्म करना है. बरामद दस्तावेजों से इंदौर और हरियाणा के तस्करी गैंग्स के बीच लिंक की आशंका जताई जा रही है.

विक्रम जागरवाल/बीकानेर. राजस्थान के बीकानेर जिले में अवैध हथियार तस्करी पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की. गंगानगर बाईपास रोड पर ट्रांसपोर्ट नगर के पास राठौड़ ट्रेवल्स की स्लीपर बस की तलाशी लेने पर 4 अवैध पिस्टल, 33 जिंदा कारतूस और 2 संदिग्ध बैग बरामद हुए. आरोपी मोनाराम और ओमप्रकाश फरार हो गए, जिनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है.पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सागर के निर्देश पर बीछवाल थाना प्रभारी गोविंद चारण की टीम ने यह सफल ऑपरेशन चलाया. यह कार्रवाई अवैध हथियारों के बढ़ते नेटवर्क को तोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है.

बताया जा रहा है कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बस में संदिग्ध सामान लाया जा रहा है. शाम करीब 8 बजे इंदौर से बीकानेर आ रही राठौड़ ट्रेवल्स की स्लीपर बस गंगानगर बाईपास पर ट्रांसपोर्ट नगर के पास रोका गया. तलाशी के दौरान टीम ने पिछली सीटों के नीचे छिपे दो काले रंग के बैग बरामद किए. इनमें 4 विदेशी बनावट की पिस्टल (कैलिबर 9 एमएम), 33 जिंदा कारतूस और कुछ दस्तावेज मिले. दस्तावेजों में इंदौर के कुछ ठिकानों के पते और फोन नंबर थे, जो तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने का संकेत दे रहे हैं.

थाना प्रभारी गोविंद चारण ने बताया कि बस में सवार यात्रियों में से दो इंदौर निवासी 32 वर्षीय मोनाराम और मध्य प्रदेश के ही रहने वाले 28 वर्षीय ओमप्रकाश संदिग्ध लगे. तलाशी के वक्त वे घबरा गए और मौका पाकर बस से कूदकर भाग निकले. बाकी यात्रियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, लेकिन कोई अन्य संलिप्तता नहीं मिली.

पतंजलि विश्वविद्यालय में द्वितीय दीक्षांत समारोह

कर्तव्यनिष्ठा को जीवन का आधार बनाएं विद्यार्थी : राष्ट्रपति

हरिद्वार, 2 नवंबर (एजेंसियां)। पतंजलि विश्वविद्यालय में आज द्वितीय दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के स्नातक, परास्नातक एवं शोधार्थियों को उपाधियां और स्वर्ण पदक प्रदान किए। राष्ट्रपति से पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में साध्वी देवपूजा, देवेन्द्र सिंह (स्वामी इन्द्रदेव), मानसी (साध्वी देववाणी), अजय कुमार (स्वामी आर्षदेव), रीता कुमारी (साध्वी देवसुधा), शालू भदौरिया (साध्वी देवशीला), अंशिका, प्रीति पाठक, पूर्वा तथा मैत्रेई रहे।

इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि दीक्षांत समारोह में 64 प्रतिशत स्वर्ण पदक छात्राओं ने प्राप्त किए हैं। यही बेटियां विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि आज समय आ गया है कि देश की 140 करोड़ जनता की आशाओं को साकार करने में महिलाओं की भूमिका निर्णायक हो। यदि बेटियां पीछे रह जाएंगी तो विकसित भारत का सपना अधूरा रह जाएगा। हरिद्वार का यह पावन क्षेत्र दर्शन का द्वार है और पतंजलि विश्वविद्यालय की यह भूमि देवी सरस्वती की आराधना से सुशोभित है।

राष्ट्रपति ने कहा कि योग, आयुर्वेद और अध्यात्म के क्षेत्र में पतंजलि ने जो कार्य किया है, वह महर्षि पतंजलि की परंपरा को आगे बढ़ाने का महान प्रयास है। इस विश्वविद्यालय में शिक्षा के साथ संस्कार, विज्ञान के साथ आध्यात्म और ज्ञान के साथ व्यवहार का अद्भुत समन्वय है, जो 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को साकार करता है। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे तपस्या, सरलता और कर्तव्यनिष्ठा को अपने जीवन का आधार बनाएं और भागीरथी की तरह कठिन परिश्रम कर समाज और राष्ट्र के उत्थान में योगदान दें। उन्होंने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय ने व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का मार्ग अपनाया है। राष्ट्रपति ने इस विश्वास के साथ अपना उद्बोधन समाप्त किया कि पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी विज्ञान और अध्यात्म के समन्वय से आदर्श जीवन निर्माण में सहायक होंगे और पूरे विश्व में योग, प्राणायाम और भारतीय जीवनदर्शन का प्रसार कर भारत को पुनः विश्व गुरु बनाएंगे।

विशिष्ट अतिथि एवं उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय ने योग और आयुर्वेद के क्षेत्र में जो योगदान दिया है, वह अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी तभी सफल माने जाएंगे जब उनका ज्ञान और शिक्षा समाज के कल्याण में प्रयुक्त होगी।

इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय का यह आयोजन पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार नई शिक्षा नीति को लागू कर उत्तराखंड को शोध, नवाचार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि सर्वश्रेष्ठ उत्तराखंड के निर्माण के इस संकल्प में पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगऋषि स्वामी रामदेव ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन से पूरा पतंजलि परिवार गौरवान्वित है। उन्होंने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी राष्ट्र निर्माण की भावना से ओतप्रोत होकर आगे बढ़ रहे हैं। स्वामी रामदेव ने कहा कि पतंजलि का हर विद्यार्थी 'जॉब सीकर नहीं बल्कि क्रिएटर' है। यहां शिक्षा का आधार किसी जाति या धर्म पर नहीं बल्कि सनातन सिद्धांतों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल शिक्षित नागरिक नहीं, बल्कि चरित्रवान, आत्मनिर्भर और नैतिक समाज का निर्माण करना है।

कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को सफलतापूर्वक लागू किया है। यह नीति शिक्षा को रोजगारपरक, बहुविषयक और मूल्य-आधारित बनाने का लक्ष्य रखती है। उन्होंने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से 3.48 ग्रेड पॉइंट के साथ A+ ग्रेड प्राप्त किया है, जो इस संस्थान की उच्च गुणवत्ता का प्रमाण है। आचार्य बालकृष्ण ने यह भी बताया कि पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन ने योग, आयुर्वेद और समग्र स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय वैज्ञानिक योगदान दिया है, जिसके लिए उसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय खेल, संस्कृति और अनुसंधान के क्षेत्र में भी निरंतर प्रगति कर रहा है।

इस अवसर पर राज्यपाल गुरमीत सिंह द्वारा फ्लोरा ऑफ राष्ट्रपति भवन और मेडिसिनल प्लांट ऑफ राष्ट्रपति भवन पुस्तकों का विमोचन किया गया, जिनकी प्रथम प्रतिलिपि राष्ट्रपति को भेंट की गई। दीक्षांत समारोह में कुल 1424 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं, जिनमें 54 स्वर्ण पदक विजेता, 62 शोधार्थी (पीएच.डी.), 3 डीलिट उपाधिधारी, 744 स्नातक और 615 परास्नातक विद्यार्थी शामिल रहे।

रेवंत रेड्डी पर बीआरएस का हमला

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेताओं मन्ने कृषांक, गजेला नागेश और छावनी प्रभारी निवेदिता ने शनिवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर विकास के झूठे दावों के जरिए मतदाताओं को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का अब तक का ट्रैक रिकॉर्ड धोखे और उपेक्षा का रहा है। तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीआरएस नेताओं ने कहा कि रेवंत रेड्डी ने छावनी उपचुनावों के दौरान मतदाताओं से कई वादे किए थे, लेकिन चुनाव जीतने के बाद एक भी वादा पूरा नहीं हुआ। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस को जुबली हिल्स में वोट मिला, तो वहां भी वही हाल होगा जो छावनी में हुआ।

उन्होंने मुख्यमंत्री के इस दावे का मजाक उड़ाया कि छावनी विकास पर 4,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए। कृषांक ने कहा, वह पैसा गया कहां? रेवंत रेड्डी जुबली हिल्स के मतदाताओं को झूठे सपने दिखा रहे हैं। गजेला नागेश ने कहा कि कैंटोनमेंट के लिए एलिवेटेड कॉरिडोर की मंजूरी बीआरएस सरकार के दौरान मिली थी, और रेवंत रेड्डी को उसका श्रेय लेने का कोई अधिकार नहीं है।

विमेंस वर्ल्डकप फाइनल

भारत ने 299 रन का टारगेट दिया : साउथ अफ्रीका ने 5 विकेट गंवाए, दीप्ति ने जाफ्ता को कैच कराया, स्कोर 150/5

नवी मुंबई, 2 नवबर (एजेंसियां)। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत ने साउथ अफ्रीका को 299 रन का टारगेट दिया। नवी मुंबई के डीवाई पाटील स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने बॉलिंग चुनी। भारत ने 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए। टीम से शेफाली वर्मा ने 87 और दीप्ति शर्मा ने 58 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका ने 30 ओवर के बाद 5 विकेट के नुकसान पर 150 रन बना लिए हैं। टीम से कप्तान लौरा वोल्वार्ट (75 रन) और अनेरे डेरेकसन (1 रन) पिच पर हैं। दीप्ति शर्मा ने सिनालो जाफ्ता को कैच कराया।

पार्ट टाइम स्पिन गेंदबाज शेफाली वर्मा ने सुने लुस और मारिजान कैप को पवेलियन भेज दिया। 10वें ओवर में अमनजोत कौर के डायरेक्ट हिट ने ताजमिन ब्रिट्स को पवेलियन भेजा। श्री चरणी ने अनेके बॉश को एलबीडब्ल्यू किया। ब्रिट्स ने 23 रन बनाए, बॉश खाता भी नहीं खोल सकीं।

(समाचार प्राप्त होने तक)

साइबराबाद में नशे में वाहन चलाने पर 466 लोग पकड़े गए

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद यातायात पुलिस ने शनिवार रात नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया, जिसमें 466 लोगों को नशे की हालत में गाड़ी चलाते हुए पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए लोगों में 344 दोपहिया वाहन चालक, 15 तिपहिया वाहन चालक, 104 चारपहिया वाहन चालक और 3 भारी वाहन चालक शामिल हैं। इनमें से लगभग 20 लोगों में रक्त में अल्कोहल की मात्रा (बीएसी) 301 मिलीग्राम से लेकर 550 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर तक पाई गई। सभी आरोपियों को संबंधित अदालत में पेश किया जाएगा।

इस बीच, एक स्थानीय अदालत ने शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामलों में पकड़े गए 336 लोगों के खिलाफ सुनवाई पूरी की। इनमें 19 लोगों को जेल की सजा और जुर्माना दोनों की सजा सुनाई गई, 32 लोगों को जुर्माना भरकर समाजसेवा करने का आदेश दिया गया, जबकि 285 लोगों को जुर्माना भरने के बाद छोड़ दिया गया। साइबराबाद पुलिस ने नागरिकों को चेतावनी दी कि नशे में गाड़ी चलाना अत्यंत खतरनाक है। पुलिस ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति नशे की हालत में किसी घातक दुर्घटना का कारण बनता है, तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 के तहत गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जाएगा।

वेंकटेशन ने जीता "नेचुरल मिस्टर वर्ल्ड' स्वर्ण पदक

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के करुणापन वेंकटेशन ने शनिवार रात लॉस एंजिल्स (अमेरिका) में आयोजित "नेचुरल मिस्टर वर्ल्ड चैंपियनशिप' में क्लासिक बॉडीबिल्डिंग श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया। उन्होंने कुल मिलाकर तीसरा स्थान हासिल किया। 49 वर्षीय वेंकटेशन ने स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा, मैं अपने प्रायोजक और अपने समर्थकों तथा परिवार के सभी सदस्यों का आभारी हूं, जिन्होंने

वर्षों तक मेरा साथ दिया।

वेंकटेशन ने बताया कि पिछले संस्करण में उन्होंने इसी प्रतियोगिता में रजत पदक जीता था। उन्होंने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात है, और स्वर्ण पदक जीतना उससे भी अधिक संतोषजनक है। अंतर्राष्ट्रीय प्राकृतिक बॉडीबिल्डिंग एसोसिएशन (आईएनबीए) और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा आयोजित ये प्रतियोगिताएँ पूरी तरह दवा-परीक्षणित होती हैं और इनमें प्राकृतिक बॉडीबिल्डिंग को बढ़ावा दिया जाता है। शहर के इस शाकाहारी बॉडीबिल्डर ने बताया कि प्रतियोगिता से पहले जेट लैग उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती थी।

'सीखना बंद मत करो'

छात्रों से जस्टिस सूर्यकांत बोले- बुद्धि का ठहराव ही सबसे बड़ा खतरा है

लखनऊ, 2 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में रविवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) पद के नामित न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कानून के छात्रों से आग्रह किया कि वे हमेशा जिज्ञासु बने रहें, सीखना कभी न छोड़ें और बौद्धिक निश्चितता पर सवाल उठाना न भूलें। उन्होंने कहा कि यही वे गुण हैं जो किसी वकील को केवल जीवित रहने वाले से अलग, आगे बढ़ने वाला बनाते हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने अपने संबोधन में कहा कि कानूनी पेशे में सफलता इस बात पर निर्भर नहीं करती कि आप शुरूआत में कितना जानते हैं, बल्कि इस पर कि आप सीखने और जिज्ञासु बने रहने के कितने इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि स्नातक भले ही जल्द उनका भाषण भूल जाएं, लेकिन इसका सार याद रखें कि सीखना कभी बंद नहीं होना चाहिए।

राम मनोहर लोहिया के विचारों का किया उल्लेख :

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का नाम राम मनोहर लोहिया जैसे व्यक्ति के नाम पर है, जिन्होंने बौद्धिक निश्चितता को सबसे खतरनाक आराम बताया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि लोहिया की विरासत हमें सिखाती है कि विकास के लिए साहस चाहिए। यह पूछने का साहस कि क्या चीजे वैसी होनी चाहिए जैसी हैं, या उन्हें बदलना चाहिए।

उन्होंने छात्रों और उनके परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने देश की सबसे चुनौतीपूर्ण शैक्षणिक प्रक्रिया पूरी की है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने बताया कि यह इस वर्ष का उनका छठा दीक्षांत समारोह है जिसे वे संबोधित कर रहे हैं।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं.: SANDT_WAT_25_S-IPS, दिनांक 28.10.2025

कार्य का नाम: वाल्टियर (WAT) मंडल की मेन लाइन पर स्थापित पुराने एवं जर्जित IPS का प्रतिस्थापन।

विज्ञापित मूल्य: रु. 95,80,319.00, EMD: रु. 1,91,600.00, समापन अवधि: 12 महीने।

बोली शुरू होने की तारीख: 04.11.2025.

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 18.11.2025 को 1500 बजे।

इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त किसी भी मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

सम्पूर्ण जानकारी सहित ई-निविदा दस्तावेज वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, वाल्टियर

PR-751/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

(1) निविदा सूचना सं.: eT-HQ-WAT-26-2025, दिनांक 27.10.2025

कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ESTATE/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/W/WS/वाल्टियर (WAT) के अनुभाग में स्टाफ क्वार्टर कॉलोनी, ऑफिसर्स ट्रांजिट अकमोडेशन तथा फ्लैटों में विशुद्ध जल (नगरपालिका) की आपूर्ति के लिए 50000 गैलन क्षमता की भूमिगत जल भंडारण टंकी तथा 25000 गैलन क्षमता की RCC ओवरहेड टैंक के निर्माण द्वारा हिल मियू रेल कॉलोनी की जल आपूर्ति में वृद्धि।

कार्य की अनुमानित लागत: रु.1,43,28,332.55, EMD: रु. 2,21,700.00.

(2) निविदा सूचना सं.: eT-HQ-WAT-27-2025, दिनांक 27.10.2025

कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ESTATE/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/W/WS/वाल्टियर (WAT) के अनुभाग में सिम्हागिरी ईस्ट रेल कॉलोनी में 4 लाख लीटर क्षमता की भूमिगत जल टंकी के निर्माण द्वारा जल भंडारण सुविधा में वृद्धि, जीर्णशीर्ण जल आपूर्ति पाइप लाइन एवं पम्प हाउस की मरम्मत तथा PVC जल की टंकियों द्वारा क्षतिग्रस्त मैसोनरी जल की टंकियों का प्रतिस्थापन तथा अन्य विविध कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत: रु.1,05,43,031.88, EMD: रु. 2,02,700.00.

कार्य समापन की अवधि: 08 (आठ) महीने (क्रम सं. 1 एवं 2 के लिए)।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 24.11.2025 को 1500 बजे (क्रम सं. 1 एवं 2 के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

ऊपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मंडल रेल प्रबंधक (Engg.), वाल्टियर

PR-748/Q/25-26

सीरवी समाज का दीपावली स्नेह मिलन सम्पन्न

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाताजी बडेर में सीरवी समाज तेलंगाना हैदराबाद समाज बन्धुओं के सानिध्य मे रविवार प्रात: 11 बजे दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति में सचिव नारायणलाल काग ने बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया। प्रात: 11.15 बजे पूजा-अर्चनाकर आरती के पश्चात दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम एवं महिला मंडल द्वारा भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, लाबुराम पँवार ने कार्यक्रम में पधारे समाज बन्धुओं का स्वागतकर दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि एक ही छत के नीचे समाज बन्धुओं का सपरिवार एकत्रित होकर कार्यक्रम करने से समाज मे एकता व भाईचारा को बढावा मिलता है।

महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा ने समाज बन्धुओं व महिलाओं को दीपावली की शुभकामनाएं दी। भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी जिसका समाज बन्धुओं ने सपरिवार लाभ लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष मुलाराम सोयल, रमेश पँवार, सचिव नारायणलाल काग, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार परसराम बर्फा, जसवंत देवड़ा, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम पँवार, उपाध्यक्ष वोराराम भायल, सचिव चेलाराम भायल, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, सचिव निर्मला देवड़ा, पूर्व अध्यक्ष भुराराम सोयल, कार्यकारिणी सदस्य व समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे। सचिव नारायणलाल काग के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

जादू-टोना के शक में व्यक्ति की हत्या, पत्नी घायल

आदिलाबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरयानी मंडल के मंगी ग्राम पंचायत के पित्तगुड़ा गांव में शनिवार रात जादू-टोना करने के शक में एक 50 वर्षीय व्यक्ति की हत्या कर दी गई। यह घटना रविवार को सामने आई। पुलिस के अनुसार, पीड़ित हनुमथ राव पर सिदाम विनोद नाम के व्यक्ति ने एक विवाद के बाद कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे राव की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पत्नी बोज्जू बाई बीच-बचाव करने के प्रयास में घायल हो गईं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने राव के परिवार की शिकायत पर विनोद के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ओलिफंटा ब्रिज पर संयुक्त रूप से स्वच्छता अभियान चला

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वच्छता और सार्वजनिक स्वच्छता सुनिश्चित करने के समन्वित प्रयास में, जीएचएमसी और हैदराबाद महानगर जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) ने रविवार को ओलिफंटा ब्रिज और उसके आसपास संयुक्त रूप से सफाई अभियान चलाया। टीमें मलबा हटाने, नालियों से गाद निकालने और आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता में सुधार लाने में सक्रिय रूप से लगी रहीं। जीएचएमसी और एचएमडब्ल्यूएसएसबी अधिकारियों की देखरेख में क्षेत्र में भूमिगत जल निकासी लाइन के ओवरफ्लो की समस्या का तुरंत समाधान किया गया।

महिलाओं की आवाज निकालकर ठगी करने वाला नाबालिग गिरफ्तार

आदिलाबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यपेट जिले से एक नाबालिग लड़के को महिलाओं की आवाज निकालकर और लिव-इन रिलेशनशिप का झांसा देकर पुरुषों को ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह युवक चार सदस्यों वाले उस गिरोह का हिस्सा था जो तेलंगाना और बेंगलुरु में सक्रिय था और बेखबर लोगों को अपना शिकार बना रहा था।

आदिलाबाद के डीएसपी एल. जीवन रेड्डी ने बताया कि नाबालिग को उसके तीन साथियों मालोजी मंजी उर्फ कृष्णवेनी, बुक्या गणेश और रूपवथ श्रवण कुमार की गिरफ्तारी के बाद पकड़ा गया। इन तीनों को पुलिस ने 27 अक्टूबर को सूर्यापेट के रामचंद्रपुरम क्षेत्र से हिरासत में लिया था। नाबालिग अब तक फरार था लेकिन शुक्रवार को पुलिस ने उसे भी पकड़ लिया।

गिरोह का तरीका बेहद चालाकी भरा था। आरोपी नकली महिला पहचान बनाकर और महिलाओं की आवाज की नकल करते हुए पुरुषों से बातचीत करते थे। वे उन्हें लिव-इन रिलेशनशिप का वादा करते और फिर भरोसा जीतकर पैसे ऐंठ लेते। ठगी से मिले पैसों से आरोपी महंगे मोबाइल फोन और दोपहिया वाहन खरीदते थे।

डीसीपी योगेश गौतम ने सरकारी एसयूवी छोड़ बाइक पर की गश्त

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी एसयूवी में यात्रा करने की परंपरा से हटते हुए राजेंद्रनगर के डीसीपी योगेश गौतम ने रविवार को अत्तापुर और आसपास के 'संकटग्रस्त' इलाकों में मोटरसाइकिल से गश्त की। आईपीएस अधिकारी योगेश गौतम ने अत्तापुर, चिंतलमेट, सुलेमाननगर, हसननगर और एमएम पहाड़ी जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में गश्त के लिए अपनी रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल को प्राथमिकता दी। उनके साथ अत्तापुर इंस्पेक्टर के नागेश्वर राव और अन्य पुलिसकर्मी भी अपनी-अपनी बाइकों पर सवार होकर साथ रहे।

गश्त के दौरान डीसीपी ने स्थानीय निवासियों से पुलिसिंग पहलों पर फीडबैक लिया और देर रात होने वाले उपद्रव तथा नुक्कड़ सभाओं से जुड़ी जानकारी जुटाई। उन्होंने उन अपराध प्रभावित क्षेत्रों का भी दौरा किया जहां पहले हत्या के मामले दर्ज किए गए थे। डीसीपी गौतम ने कहा कि स्थानीय पुलिस के लिए उपद्रवी शीटरों के घरों की जांच, संभावित खतरों की खुफिया जानकारी एकत्र करने, आपराधिक गतिविधियों को रोकने और अदालत के आदेशों या जमानत शर्तों के अनुपालन की निगरानी करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पुलिस की ऐसी सक्रिय पहल से अपराध दर में कमी आएगी, सार्वजनिक सुरक्षा मजबूत होगी और कानून प्रवर्तन एजेंसियों पर समुदाय का विश्वास और बढ़ेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

बाहुबली रॉकेट सबसे...

ये पुराने हो चुके जीएसएटी-7 (रुक्मिणी) सैटेलाइट की जगह लेगा, जो फिलहाल नौसेना के कम्युनिकेशन्स का मुख्य आधार है। 'रुक्मिणी' ने युद्धपोतों, पनडुब्बियों, विमानों और किनारे पर बने कमांड सेंटर्स के बीच सुरक्षित रीयल-टाइम कनेक्शन मुमकिन किए हैं। सीएमएस-03त सैटेलाइट भारत की नेटवर्क-सेंट्रिक वॉरफेयर क्षमताओं को कई गुना मजबूत कर देगा। ये नौसेना के ऑपरेशन्स, एयर डिफेंस और स्ट्रैटेजिक कमांड कंट्रोल के लिए रीयल-टाइम कम्युनिकेशन मुहैया कराएगा, वो भी विशाल समुद्री और जमीन वाले इलाकों में। जियोस्टेशनरी ऑर्बिट (जीईओ) यानी धरती से 36,000 किलोमीटर ऊपर की गोल कक्षा। इस ऑर्पबिट में सैटेलकाइट पृथ्वी को लगातार देख सकता है। ये 24 घंटे कवरेज के लिए जरूरी है। इसी वजह से कम्युनिकेशन सैटेलाइट्स को हमेशा जीईओ में ही रखना पड़ता है।

इसरो आमतौर पर भारी कम्युनिकेशन सैटेलाइट्स को फ्रेंच गयाना में यूरोपीय स्पेसपोर्ट से लॉन्च करता है। ये पहली बार है जब ये भारतीय मिट्टी से 4.4 टन का सैटेलाइट लॉन्च करेगा। इसरो ने पहले 5 दिसंबर 2018 को एरियन-5 रॉकेट की मदद से फ्रेंच गयाना से जीएसएटी-11 लॉन्च किया था, जो 5,854 किलो का था। ये इसरो का अब तक का सबसे भारी सैटेलाइट है। एलवीएम3 रॉकेट का सबसे भारी पेलोड लो अर्थ ऑर्बिट तक पहुंचाने का रिकॉर्ड वन वेब मिशन से जुड़ा है। इसमें 5,800 किलो का पेलोड धरती से 450 किमी ऊपर भेजा गया था।

ये 36 छोटे सैटेलाइट्स का ग्रुप था, सिंगल नहीं। ऐसे में आज जो 4400 किलो वजनी सैटेलाइट भेजा जा रहा है, वो सिंगल कम्युनिकेशन सैटेलाइट के मामले में नया रिकॉर्ड है। 1999 में हुई कारगिल जंग में कम्युनिकेशन के लिए अमेरिका ने मदद से मना कर दिया था। इसके बावजूद भारत ने इस जंग में पाकिस्तान को हरा दिया था।

1999 में हुई कारगिल जंग में कम्युनिकेशन के लिए अमेरिका ने मदद से मना कर दिया था। इसके बावजूद भारत ने इस जंग में पाकिस्तान को हरा दिया था। 1999 में कारगिल की ऊंची-ऊंची चोटियों पर पाकिस्तानी घुसपैठिए छिपे हुए थे। भारतीय सेना को सटीक लोकेशन और सैनिकों की मूवमेंट ट्रैक करने के लिए जीपीएस यानी, ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम की सख्त जरूरत थी। भारत ने अमेरिका से मदद मांगी लेकिन उन्होंने मना कर दिया।

मदरसे में मिले 20...

उसने जावर पुलिस को इसकी सूचना दी। जिसके बाद पुलिस पैठियां गांव पहुंची और वहां लोगों से पूछताछ की। उच्च अधिकारियों ने मालेगांव पुलिस से संपर्क किया तो पता चला कि, उन्होंने उसी जुबेर नाम के शख्स को पकड़ा है, जो पैठियां की मस्जिद का इमाम है।

इमाम ने किराये के कमरे में रखे थे नोट :

इसके बाद जावर टीआई और थाने की टीम के अलावा सहित डीएसपी हेडक्वार्टर अनिल सिंह चौहान, टीआई सुलोचना गहलोद ने मदरसे में आरोपी जुबेर के कमरे की तलाशी। कई देर तक सर्चिंग की। तब जाकर एक बैग मिला। जिसमें करीब 16 लाख रुपये के नकली नोट मिलने का अनुमान है।

पुलिस के अनुसार, जुबेर मूल रूप से बुरहानपुर जिले के हरिपुरा क्षेत्र का निवासी है। वह मदरसे की ऊपरी मंजिल पर किराए के कमरे में रहता था। पुलिस को आशंका है कि तस्करी का बड़ा नेटवर्क यहां सक्रिय हो सकता है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर सप्लाई चेन व अन्य साथियों की जानकारी जुटा रही है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया

सीरीज 1-1 से बराबर; सुंदर ने 23 बॉल पर 49 रन बनाए; अर्शदीप को 3 विकेट

होबार्ट, 2 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला जीत लिया है। होबार्ट के बेलेरीव ओवल पर सूर्यकुमार यादव की टीम को 5 विकेट से जीत मिली। पहले खेलते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट पर 186 रन बनाए थे। भारत के लिए वॉशिंगटन सुंदर की अगुवाई में सभी बल्लेबाजों ने योगदान दिया। इसके बूते टीम ने 9 गेंद रहते आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। इसके साथ ही 5 मैचों की यह सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है। भारत होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मैच जीतने वाला पहला देश बन गया है। इससे पहले मेजबान टीम को यहां खेले सभी 5 मैचों में जीत मिली थी।

टीम इंडिया की विस्फोटक बैटिंग

भारतीय टीम के लिए वॉशिंगटन सुंदर ने छठे नंबर पर आकर नाबाद 49 रनों की पारी खेली।23 गेंदों पर उन्होंने 3 चौके और 4 छक्के मारे। संजू सैमसन की जगह खेल रहे जितेश शर्मा ने नाबाद 22 रनों का योगदान दिया। उन्होंने 13 गेंदों का सामना किया। सुंदर और जितेश के बीच 25 गेंद पर 43 रनों की नाबाद साझेदारी हुई।

इससे पहले टीम को अभिषेक शर्मा ने अच्छी शुरुआत दिलाई। हालांकि वह बड़ी पारी नहीं खेल पाए और सिर्फ 25 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने 16 गेंद पर 2 चौके और 2 छक्के मारे। शुभमन गिल ने 15 रन बनाए। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सिर्फ 11 गेंद पर 24 रन ठोके। तिलक वर्मा के बल्ले से 24 जबकि अक्षर पटेल के बल्ले से 17 रन निकले।

अर्शदीप सिंह ने हेड और इंग्लिस को किया चलता

भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद अर्शदीप ने दो ओवर में दो विकेट चटकाकर मेहमान टीम को अच्छी शुरुआत की। सीरीज का अपना पहला मैच खेल रहे इस प्रारूप के भारत के सबसे सफल गेंदबाज अर्शदीप ने ट्रेविस हेड (06) और जोश इंग्लिस (01) को अपने लगातार ओवरों में पवेलियन भेजकर तीसरे ओवर में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 14 रन पर दो विकेट किया।

तनुष कोटियान और अंशुल कंबोज ने बल्ले से दिखाया दम

इंडिया-ए ने 3 विकेट से दर्ज की जीत

बेंगलुरु, 2 नवंबर (एजेंसियां)। ऋषभ पंत की कप्तानी में इंडिया-ए ने शानदार जीत दर्ज की है. बेंगलुरु में खेले गए पहले अनाधिकारिक मैच के आखिरी दिन मेजबान टीम ने साउथ अफ्रीका-ए को 3 विकेट से हराकर 2 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली. इस मुकाबले में कप्तान ऋषभ पंत ने 90 रनों की शानदार पारी खेली. इसके अलावा ऑलराउंडर तनुष कोटियान और अंशुल कंबोज ने गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को शानदार जीत दिलाई.

इंडिया-ए ने सीरीज में बढ़त बनाई

275 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इस मुकाबले के आखिरी दिन ऋषभ पंत के आउट होते ही इंडिया-ए पर हार का खतरा मंडराने लगा था. मेजबान टीम के 7 विकेट 215 रन पर गिर गए थे. इसके बाद अंशुल कंबोज और मानव सुथार ने 7 विकेट के लिए नाबाद 62 रनों की साझेदारी करके टीम को शानदार जीत दिला दी. अंशुल कंबोज ने 46 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 37 रनों की पारी खेली. मानव सुथार ने 56 गेंदों में 3 चौकों की मदद से नाबाद 20 रन बनाए.

तनुष कोटियान ने 30 गेंदों में 2 चौकों की मदद से 23 रनों की पारी खेली. इसके अलावा कप्तान ऋषभ पंत ने टीम ओर से सबसे ज्यादा 113 गेंदों में 11 चौके और 4 छक्कों की मदद से 90 रन बनाए. आयुष बढ़ोनी 34 रन बनाकर आउट हुए. साउथ अफ्रीका की ओर से टियान वैन वुरेन ने 3 विकेट हासिल किए. त्शेपो मोरेकी को 2 विकेट मिला. इस मुकाबले में तनुष कोटियान ने शानदार प्रदर्शन किया.

तनुष कोटियान ने दिखाया दम

इस मुकाबले में तनुष कोटियान ने गेंद और बल्ले से अपना दम दिखाया. उन्होंने इस मुकाबले में कुल 8 विकेट हासिल किए. इसके अलावा उन्होंने पहली पारी में 13 और दूसरी पारी में 23 रन बनाए. उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. इसके अलावा अंशुल कंबोज ने दोनों पारियों में मिलाकर 4 विकेट हासिल किए.

साउथ अफ्रीका-ए ने पहली पारी में 309 रन बनाए थे. इसके जवाब में मेजबान टीम पहली पारी में केवल 234 रन बनाकर आउट हो गई थी. दूसरी पारी में मेहमान टीम केवल 199 रन पर सिमट गई थी. इस तरह इंडिया-ए को जीत के लिए 275 रनों का लक्ष्य मिला, जो उसने 7 विकेट खोकर हासिल कर लिया.

त्रिपुरा के पूर्व रणजी खिलाड़ी की रोड एक्सीडेंट में मौत

अंबाति रायडू के साथ अंडर-15 एशियन क्रिकेट टूर्नामेंट खेल चुके, हैट्रिक भी ली थी

अगरतला, 2 नवंबर (एजेंसियां)। त्रिपुरा के पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी राजेश बानिक की शुक्रवार रात एक सड़क हादसे में मौत हो गई। वे 40 साल के थे। उनके परिवार में उनके पिता, मां और भाई हैं। राजेश त्रिपुरा के आनंदनगर में अपनी मोटर साइकल के साथ घायल मिले थे। उन्हें GBP हास्पिटल लाया गया। जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बानिक ने 2000-01 में त्रिपुरा के लिए रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया था। बाद में उन्हें त्रिपुरा की अंडर-16 टीम का सिलेक्टर बनाया गया। त्रिपुरा क्रिकेट संघ के सचिव सुब्रत देव ने कहा- यह बहुत दुखद है। हमने एक टैलेंटेड क्रिकेटर और सिलेक्टर खो दिया है। हम सदमे में हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले। त्रिपुरा स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट क्लब के सचिव अनिरबन

देव ने कहा- वे राज्य के सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर्स में से एक थे। युवा प्रतिभाओं को पहचानने की उनकी क्षमता के बारे में बहुत कम लोग जानते थे। यही वजह है कि उन्हें अंडर-16 राज्य टीम के चयनकर्ताओं में से एक बनाया गया था।

अंडर-15 एशियन क्रिकेट टूर्नामेंट में हैट्रिक ली

राजेश ने साल 2000 में मलेशिया में आयोजित अंडर-15 क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत की ओर से हांगकांग के खिलाफ हैट्रिक ली थी। 40 ओवर के इस मैच को भारत ने 363 रन से जीता था। उस मैच में अंबाती रायडू ने 30 गेंदों में 53 रन बनाए थे। उस टीम के कोच रोजर बिन्नी थे। 17 साल के ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर की मौत हुई 5 दिन पहले 28 अक्टूबर को 17 साल के युवा क्रिकेटर बेन ऑस्टिन की एक हादसे में मौत हो गई थी। उन्हें मेलबर्न के क्लब क्रिकेटर को बॉल लगी थी। जानकारी के मुताबिक बेन मंगलवार को अपने क्लब के नेट्स में ऑटोमेटिक बॉलिंग मशीन के सामने बल्लेबाजी का अभ्यास कर रहे थे। उन्होंने हेलमेट पहन रखा था, लेकिन गेंद उनके सिर और गर्दन के हिस्से पर जा लगी।

बाबर ने विराट को पीछे छोड़ा: टी-20 में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बने

पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका से 2-1 से सीरीज जीती

लाहौर, 2 नवंबर (एजेंसियां)। करीब 8 महीने के बाद टी20 टीम से लौटे पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के तीसरे और आखिरी मुकाबले में जोरदार वापसी की. बाबर इस सीरीज के पहले दो मुकाबलों में कुछ खास नहीं कर पाए थे. पहले मैच में तो वो बिना खाता खोले ही आउट हो गए और दूसरे में सिर्फ 11 रन बनाए. लेकिन तीसरे टी20 मैच में उन्होंने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंदों पर 68 रनों की पारी खेली, जिसमें उन्होंने 9 चौके जड़े.

उनकी इस शानदार पारी की बदौलत पाकिस्तान ने 4 विकेट से मैच जीता और 2-1 सीरीज अपने नाम कर ली. इस शानदार अर्धशतकिय पारी के साथ बाबर ने

ना सिर्फ पाकिस्तान को जीत दिलाई, बल्कि भारतीय दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के एक वर्ल्ड रिकॉर्ड को भी धवस्त कर दिया. इस मामले में अब वो नंबर-1 टी20I बल्लेबाज बन गए हैं.

बाबर आजम ने तोड़ा विराट कोहली का वर्ल्ड रिकॉर्ड

बाबर आजम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में अपना 13वां अर्धशतक जड़ा. इसके साथ ही बाबर ने टी20I में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. बाबर अब टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा बार 50+ स्कोर करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. इस मामले में बाबर ने विराट कोहली का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया है. बाबर ने T20I में अब तक कुल 40 फिफ्टी प्लस स्कोर हैं, जबकि कोहली ने 39 फिफ्टी प्लस स्कोर बनाए थे और वो टी20I क्रिकेट से संन्यास भी ले चुके हैं.

ऐसा रहा मैच का हाल

मैच की बात करें तो तीसरे टी20 मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था. इसके बाद साउथ अफ्रीका ने पहले बैटिंग करते हुए 139 रन बनाए थे. जवाब में पाकिस्तान ने बाबर आजम की शानदार पारी (68) की मदद से आसानी से रन चेज कर लिया. इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड से भी नवाजा गया. इस जीत के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली.

बता दें कि, बाबर आजम ने 2016 में पाकिस्तान के लिए टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था. बाबर टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं. अब तक उन्होंने टी20I में 4300 से ज़्यादा रन बनाए हैं, जिसमें 3 शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं. उन्होंने पाकिस्तान की कप्तानी करते हुए 85 मैचों में से 48 जीते हैं. उनकी कप्तानी में पाकिस्तान की टीम 2022 टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन इंग्लैंड के हाथों का सामना करना पड़ा.

केन विलियम्सन ने टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लिया

टेस्ट-वनडे खेलते रहेंगे; बोले- पूरा फोकस टेस्ट क्रिकेट और परिवार पर रहेगा

वेलिंगटन, 2 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि, अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप से पहले टीम को स्पष्टता की जरूरत है. विलियमसन अपने देश के लिए सबसे छोटे फॉर्मेट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर इस फॉर्मेट को अलविदा कहेंगे.

उन्होंने 93 मैचों में 18 अर्धशतकों के साथ 33.4 की औसत से 2,575 रन बनाए हैं. उन्होंने न्यूजीलैंड को 2021 के टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचाया था. जहां उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हारने वाले मैच में 85 रन बनाए थे और 2016 और 2022 में सेमीफाइनल में भी टीम का नेतृत्व किया था.

विलियमसन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय दोनों व्हाइट

बॉल फॉर्मेट में कप्तानी छोड़ दी थी, जिससे उन्हें अपनी उपलब्धता चुनने की आजादी मिल गई थी. पिछले हफ्ते 35 वर्षीय खिलाड़ी ने पुष्टि की थी कि वह अपने परिवार पर ज्यादा ध्यान देने और प्रोफेशनल व्हाइट बॉल लीग में खेलने के लिए अपनी इंटरनेशनल प्रतिबद्धताओं में कटौती करेंगे.

विलियमसन ने एक बयान में कहा, 'यह मेरे और टीम के लिए सही समय है. यह टीम को आगे आने वाली सीरीज और उनके अगले बड़े लक्ष्य जो कि T20 वर्ल्ड कप है के लिए स्पष्टता देगा. वहां बहुत सारा टी20 टैलेंट है और अगला समय इन खिलाड़ियों को क्रिकेट में लाने और उन्हें वर्ल्ड कप के लिए तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण होगा'.

विलियमसन बुधवार से शुरू होने वाली वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे और उन्होंने बाद की वनडे सीरीज के लिए भी खुद को अनुपलब्ध बताया है. हालांकि वह दिसंबर में मेहमान टीम के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे, जहां वह सबसे लंबे फॉर्मेट में न्यूजीलैंड के रिकॉर्ड 9276 रनों में और रन जोड़ने की कोशिश करेंगे. उन्होंने कहा, 'मुझे इस टीम से बहुत गहरा लगाव है. ब्लैककैप्स एक खास जगह है और आप खुद को इसके लिए देना चाहते हैं और अपना बेस्ट देना चाहते हैं. यह एक सफर और एक कोशिश है और मुझे इंटरनेशनल गेम और इस माहौल के बारे में यही पसंद है.

एनजेडई के सीईओ स्कॉट वीनिंक ने कहा कि वह विलियमसन के फैसले का सम्मान करते हैं और टी20 टीम में उनके योगदान की तारीफ करते हैं. एक खिलाड़ी के तौर पर केन का प्रदर्शन और T20 टीम के कप्तान के तौर पर उनकी सर्विस बहुत शानदार रही है. दुनिया भर में सभी कंडीशन में उनके रन बताते हैं कि वह कितने वर्ल्ड क्लास बैट्समैन हैं और मैदान के अंदर और बाहर उनकी लीडरशिप का असर भी उतना ही है.

दो दशक का सफर पूरा, गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य ने कहा फुटबॉल को अलविदा

कोलकाता, 2 नवंबर (एजेंसियां)। अनुभवी भारतीय गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य ने पेशेवर फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की, जिससे आई-लीग, आईएसएल और राष्ट्रीय टीम में लगभग दो दशकों तक चले उनके शानदार करियर का अंत हो गया। 35 वर्षीय अरिंदम ने एक भावुक पोस्ट में अपने सफर को याद करते हुए लिखा कि, 'यह सब उनके बचपन के उस सपने से शुरू हुआ था। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के लिए खेलना और बाइचुंग भूटिया का सामना करना।'

'सभी को दिल से धन्यवाद'

अपने कोचों, टीम साथियों, प्रशंसकों और परिवार का धन्यवाद करते हुए अरिंदम ने कहा कि उनका शरीर अब उन्हें बता रहा था कि रुकने का समय आ गया है लेकिन मेरा दिल हमेशा उन गोलपोस्ट के अंदर ही रहेगा। उन्होंने लिखा, 'दो दशक

बाद मैं उन ट्रॉफियों, संघर्षों और जख्मों को देखता हूं जो सब कुछ बयां कर देते हैं। लेकिन सबसे बढ़कर मैं उन यादों, सीखों, दोस्ती और आभार को देखता हूं जो हमेशा मेरे साथ रहेंगे।'

कैसा रहा करियर?

टाटा फुटबॉल अकादमी से प्रशिक्षित अरिंदम ने अपने सीनियर करियर की शुरुआत चर्चिल ब्रदर्स से की थी और मात्र 19 वर्ष की उम्र में ही आई-लीग खिताब जीत लिया था। इसके बाद उन्होंने पुणे सिटी एफसी, बेंगलुरु एफसी, मुंबई सिटी और मोहन बागान के लिए भी खेला। उन्होंने 2019-20 सीजन में आईएसएल खिताब जीता और अगले सत्र में 'गोल्डन ग्लव' पुरस्कार प्राप्त किया।

साल 2021 में उन्होंने ईस्ट बंगाल की कप्तानी की, जो उनके परिवार का भी एक सपना था। अरिंदम ने भारत के लिए पांच अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और राष्ट्रीय टीम के कई शिविरों का हिस्सा रहे। सुब्रतो कप में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन ने भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया, जहाँ उन्होंने श्रीलंका और म्यांमार के खिलाफ मैच खेले। उन्होंने 2009 में ढाका में सैफ चैंपियनशिप के दौरान अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की अंडर-23 टीम में पदार्पण किया।

मेसी के भारत दौरे को लेकर बड़ी खबर, केरल की जगह हैदराबाद का दौरा करेंगे

खेल डेस्क\, 2 नवंबर (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी 'जीओएटी भारत दौरे 2025' पर हैदराबाद भी जायेंगे जिसे केरल में अर्जेंटीना टीम का प्रस्तावित दोस्ताना मैच रद्द होने के बाद कार्यक्रम में शामिल किया गया है । अर्जेंटीना टीम का कोच्चि में प्रस्तावित दोस्ताना मैच रद्द हो गया है । केरल के खेलमंत्री वी अब्दुरहमान ने पहले कहा था कि यह मैच 17 नवंबर को होगा । नये कार्यक्रम के तहत अब मेसी देश के चारों कोनों पूर्व (कोलकाता), दक्षिण (हैदराबाद), पश्चिम (मुंबई) और उत्तर (दिल्ली)

जाएंगे। इस दौरे के आयोजक सताद्रू दत्ता ने कहा, 'अब वह दक्षिण भारत भी जायेंगे । दक्षिण भारत के लाखों फुटबॉलप्रेमियों को यह तोहफा होगा। इसके साथ ही भारत के हर कोने को इसमे शामिल किया गया है। मैं चाहता हूं कि पूरा भारत इसका हिस्सा हो । केरल का मैच रद्द होने के कारण दक्षिण भारत के लोगों को मेसी को देखने के मौके से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'दक्षिण भारत के लोग हैदराबाद जाकर उन्हें देख सकते हैं। हैदराबाद के कार्यक्रम की बुकिंग एक सप्ताह के भीतर शुरू होगी। यह कार्यक्रम गाचिबोली या राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा।' संशोधित कार्यक्रम के बारे में दत्ता ने कहा कि अहमदाबाद चरण की जगह हैदराबाद ने ली है। अहमदाबाद में होने वाला प्रायोजकों का कार्यक्रम अब मुंबई में होगा।

उन्होंने कहा, 'मेसी 12 दिसंबर की मध्यरात्रि या 13 दिसंबर को तड़के पहुंचेंगे। वह मियामी से दुबई आकर एक या दो दिन आराम करेंगे जिसके बाद निजी जेट से कोलकाता आयेंगे।' इससे पहले वह 2011 में वेनेजुएला के खिलाफ एक मैत्री मैच के लिये भारत आये थे। इस बार उनके साथ उनके साथी खिलाड़ी लुईस सुआरेज और रौड्रिगो डि पॉल भी आ रहे हैं।

मेसी 13 दिसंबर को कोलकाता से हैदराबाद जायेंगे और 14 दिसंबर को मुंबई पहुंचेंगे। वह 15 दिसंबर को दिल्ली जायेंगे जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। केरल में होने वाला मैच जरूरी मंजूरी मिलने में विलंब के कारण फीफा की अगली विंडो तक स्थगित कर दिया गया है।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के 2 धोखेबाज चैंपियन

हथौड़े और बेल्ट के इस्तेमाल से जीता मैच

खेल डेस्क, 2 नवंबर (एजेंसियां)। इस बार चार टाइटल मुकाबले हुए. चारों में फैंस को खूब मजा आया. दो नए चैंपियन बने और दो ने अपने टाइटल को रिटेन किया. कोडी रोड्स और डॉमिनिक मिस्टीरियो ने अपने टाइटल का चीटिंग के जरिए बचाव किया. मिस्टीरियो तो हमेशा ही ऐसा करते आ रहे हैं लेकिन इस बार रोड्स ने भी सभी को चौंका दिया. बतौर फेस स्टार उनसे शायद ही किसी ने ऐसी उम्मीद की होगी. कहीं ना कहीं यह चीज फैंस को भी पसंद नहीं आई होगी.

कोडी रोड्स ने डू मैकइंटायर को हराया

कोडी रोड्स ने डू मैकइंटायर के खिलाफ अनडिस्प्यूटेड डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप डिफेंड की. मैच में शर्त थी कि अगर कोडी खुद को डीक्यू कराएंगे तो फिर वह टाइटल गंवा देंगे. मैकइंटायर ने कोडी को इसके लिए बहुत उकसाया लेकिन सफलता नहीं मिली. हील के रूप में डू से ऐसी उम्मीद पहले से सभी ने की थी. कोडी ने मैच के अंत में गलत काम किया.

मैकइंटायर ने कोडी को ग्लासगो किस लगाई. इस दौरान रेफरी भी गिर गए. दोनों स्टार्स नीचे धराशाई पड़े थे. इसका फायदा कोडी ने उठाया. उन्होंने रेफरी की आंखों में धूल झोंकते हुए टाइटल के ऊपर मैकइंटायर को डीडीटी लगा दिया. इसके बाद उन्होंने मैकइंटायर को क्रॉस रोड्स लगाया और पिन करते हुए अपने टाइटल को रिटेन कर लिया. ऐसा लगता है कि रोड्स बहुत जल्द हील टर्न लेने वाले हैं.

डॉमिनिक मिस्टीरियो ने रुसेव और पेंटा के खिलाफ इंटरकॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप डिफेंड की. मैच में तीनों स्टार्स ने तगड़ा एक्शन दिखाया. मैच में एक समय में रुसेव ने पेंटा को एकोलेड सबमिशन लगाया. पेंटा ने टैपआउट नहीं किया लेकिन घंटी बज गई. रुसेव को लगा कि वह जीत गए हैं. बाद में पता चला कि मिस्टीरियो ने घंटी बजाई थी.

नकली बीजों के कारण कृषि-बागवानी को भारी नुकसान : तुम्मला

कृषि मंत्री ने मसौदा समिति के सदस्यों से मुलाकात की

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने सचिवालय में तेलंगाना बीज मसौदा अधिनियम-2025 पर मसौदा समिति के सदस्यों के साथ मुलाकात की और मसौदा समिति द्वारा प्रस्तावित 'मसौदा अधिनियम' की रूपरेखा के बारे में जानकारी ली।

इस अवसर पर बोलते हुए, कृषि मंत्री, तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि बीज कृषि की एक मूलभूत आवश्यकता है और बाजार में नकली बीजों के कारण कृषि/बागवानी को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि बीज अधिनियम, 1966 और बीज नियंत्रण आदेश, 1983 के कार्यान्वयन में कई कमियां हैं और बीज कंपनियां कानून की खामियों का दुरूपयोग कर रही हैं।

उन्होंने उस अवसर को याद किया जब इसे दूर करने के लिए मसौदा समिति का गठन किया गया था इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, मसौदा समिति के सदस्यों ने वर्तमान बीज कानूनों, उनमें मौजूद कमियों और इसके कारण किसानों को हो रहे नुकसान के बारे में विस्तार से बताया।

हालांकि, वर्तमान मसौदा तेलंगाना में बीज उत्पादन के संबंध में तैयार किया गया था, और इसमें मुख्य रूप से बीज किसानों के अधिकारों और कल्याण की रक्षा, किसान-कंपनी समझौतों में निष्पक्षता, कानून को सुदृढ़ बनाना, पारदर्शिता, जवाबदेही, नियंत्रण, पारंपरिक बीजों का संरक्षण और भंडारण को बढ़ावा देना आदि मुद्दे शामिल हैं। बताया गया कि इसमें कुल 8 अध्याय और 32 खंड शामिल किए गए हैं।

बताया गया कि इसमें बीज उत्पादन, बीज उत्पादन पर नियंत्रण, पर्यवेक्षण और विवाद समाधान के लिए एक संस्थागत व्यवस्था शामिल की गई है। इसके अलावा, बीज किसानों के कल्याण के लिए बीज किसानों को ऋण वृद्धि, बीज उत्पादन पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना, बीज सहकारी समितियों और सामुदायिक बीज बैंकों को वित्तीय सहायता प्रदान करना भी शामिल किया गया है। बीज उत्पादन नियंत्रण के लिए केवल राज्य-लाइसेंस प्राप्त संस्थाओं को ही अनुमति है, किसान, आयोजक और कंपनी के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता होता है, कंपनियों को बीज कार्यक्रम प्रस्तुत करना होता है, आपूर्ति अवधि के दौरान 2/3 भुगतान करना होता है, शेष राशि भारत सरकार द्वारा जारी होने के 30 दिनों के भीतर चुकानी होती है, और पंजीकरण के लिए एक निश्चित समय सीमा निर्धारित होती है।

इस अवसर पर, प्रारूप समिति के सदस्यों ने मंत्रियों को अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। बाद में, मंत्री वरुलु ने कहा, कानून के सभी प्रावधानों और बीज कंपनियों के नियंत्रण में आने वाली संभावनाओं की पूरी तरह से जांच करना और उन्हें लागू करना हमारा कर्तव्य है। यह सुनिश्चित करना हमारी तत्काल जिम्मेदारी है कि बीज खरीदने वाले प्रत्येक किसान को न्याय मिले, न कि केवल फसल हानि के मामले में, और वर्तमान कानून के तहत सभी संभावनाओं की जांच की जाए। बैठक में कृषि विभाग के निदेशक बी. गोपी, बीज निगम के अध्यक्ष श्री अन्वेष रेड्डी, एडवोकेट सुनील कुमार, बीज निदेशक एम.वी. नागेश कुमार, ईडी रमनजीनेयुलु, श्रीनिवास रेड्डी, नीति विशेषज्ञ श्री डी. नरसिम्हा रेड्डी, के. शिव प्रसाद और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

30 लाख रुपये मूल्य का हशीश तेल जब्त

दो गिरफ्तार

खम्मम, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में रघुनाथपालम पुलिस ने वाहन जांच के दौरान 30 लाख रुपये मूल्य का हशीश तेल बरामद किया और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

रघुनाथपालम थाना प्रभारी उस्मान शरीफ ने बताया कि नियमित वाहन निरीक्षण के दौरान पुलिस को एक संदिग्ध वाहन दिखाई दिया।

तलाशी लेने पर उसमें भारी मात्रा में हशीश तेल मिला। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान खम्मम के वाईएसआर कॉलोनी निवासी कोथा रामू और आंध्र प्रदेश के राजामहेंद्रवरम जिले के थोरेडु निवासी सरथ जानकी रमैया के रूप में हुई है।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि आरोपी जिस वाहन में नशीला पदार्थ ले जा रहे थे, उसे भी जब्त कर लिया गया है। दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में पुलिस उपनिरीक्षक गजेला नरेश और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

मोहिसिन की हत्या के पांच आरोपी गिरफ्तार

दो गिरोहों की प्रतिद्वंद्विता के कारण मारा गया मोहिसिन

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर की बंडलागुड़ा पुलिस ने हत्या के मामले के पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। बीते 29 अक्टूबर को सज्जाद निवासी, गौस नगर, बंडलागुड़ा, हैदराबाद की शिकायत पर गौस नगर, बंडलागुड़ा, हैदराबाद में मोहिसिन नामक व्यक्ति की हत्या के संबंध में, हत्या का मामला दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में सैयद शाह फहद, निवासी हाफ़िज़ बाबा नगर, बंडलागुडा, सैयद सोहेल, निवासी जहांगीराबाद, बंडलागुडा, मोहम्मद निवासी फ़ारूक नगर, फलकनुमा, मोहम्मद बिन अब्दुल्ला सैफ उर्फ मोहम्मद टोपी, निवासी ओमर कॉलोनी, हफीजबाबा नगर, शेख अफरोज निवासी बंडलागुडा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त, दक्षिण-पूर्व क्षेत्र, हैदराबाद शहर, एस. चैतन्य कुमार ने बताया कि जांच के दौरान, यह पता चला है कि आरोपी घनिष्ठ मित्र हैं। आरोपी मुख्य आरोपी सैयद शाह फहद और मोहम्मद बिन अब्दुल्ला सैफ उर्फ मोहम्मद टोपी की रियाज और हशमत नामक व्यक्तियों से प्रतिद्वंद्विता थी, जो अलग-अलग चोरी गिरोह के सदस्य हैं। दोनों गिरोह इनसे रंजिश रखते थे, क्योंकि उन्होंने पहले पुलिस को उनकी आपराधिक गतिविधियों की जानकारी दी थी, जिसके कारण उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

इसके बाद, जमानत मिलने के बाद, उक्त गिरोह के कुछ सदस्यों ने बदला लेने और उन्हें खत्म करने के इरादे से सैयद शाह फहद और मोहम्मद बिन अब्दुल्ला सैफ उर्फ मोहम्मद टोपी की तलाश शुरू कर दी। इस बीच, मृतक शेख मोहिसिन ने बताया कि दोनों गिरोह उन्हें ढूंढ रहे हैं। बाद में, यह पता चला कि मृतक मोहिसिन खुद ही उनकी गतिविधियों और सूचनाओं को प्रतिद्वंद्वी गिरोहों तक पहुंचा रहा था। इसके अलावा, आरोपियों को संदेह था कि मृतक शेख मोहिसिन ने आदिल गिरोह को आर्थिक रूप से मदद की थी, जिसने पहले जनवरी 2024 में मुख्य आरोपी के चचेरे भाई मुबारक सिगर की हत्या की थी। इसे देखते हुए, आरोपी सैयद शाह फहद और मोहम्मद बिन अब्दुल्ला सैफ उर्फ मोहम्मद टोपी ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर मृतक को खत्म करने की योजना बनाई। अपनी योजना के अनुसार, 29 अक्टूबर को बंडलागुडा के गौस नगर स्थित मृतक की पान की दुकान पर गए, उसे दुकान से बाहर बुलाया और उस पर दरांती और चाकुओं से हमला कर दिया, जिससे उसे कई गंभीर चोटें आईं और उसकी मृत्यु हो गई। सम्पूर्ण जाँच एस. चैतन्य कुमार, पुलिस उप-आयुक्त, दक्षिण-पूर्व क्षेत्र, हैदराबाद शहर और ए. सुधाकर, सहायक पुलिस आयुक्त के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में की गई। उन्होंने अभियुक्तों को पकड़ने में त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस निरीक्षक आर. देवेंद्र और उनकी टीम की सराहना की है।

पांच सदस्यीय महिला गिरोह ने चोरी का प्रयास किया

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के उपनगर राजेंद्रनगर में शुक्रवार को पांच महिलाओं के एक गिरोह ने एक घर में चोरी करने का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार, गिरोह के सदस्य पहले एक मकान में घुसे, लेकिन वहाँ कोई कीमती सामान न मिलने पर उन्होंने क्षेत्र में एक अन्य घर को निशाना बनाने की कोशिश की। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने लगी है ताकि संदिग्धों की पहचान की जा सके और उन्हें जल्द पकड़ा जा सके।

भारी मात्रा में ड्रग के साथ सिविल कांट्रैक्टर गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद नारकोटिक एन्फोर्समेंट विंग (एचएनईडब्ल्यू) टीम ने मसाब टैंक पुलिस के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान एक ड्रग पेडलर को पकड़ा गया। आरोपी के पास से एमडीएमए (11) ग्राम, कोकीन (35) ग्राम, ओजी (05) ग्राम, एक्स्टसी पिल्स वी और कई ड्रग्स जब्त किए। बरामद ड्रग्स का मूल्य करीब 12 लाख रुपये बताया जा रहा है। पकड़ा गया आरोपी एजाज अहमद, बैंगलोर, कर्नाटक का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि एजाज अहमद का जन्म बिहार राज्य में हुआ और उनका पालन-पोषण कर्नाटक राज्य में हुआ। बचपन

में, उनका परिवार 1998 में कर्नाटक आकर कारवार, कर्नाटक में बस गया, जहां उनके पिता एक सिविल ठेकेदार के रूप में काम करते हैं। उन्होंने बैंगलोर में अंतिम वर्ष तक बी.टेक की डिग्री हासिल की, लेकिन बाद में अपनी पढ़ाई छोड़ दी। बाद में उन्होंने सिविल ठेकेदारी से संबंधित एक व्यवसाय शुरू किया और लगभग डेढ़ साल तक इसे सफलतापूर्वक चलाया। हालांकि, वित्तीय घाटे के कारण, उन्हें इसे बंद करना पड़ा। इसके बाद, वह अपने पिता के साथ काम करता रहा। 2020 में लॉकडाउन के दौरान, उसने अपने दोस्तों के साथ ड्रग्स का सेवन शुरू कर दिया।

समय के साथ, उसके नियमित सेवन ने उसे एक तस्कर बना दिया। उसने बैंगलोर स्थित नाइजीरियाई ट्रांसपोर्टर के माध्यम से नाइजीरियाई आपूर्तिकर्ताओं से एमडीएमए, कोकीन, ओजी और एक्स्टसी जैसी कई नशीली गोलियां प्रति ग्राम सस्ती दरों पर खरीदीं और आसानी से पैसा कमाने और एक शानदार जीवनशैली जीने के लिए बैंगलोर और हैदराबाद के ज़रूरतमंद ग्राहकों को ऊंची कीमतों पर बेचा। विश्वसनीय सूचना के आधार पर पर आरोपी को मासाब टैंक इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया।

उत्तर क्षेत्र पुलिस ने डकैती और चोरी के कई मामलों का किया खुलासा

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर क्षेत्र पुलिस ने पिछले दो हफ्तों में दर्ज कई डकैती, छीना-झपटी और चोरी के मामलों का सफलतापूर्वक पर्दाफाश करते हुए अपराधियों को गिरफ्तार किया। अधिकांश मामलों में पुलिस ने कुछ ही घंटों के भीतर आरोपियों को पकड़ लिया। मोंडा मार्केट थाना क्षेत्र में मोबाइल फोन छीने जाने की घटना के 12 घंटे के भीतर दो डिलीवरी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया। बेगमपेट पुलिस ने आईसीआईसीआई बैंक के पास एक महिला का सोने का मंगलसूत्र छीनने वाले दो मजदूरों को पकड़कर आभूषण बरामद कर लिया।

महांकाली पुलिस ने एक ऑटो चालक से लूटपाट करने वाले दो आदतन अपराधियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से ऑटो, 10 मोबाइल फोन और नकदी बरामद की। इसी तरह बोवेनपल्ली पुलिस ने एक बड़े घर में चोरी के मामले का खुलासा करते हुए 20 से ज़्यादा संपत्ति संबंधी अपराधों में शामिल एक दंपति को हिरासत में लिया। अन्य मामलों में, एक किशोर नशेड़ी को हैंडबैग चोरी करने के आरोप में पकड़ा गया, जबकि मसूद खान (49) नामक व्यक्ति को पुलिस अधिकारी बनकर वाहन चालकों से वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पान बाजार इलाके में मोबाइल छीनने के मामले में दो और संदिग्धों को भी पकड़ा गया। उत्तर क्षेत्र की डीसीपी एस. रश्मि पेरुमल ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों और वाहनों को सुरक्षित रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत डायल 100 पर दें।

एआईएमआईएम को लेकर कांग्रेस में मतभेद

रेवंत ने बताया "दोस्त' * शब्बीर ने कहा "भाजपा की बी टीम'

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी एआईएमआईएम के प्रति अपने रुख को लेकर बंटी हुई नज़र आ रही है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान एआईएमआईएम को "दोस्त' बताते हुए उसके समर्थन की अपील की, जबकि राज्य सरकार के सलाहकार मोहम्मद शब्बीर अली ने पार्टी पर भाजपा की "बी टीम' की तरह काम करने का आरोप लगाया। एर्रागड्डा में एक चुनावी रैली में रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने के बाद एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और सदन के नेता अकबरुद्दीन ओवैसी ने उनसे मुलाकात की थी और पुराने शहर के विकास के लिए कई प्रस्ताव रखे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने पुराने शहर में मेट्रो रेल परियोजना को मंज़ूरी दी है, आरामगढ़ फ्लाईओवर के निर्माण को आगे बढ़ाया है

और एआईएमआईएम की माँगों के अनुसार विकास कार्यों के लिए धनराशि जारी कर रहा हूँ।

दूसरी ओर, बिहार के किशनगंज में कांग्रेस उम्मीदवार कमर उल हुदा के लिए प्रचार करते हुए शब्बीर अली ने एआईएमआईएम पर भाजपा की मदद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, एआईएमआईएम मुस्लिम बहुल सीटों पर चुनाव लड़कर धर्मनिरपेक्ष वोटों को बाँट रही है और इस तरह अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा को फायदा पहुँचा रही है। यह भाजपा की बी टीम की तरह काम कर रही है।

शब्बीर अली ने यह भी कहा कि पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने चार सीटें जीती थीं, लेकिन उसकी मौजूदगी ने कई क्षेत्रों में भाजपा को बढ़त दिलाने में मदद की थी। मुख्यमंत्री और सरकारी सलाहकार के विरोधाभासी बयानों से कांग्रेस में असहज स्थिति बन गई है। एआईएमआईएम के साथ पार्टी के रिश्तों पर सवाल उठने लगे हैं, वहीं सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएँ सामने आई हैं। एक्स यूज़र एलवीवी राव ने टिप्पणी की, बीजेपी और टीडीपी एक टीम हैं, एआईएमआईएम बीजेपी की बी टीम है, एमआईएम कांग्रेस की टीम है, और कांग्रेस व टीडीपी भी एक टीम हैं। यानी सब एक ही टीम हैं।

जुबली हिल्स उपचुनाव प्रचार के लिए भाजपा की नजर नायुडू-पवन की जोड़ी पर

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव में राजनीतिक तापमान बढ़ता जा रहा है क्योंकि भाजपा अपनी संभावनाओं को मजबूत करने के लिए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण को प्रचार के मैदान में उतारने पर विचार कर रही है। इस बेहद अहम मुकाबले में तीन प्रमुख उम्मीदवार मैदान में हैं- कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव, पूर्व विधायक मगंटी गोपीनाथ की पत्नी, बीआरएस उम्मीदवार मगंटी सुनीता और भाजपा के दीपक रेड्डी। कांग्रेस और बीआरएस पहले से ही पूरे जोश में हैं, ऐसे में भाजपा अब अपने आंध्र के सहयोगियों की स्टार पावर का लाभ उठाकर अपने अभियान में नई ऊर्जा भरने की कोशिश कर रही है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने जुबली हिल्स चुनाव को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है और वे स्वयं अपनी पार्टी के उम्मीदवार के लिए प्रचार अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। मंत्री और कांग्रेस नेता पहले से ही निर्वाचन क्षेत्र में घर-घर जाकर प्रचार कर रहे हैं। इस बीच, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने मगंटी सुनीता की जीत सुनिश्चित करने की पूरी जिम्मेदारी संभाल ली है और अपने जमीनी अभियान को तेज कर दिया है। इस पृष्ठभूमि में, भाजपा नायुडू और पवन कल्याण, जो क्रमशः तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और जन सेना पार्टी (जेएसपी) के नेता हैं, को अपने साथ जोड़कर एक रणनीतिक कदम उठाने की इच्छुक है। दोनों नेता आंध्र प्रदेश में भाजपा के साथ गठबंधन में हैं और वहां सत्तारूढ़ गठबंधन में प्रमुख सहयोगी हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस बात पर चर्चा चल रही है कि क्या अमरावती में एक प्रतिनिधिमंडल भेजकर उन्हें व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया जाए या भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के माध्यम से अनुरोध भेजा जाए। इस कदम के पीछे निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता प्रोफाइल को एक प्रमुख कारक के रूप में देखा जा रहा है। जुबली हिल्स के तीन लाख मतदाताओं में से, डेढ़ लाख से अधिक सीमांध्र से होने का अनुमान है। इनमें कापू और कम्मा समुदायों का महत्वपूर्ण प्रभाव है, साथ ही बड़ी संख्या में फिल्म उद्योग के पेशेवर भी हैं- जिनकी अनुमानित संख्या लगभग 30,000 है। पार्टी का अनुमान है कि सीमांध्र के मतदाता डेढ़ लाख से अधिक हैं। इनमें मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदायों के बाद कापू समुदाय के मतदाता सबसे ज्यादा हैं, जबकि कम्मा समुदाय के 25 हजार से ज्यादा मतदाता हैं। भाजपा नेताओं का मानना है कि नायुडू और पवन कल्याण की भागीदारी इस वर्ग को निर्णायक रूप से अपने पक्ष में कर सकती है। पार्टी के एक वरिष्ठ सूत्र ने कहा, अगर दोनों नेता यहां प्रचार करते हैं, तो भाजपा की संभावनाएं तेजी से बढ़ेंगी। हालांकि, कुछ राजनीतिक पर्यवेक्षक आगाह करते हैं कि आंध्र प्रदेश के इन दोनों नेताओं के लिए किसी एक निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार के लिए समय देना मुश्किल हो सकता है।

केटी रामाराव ने बीआरएस कार्यालय पर हमले को बताया अराजकता का प्रतीक

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने मनुगुरु स्थित पार्टी कार्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कथित हमले और आगजनी की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह घटना राज्य में मौजूदा शासन के तहत अराजकता और कानून-व्यवस्था के पतन का स्पष्ट उदाहरण है। रामा राव ने कहा, कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से तेलंगाना में गुंडागर्दी और राजनीतिक हिंसा आम बात हो गई है। गाँवों से लेकर राजधानी तक अराजकता फैल रही है और राज्य में गुंडों का राज कायम हो गया है।

उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने बीआरएस के ज़िला अध्यक्ष रेगा कांता राव से बातचीत की और स्थानीय कार्यकर्ताओं के प्रति एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने कहा, पूरे 60 लाख सदस्यों वाला बीआरएस परिवार मनुगुरु में अपने कार्यकर्ताओं के साथ मजबूती से खड़ा है। कांग्रेस के उपद्रवियों और उनकी अराजकता से मत डरिए,

उनका अहंकार और हिंसा ज़्यादा दिन नहीं चलेगी। इस अराजकता के ख़त्म होने का दिन नज़दीक है। रामा राव ने यह भी कहा कि वे जल्द ही मनुगुरु जाकर प्रभावित पार्टी सदस्यों से मुलाकात करेंगे। इस बीच, खम्मम और भद्राद्री कोत्तागुडेम जिलों के बीआरएस नेताओं ने भी हमले की निंदा की और सरकार से हमले के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई तथा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बहाल करने की मांग की।

बीआरएस सांसद रविचंद्र का आरोप

कांग्रेस ने तेलंगाना को राजनीतिक हिंसा के दौर में धकेला

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के राज्यसभा सांसद वद्दीराजू रविचंद्र ने मनुगुरु स्थित पार्टी कार्यालय पर हुए हमले को लेकर कांग्रेस सरकार पर तीखा प्रहार किया और आरोप लगाया कि उसने तेलंगाना को फिर से राजनीतिक हिंसा के दौर में पहुँचा दिया है। उन्होंने मांग की कि कार्यालय में आग लगाने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ तुरंत और सख्त कार्रवाई की जाए। रविवार को तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए रविचंद्र ने कहा कि मनुगुरु बीआरएस कार्यालय एक निजी संपत्ति थी, जिसके मालिक ज़िला अध्यक्ष और पूर्व विधायक रेगा कांता राव हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने इसे जानबूझकर निशाना बनाया। रेगा कांता राव ने यह संपत्ति अपने पैसों से खरीदी थी। क्या कांग्रेस ने इसे बनवाया था या वित्तपोषित किया था कि अब उस पर मालिकाना

हक़ जताकर आग लगा दी गई?

रविचंद्र ने कहा कि यह हमला राजनीति से प्रेरित था क्योंकि रेगा कांता राव ने डीएमएफटी फंड के दुरुपयोग पर सवाल उठाए थे। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को एक असफल गृह मंत्री बताते हुए कहा, सिरसिला से सिद्दीपेट और भुवनगिरी से मनुगुरु तक बीआरएस कार्यालयों पर हमले हुए हैं। कांग्रेस उसी हिंसक संस्कृति को पुनर्जीवित कर रही है जिसने कभी पश्चिम बंगाल में सीपीएम कार्यालयों को तबाह कर दिया था।

राज्यसभा सांसद ने पुलिस की निष्क्रियता पर भी सवाल उठाए और कहा कि बीआरएस ऐसे हमलों से डरने वाली नहीं है। उन्होंने पूछा, जब कांग्रेसी भीड़ बीआरएस के दफ्तर जला रही थी, तब डीजीपी शिवधर रेड्डी कहाँ थे? कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सामने पुलिस असहाय नज़र आई। बीआरएस एमएलसी थाथा मधु ने इस घटना को असहमति को कुचलने की आपराधिक साजिश बताया। उन्होंने स्थानीय कांग्रेस नेताओं पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया और कहा कि यह लोकतंत्र पर सीधा हमला है। मधु ने कहा कि मनुगुरु बीआरएस कार्यालय पूरी तरह निजी संपत्ति है और कांग्रेस को अगर इस पर कोई दावा है तो उसे सार्वजनिक रूप से सबूत पेश करने चाहिए।

विकाराबाद में व्यक्ति ने पत्नी, बेटी और साली की हत्या के बाद की आत्महत्या

हैदराबाद, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले के कुलकाचेरला मंडल में शनिवार रात एक व्यक्ति ने पारिवारिक विवाद के चलते अपनी पत्नी, बेटी और साली की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, यादैया (38) अपनी पत्नी अलुवेलु (32) और दो बेटियों अपर्णा (13) तथा अपूर्वा (16) के साथ कुलकाचेरला गांव में रहता था। पिछले कुछ सप्ताह से दंपत्ति के बीच विवाद चल रहा था और दोनों में अक्सर झगड़े होते थे। मामले को सुलझाने के लिए यादैया की साली भी उनके घर आई हुई थी। विकाराबाद के डीएसपी एन. श्रीनिवास ने बताया कि शनिवार की रात यादैया ने गुस्से में आकर अपनी पत्नी, बेटी और साली पर कुल्हाड़ी से हमला कर उनकी हत्या कर दी। जब उसने बड़ी बेटी अपूर्वा पर हमला करने की कोशिश की, तो वह घर से भागकर जान बचाने में सफल रही। बाद में यादैया ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मामले की जांच जारी है।

मनुगुर में बालिका छात्रावास से भागी दो लड़कियों का भद्राचलम में पता लगाया गया

कोत्तागुडेम, 2 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मनुगुर के शिवलिंगपुरम स्थित बालिका सदनम से दो नाबालिग लड़कियों के भाग जाने का मामला सामने आया, जिन्हें बाद में भद्राचलम में सुरक्षित बरामद कर लिया गया। जिला बाल कल्याण समिति के अधिकारियों ने बताया कि इन लड़कियों को बाल विवाह के मामले में एक सप्ताह पहले बालिका सदनम में रखा गया था। शुक्रवार को वे सदनम की दीवार फांदकर फरार हो गईं। मामले की जानकारी मिलने पर आईसीडीएस और सदनम अधिकारियों ने उनकी तलाश शुरू की और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.